ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शुक्रवार, 24 मई 2024
वर्ष 2, अंक 273, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

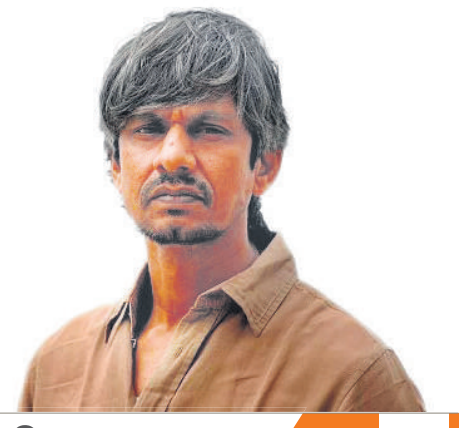

वैज्ञानिकों ने खोज निकाले जुड़वा क्षुद्रग्रह 14

भूल भुलैया 3 में काम करेंगे विजय राज 2

1200 अंक चढ़ा सेंसेक्स निफ्टी 23000 के करीब

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

नया रिकॉर्ड

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से रिकॉर्ड लाभांश भुगतान की मंजूरी दिए जाने के बीच गुरुवार को बैंक, पेट्रोलियम एवं वाहन कंपनियों के शेयरों में जबर्दस्त लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार के दोनों मानक सूचकांक अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए।

सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांकों ने 1.6 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई और नए रिकॉर्ड के साथ बंद हुए। बीएसई के 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स ने 29 जनवरी के बाद की सबसे ऊंची छलांग लगाई और 1,196.98 अंक के लाभ के साथ यह 75,418.04 अंक के अपने अबतक के सबसे ऊंचे मुकाम पर बंद हुआ। एनएसई के निफ्टी ने भी नया रिकॉर्ड बनाया। निफ्टी 369.85 अंक यानी 1.64 प्रतिशत बढ़कर 22,967.65 अंक के अपने उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1.75 प्रतिशत उछलकर 22,993.60 के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। शेयर बाजार के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बीच निवेशकों की संपत्ति भी गुरुवार को 4.28 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई।

छठे चरण में राजा भैया और धनंजय सिंह के बाहुबल की भी परीक्षा

राजा भैया खुलकर अब सपा तो धनंजय भाजपा के साथ, दोनों ने ही साफ कर दिया कि वे चुनाव में तटस्थ नहीं

अजय दयाल, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश की राजनीति में बाहुबली कहलाने वाले दो दिग्गजों के अचानक बदले मिजाज से चुनावी सरगर्मी बढ़ी हुई है। अब तक कई मौकों पर भाजपा के साथ खड़े राजा भैया ने अचानक सपा को समर्थन दे दिया तो वहीं, बसपा से नाराज धनंजय सिंह खुलकर भाजपा उम्मीदवारों का साथ देंगे। ऐसे में लोकसभा चुनाव के 6वें चरण में इन दोनों के प्रभाव की ही नहीं भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता, विधायक और एमएलसी समेत भाजपा के सात सांसदों की भी अग्निपरीक्षा होनी है।

25 मई शनिवार को राज्य की 14 लोकसभा सीटों के लिए मतदान होना है। हालांकि जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और पूर्व सांसद धनंजय सिंह का एक क्षेत्र विशेष में ही प्रभाव है लेकिन इन दिनों ठाकुर राजनीति पर चल रही गुणा-गणित के बीच दोनों के अब एक दूसरे के सामने होने से पूर्वांचल की राजनीति का प्रभावित होना स्वाभाविक है। खासकर प्रतापगढ़, कौशांबी और जौनपुर के साथ आसपास की लोकसभा सीटों का मुकाबला दिलचस्प होगा।

राजनीति के चश्मे से देखा जाए तो राजा भैया की छवि क्षत्रिय नेता के रूप में भी है। प्रतापगढ़, कौशांबी में उनका प्रभाव है। उप्र. के चुनावी परिदृश्य में राजा भैया, धनंजय सिंह ही नहीं अन्य क्षत्रिय नेताओं जैसे बृजभूषण शरण सिंह, ब्रजेश सिंह, अभय सिंह की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे में क्षत्रियों को साधने की जुगत लगा रहे सत्तासीन दल के लिए राजा भैया का विपक्ष के साथ खड़ा होना चुनौती है। संभवतः यही कारण रहा कि राजा भैया के प्रभाव को कम करने की कोशिशें तेज हैं। पहले धनंजय सिंह को आगे किया अब कौशांबी की चायल सीट से सपा की बागी विधायक पूजा पाल को सामने लाने की तैयारी है। यह लड़ाई अब राजा भैया बनाम अनुप्रिया पटेल होकर आगे मिर्जापुर तक भी पहुंच चुकी है। राजा भैया ने एमएलसी, राज्यसभा, राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा का साथ दिया और बदले में चाहा अपने प्रभाव वाले क्षेत्र में मनमुताबिक उम्मीदवार जो मिला नहीं। वहीं, धनंजय ने अपनी जगह बसपा से पत्नी श्रीकला के लोस चुनाव का टिकट लिया जो कि ऐन वक्त पर कट गया। बसपा से नाराज धनंजय, गृहमंत्री अमित शाह से मिले और भाजपा के हो गए।

भाजपा के सात सांसदों की अग्निपरीक्षा

छठे चरण में उप्र की 14 लोकसभा सीटों में से सात सीटों पर भाजपा ने अपने सांसदों पर ही विश्वास किया। एक सीट पर बसपा से आए प्रत्याशी को टिकट दिया है। पांच सीटों पर नए प्रत्याशी उतारे गए हैं। सुल्तानपुर में सांसद मेनका गांधी, प्रतापगढ़ में सांसद संगमलाल गुप्ता, डुमरियागंज से सांसद जगदंबिका पाल, बस्ती से सांसद हरीश द्विवेदी, संतकबीर नगर से सांसद प्रवीण निषाद, आजमगढ़ से सांसद दिनेश लाल यादव ' 'निरहुआ'' व मछलीशहर से सांसद बीपी सरोज को टिकट दिया है।

कल इन 14 सीटों पर होगा मतदान : सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, इलाहाबाद, अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, डुमरियागंज, बस्ती, सन्त कबीर नगर, लालगंज (एससी), आज़मगढ़, जौनपुर, मछलीशहर (एससी) और भदोही सीट के लिए शनिवार को मतदान होगा।

एक नजर

राज्यपाल के खिलाफ ईसी में शिकायत

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम बंगाल के राज्यपल सीवी आनंद बोस के खिलाफ गुरुवार को निर्वाचन आयोग (ईसी) में शिकायत दर्ज कराई। आरोप लगाया कि बोस ने कोलकाता में एक कार्यक्रम में भाजपा के चिह्न वाला एक बिल्ला लगाकर पार्टी के लिए प्रचार किया।

सलमान ने याचिका से नाम हटाने को कहा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने मुंबई में अपने आवास पर हुई फायरिंग मामले से जुड़े घटनाक्रम में एक आरोपी की हिरासत में मौत की सीबीआई से जांच कराने की मांग से संबंधित याचिका में अपना नाम हटाने का आग्रह किया है।

मुठभेड़ में माओवादी को मार गिराया

रांची। झारखंड के चतरा जिले में गुरुवार दोपहर सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक माओवादी मारा गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह मुठभेड़ राजधानी से लगभग 90 किमी दूर खूंटी-चाईबासा-रांची सीमा के पास एक जंगल में हुई। रांची के आईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि मुठभेड़ में एक माओवादी संगठन का एरिया कमांडर बुधराम मुंडा मारा गया।

मोबाइल कनेक्शन के सत्यापन का निर्देश

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को छह लाख से अधिक मोबाइल कनेक्शन के सत्यापन का निर्देश दिया है। ये ऐसे कनेक्शन हैं, जिन पर संदेह है कि ये गलत दस्तावेजों से प्राप्त किए गए हैं। विभाग ने कंपनियों को 60 दिन में इन नंबरों के सत्यापन को कहा है। विभाग ने 6 .80 लाख मोबाइल कनेक्शन की पहचान की है। संदेह है कि ये गलत और जाली पहचान पत्र जैसे केवाईसी दस्तावेजों से लिए गए हैं।

जंग-ए-आजादी मामले में आयोग ने मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़। चुनाव आयोग ने पंजाब के मुख्य सचिव से जंग-ए-आजादी स्मारक मामले में रिपोर्ट मांगी है। विजिलेन्स ब्यूरो ने कल स्मारक निर्माण में अनियमितताओं पर वरिष्ठ पत्रकार और अजीत समूह के डॉ बलजिन्दर सिंह हमदर्द समेत 26 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। भाजपा, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला करार दिया था।

प्रधानमंत्री के साथ यह देश के भविष्य का भी चुनाव : मोदी

प्रधानमंत्री ने हरियाणा में की चुनावी रैली, विपक्ष को सांप्रदायिक-जातिवादी बताया

महेंद्रगढ़ (हरियाणा), एजेंसी

महेंद्रगढ़ में चुनावी जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री को भेंट की गई गदा। ● एजेंसी

- विपक्ष पर तंज, गाय के दूध देने से पहले घी को कर रहे झगड़ा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि ये चुनाव देश का प्रधानमंत्री चुनने का है, लेकिन आप केवल प्रधानमंत्री नहीं चुनेंगे बल्कि देश के भविष्य का भी चुनाव करेंगे। दावा किया कि इंडिया गठबंधन अगले पांच साल में पांच प्रधानमंत्री की बात कर रहा है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि गाय के दूध देने से पहले ही उसके घटक दलों में 'घी' को लेकर लड़ाई शुरू हो गई है।

सात चरणों में हो रहे लोकसभा चुनाव के छठे चरण का प्रचार खत्म होने से कुछ घंटे पहले मोदी ने हरियाणा के महेंद्रगढ़ में एक रैली में कहा कि जब तक वह जीवित हैं, दलितों-आदिवासियों का आरक्षण कोई नहीं छीन सकता। उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि ये चुनाव देश का प्रधानमंत्री चुनने का चुनाव है। लेकिन आप सिर्फ प्रधानमंत्री नहीं चुनेंगे, बल्कि देश का भविष्य भी चुनेंगे। एक ओर आपका जांचा-परखा सेवक मोदी है। वहीं दूसरी ओर कौन है, इसका अता-पता ही नहीं है।

इंडिया गठबंधन में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम सहित कुछ अन्य विपक्षी दल शामिल हैं। मोदी ने 'इंडिया' गठबंधन को घोर सांप्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी करार देते हुए कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तो उसने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं होने दिया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि इंडी अलायंस वालों का हाल तो ऐसा है कि गाय ने दूध दिया नहीं, लेकिन घी खाने के लिए इंडी वालों में झगड़ा शुरू हो गया। अब ये लोग कह रहे हैं कि हर साल एक आदमी भारत का प्रधानमंत्री बनेगा। 5 साल, 5 पीएम! आप मुझे बताइए, ऐसे देश चलेगा क्या? ये लोग देश को फिर से गड्ढे में धकेलना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने पहले ही बहाना बनाना शुरू कर दिया है कि हार के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाए।

हरियाणा का विकास नहीं रुकने देंगे, यह मोदी की गारंटी

हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों के लिए 25 मई को मतदान होगा। नब्बे के दशक के मध्य में राज्य में भाजपा के लिए काम करने के अपने दिनों को याद करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हरियाणा ने मुझ पर बहुत प्यार बरसाया है, मेरे आपके साथ गहरे संबंध हैं। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार धर्मबीर सिंह के पक्ष में प्रचार करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरी गारंटी है कि हम हरियाणा का विकास नहीं रुकने देंगे। मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमने कांग्रेस के पापों को धोने के लिए कड़ी मेहनत की है।

छत्तीसगढ़ में मार गिराए 7 नक्सली

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर और बीजापुर जिले की सीमा में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में सात नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि नारायणपुर-बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों के प्लाटून नंबर-16 और इंद्रावती एरिया कमेटी के नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर नारायणपुर, दंतेवाड़ा तथा बस्तर जिले के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर फाइटर्स और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के संयुक्त दल को गश्त के लिए रवाना किया गया था। दल गुरुवार सुबह 11 बजे जब क्षेत्र में था तो नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। देर तक चल मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से सात नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए। कई नक्सलियों के घायल होने का अंदेशा है। इस घटना के साथ ही इस साल राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में 112 नक्सली मारे जा चुके हैं। 10 मई को बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए थे।

- मुठभेड़ के बाद हथियार भी बरामद

सांसद की हत्या को दोस्त ने दी थी सुपारी

कोलकाता, एजेंसी

- बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम की हत्या का राजफाश
- सीआईडी ने कहा-पांच करोड़ रुपये दिए गए थे

बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उनके एक दोस्त ने उनकी (सांसद) हत्या के लिए लगभग पांच करोड़ रुपये की सुपारी दी थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान ने बुधवार को कहा था कि 13 मई से कोलकाता में लापता अनार की हत्या हुई है और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पश्चिम बंगाल पुलिस ने कहा था कि मामले की जांच राज्य सीआईडी कर रही है। अधिकारी ने बताया कि यह एक सुनियोजित हत्या थी। सांसद के एक पुराने मित्र ने उन्हें मारने के लिए भारी रकम (लगभग पांच करोड़ रुपये) का भुगतान किया था।

उन्होंने कहा कि अवामी लीग के सांसद का दोस्त अमेरिकी नागरिक है और उसके पास कोलकाता में एक फ्लैट है। सीआईडी के आईजी अखिलेश चतुर्वेदी ने बुधवार को कहा था कि पुलिस के पास विश्वसनीय इनपुट थे कि अनार की संभवत हत्या कर दी गई है लेकिन अभी तक उनका शव बरामद नहीं हुआ है। यह पूछे जाने पर कि क्या पुलिस को कोलकाता के बाहरी इलाके के न्यू टाउन में स्थित अपार्टमेंट (जहां सांसद के 13 मई को वहां आखिरी बार मौजूद होने का पता चला था) में खून के धब्बे मिले हैं, चतुर्वेदी ने कहा कि हमारी फॉरेंसिक टीम संदिग्ध अपराध स्थल की जांच कर रही है। इस बारे में कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगी। लापता सांसद कथित तौर पर इलाज कराने के लिए 12 मई को कोलकाता पहुंचे थे। उनकी तलाश छह दिन बाद तब शुरू हुई जब उत्तरी कोलकाता के बारानगर के निवासी और बांग्लादेशी राजनेता के परिचित गोपाल विश्वास ने 18 मई को स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। अनार यहां आने के बाद बिस्वास के घर पर रुके थे।

विनायक समूह की कई फर्मों पर आयकर विभाग का छापा

संवाददाता, रुद्रपुर

- लखनऊ इनकम टैक्स की टीम ने शहर में डाला डेरा, नारंग फर्नीचर, विनायक प्लाई में की जा रही छानबीन

अमृत विचार : आयकर चोरी की आशंका के चलते लखनऊ इनकम टैक्स विभाग की टीम ने शहर में विनायक ग्रुप की कई फर्मों पर छापेमारी कर दस्तावेज जब्त किए। आवास पर भी कई परिजनों को नजरबंद कर पूछताछ की जा रही है।

गुरुवार को सुबह दस बजे लखनऊ से आई इनकम टैक्स विभाग की टीमें भारी पुलिस बल के साथ शहर पहुंचीं। टीमों ने गल्ला मंडी स्थित नारंग फर्नीचर मार्ट और विनायक प्लाई सहित कई फर्मों पर एक साथ छापामार कार्रवाई की। गल्ला मंडी में डिप्टी कमिश्नर टीएस पंचपाल, आईटीओ दीपक सिंह व मुकेश सिंह ने मार्ट में घुसते ही वहां रखे दस्तावेज जब्त कर लिए। छह अलग-अलग टीमों ने विनायक ग्रुप की फर्म एवं उनके संचालकों के आवासों पर भी दबिश दी। इनकम टैक्स विभाग की कार्रवाई की खबर पर व्यापारी नेताओं, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों का तांता लग गया और हर कोई टीम से मिलने की कोशिश करता रहा। टीम ने कई घंटों तक पूछताछ की और जब फर्म स्वामी नहीं पहुंचे तो टीमों ने फर्म, दुकान और आवास पर ही डेरा डाल दिया। खबर लिखे जाने तक कार्रवाई जारी थी। आयकर विभाग की टीमों ने उप्र में भी कई स्थानों पर छापेमारी की है। टीमों ने हरदोई, शाहजहांपुर, बहेड़ी, रामनगर आदि में भी जांच की।

रामनगर में हाथी ने ग्रामीण को पटक-पटक कर मार डाला

रामनगर, अमृत विचार : ग्राम थारी से सटे कंदला के जंगल में गुरुवार दोपहर एक ग्रामीण को हाथी ने पटक-पटक कर मौत के घाट उतार दिया। हाथी के आतंक को लेकर ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। कदला गांव का

पाला सिंह (35 वर्ष) गुरुवार की दोपहर बाइक से बंजारी गेट पर खनन काम में लगे अपने भाई को खाना देने के लिए जा रहा था। आमपानी के कंपार्टमेंट नौ से अचानक एक हाथी ने पाला सिंह पर हमला बोल दिया और उसे अपनी सूंड में फंसा कर कई बार जमीन पर पटक दिया। बताते हैं कि हाथी उसे सूंड़ में लपेट कर लगभग दो सौ मीटर अंदर जंगल की ओर ले गया जहां उसे पटक दिया। घटना की जानकारी के बाद परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे और लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़े पाला सिंह को रामनगर के सरकारी अस्पताल लाए, जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

काम्या कार्तिकेयन एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं

नई दिल्ली/जमशेदपुर, एजेंसी

- 16 साल की उम्र में हासिल की यह उपलब्धि
- पिता के साथ 20 मई को एवरेस्ट पर पहुंचीं

काम्या कार्तिकेयन नेपाल की ओर से दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बन गई हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 16 साल की उम्र में हासिल की।

जमशेदपुर स्थित टाटा स्टील एड्वेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस पर्वतारोहण में सहयोग करने वाले टीएसएएफ के एक अधिकारी ने बताया कि काम्या ने अपने पिता एवं भारतीय नौसेना के कमांडर एस. कार्तिकेयन के साथ एवरेस्ट की चोटी को फतह किया। उन्होंने बताया कि पिता और पुत्री 20 मई को एवरेस्ट की 8,849 मीटर ऊंची चोटी पर पहुंचे। नौसेना अधिकारी की बेटी काम्या मुंबई के 'नौसेना बाल विद्यालय' में 12वीं कक्षा की छात्रा हैं। नौसेना की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि इस सफलता के साथ ही काम्या दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ाई करने वाली दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की लड़की और नेपाल की ओर से एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे कम उम्र की पहली भारतीय पर्वतारोही बन गई है। भारतीय नौसेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर काम्या की तस्वीरें साझा की।

कांग्रेस ने कहा- निर्वाचन आयोग का सत्तापक्ष की ओर झुकाव का मतलब खतरे में लोकतंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

- मतदान केंद्र वार डेटा वेबसाइट पर डालने से आयोग के इनकार को निंदनीय बताया
- निर्वाचन आयोग ने कहा था-बिना सोचे-समझे डेटा जारी करने से बनेगी भ्रम की स्थिति

कांग्रेस ने अपने अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को निर्वाचन आयोग के पत्र तथा मतदान केंद्र वार वोटिंग प्रतिशत डेटा वेबसाइट पर डालने से आयोग के इनकार का हवाला देते हुए गुरुवार को कहा कि इस संवैधानिक संस्था के कदम भर्त्सना योग्य हैं तथा इससे उसका पर्दाफाश होता है।

पार्टी प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि अगर निर्वाचन आयोग जैसी संस्था सत्तारूढ़ पार्टी की तरफ झुक जाएगी तो इसका मतलब है कि लोकतंत्र खतरे में है। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि मतदान केंद्रवार मतदान प्रतिशत डेटा को बिना सोचे-समझे जारी करने और वेबसाइट पर पोस्ट करने से चुनावी मशीनरी में भ्रम पैदा होगा। आयोग ने कहा कि मतदान केंद्र में डाले गए वोटों की संख्या बताने वाले फॉर्म 17सी का विवरण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता और इससे भ्रम हो सकता है क्योंकि इससे तस्वीरों से छेड़छाड़ की आशंका बढ़ जाती है। आयोग ने सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को चुनाव में जाति, समुदाय, भाषा और धर्म के आधार पर प्रचार करने से बचने की नसीहत दी थी और कहा कि चुनावों में देश के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी सकती। वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी ने कहा कि हमारी शिकायत के बावजूद प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का आयोग के किसी दस्तावेज में नाम तक नहीं लिया गया। आयोग ने किसी को भी चेतावनी नहीं दी, न कोई प्रतिबंध लगाया और न कोई दोषारोपण किया।

इंसानियत

बिना किसी मदद के सैकड़ों शवों का अंतिम संस्कार कर चुके शरीफ गाजी

अंतिम संस्कार के इंतजार में न पड़ा रहे कोई लावारिस शव

केपी शर्मा, बदायूं

- पुलिस भी लेती है मदद, मुस्लिम को दफन, हिंदू को देते हैं मुखाग्नि

अमृत विचार : कोई रिश्ता है न नाता, अमीरी-गरीबी की परवाह नहीं। शरीफ गाजी के लिए सिर्फ इतना काफी है कि इस शव का कोई वारिस नहीं। बस वह जुट जाते हैं और शव के धर्म के अनुसार उसका अंतिम संस्कार करते हैं। इसमें किसी की मदद नहीं लेते। वह ऐसे सैकड़ों लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करा चुके हैं। पुलिस भी उनसे मदद लेती है। अब लोग उन्हें जेसीबी वाले शरीफ भाई के नाम से पहचानते हैं। उन्हें लावारिस शवों का मसीहा तक कहकर पुकारते हैं।

शहर के मोहल्ला गद्दी चौक निवासी शरीफ गाजी के पिता रियाकत अली क्रेन चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। उनके निधन के बाद शरीफ गाजी ने भी क्रेन चलानी शुरू की। शरीफ गाजी बताते हैं कि साल 1991 में शहर की एक युवती की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। उस युवती की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने उसका अंतिम संस्कार नहीं किया।

दो दिन तक शव रखा रहा। उन्होंने सुना तो अच्छा नहीं लगा। इंसानियत कचोटने लगी। इसके बाद शव के अंतिम संस्कार का फैसला किया। अपने पैसे से सामान जुटाकर शव का अंतिम संस्कार किया। तभी से उन्हें लावारिस शवों को दफनाने और अंतिम संस्कार करने का जूनून सवार हो गया। अब तक गिनती नहीं की कि कितने शवों का अंतिम संस्कार कर चुके हैं।

धर्म के अनुसार करते हैं अंतिम संस्कार

जिले में जहां भी लावारिश शव मिलता शरीफ गाजी खुद वहां पहुंच जाते हैं और शव का अंतिम संस्कार करते हैं। पुलिस लावारिस शव बरामद करती है तो पोस्टमार्टम कराने के बाद वह शरीफ भाई को याद करती है। शरीफ गाजी का कहना है कि मरने वाला जिस धर्म का होता है उसका अंतिम संस्कार उसी के अनुसार करते हैं। लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करने से दिली सुकून मिलता है। उनका कहना है कि शरीर एक मिट्टी है। उनके धर्म में मिट्टी को मिट्टी से मिलाना शबाब का काम होता है। शव का अच्छे से अंतिम संस्कार करना या दफन करने से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है।

33 साल से नहीं ली किसी की मदद

नेक कार्य के लिए जिला प्रशासन से लेकर कई सामाजिक संस्थाएं उन्हें सम्मानित कर चुकी हैं। उनके कार्य की सराहना होती है। कुछ लोग तो उन्हें मुर्दों का मसीहा तक कहकर पुकारते हैं। वह लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करने के अलावा समय-समय पर जरूरतमंदों को भोजन भी कराते हैं। वह लगभग 33 साल से यह काम कर रहे हैं लेकिन आज तक उन्होंने किसी की मदद नहीं ली। हां जो अपनी इच्छा से लकड़ी देता है तो ले लेते हैं लेकिन किसी के पास मदद के लिए नहीं जाते।

आज का मुकाबला

सनराइजर्स हैदराबाद
बनाम
राजस्थान रॉयल्स
शाम 7:30 बजे

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
हर्षल पटेल (पंजाब)	14	24
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	13	20
वरुण (कोलकाता)	14	20

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	14	741
ऋतुराज गायकवाड़ (चेन्नई)	14	583
ट्रेविस हेड (हैदराबाद)	12	533

सनराइजर्स या रॉयल्स किसे मिलेगा फाइनल का टिकट

चेन्नई, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स की टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए शुक्रवार को जब दूसरे क्वालीफायर में आमने-सामने होंगी तो यह आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ पावर हिटर ट्रेविड हेड और अभिषेक शर्मा तथा युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन की चतुर स्पिन जोड़ी के बीच मुकाबला भी होगा।

हेड और अभिषेक की जोड़ी आक्रामक बल्लेबाजी को नए स्तर तक ले गई है और इस जोड़ी को प्रशंसकों से 'ट्रेविषेक' नाम मिला है। हेड ने मौजूदा सत्र में 199.62 के स्ट्राइक रेट से 533 रन बनाए हैं जबकि अभिषेक के नाम पर 207.04 के स्ट्राइक रेट से 470 रन दर्ज हैं। दोनों ने मिलकर अब तक 72 छक्के और 96 चौके मारे हैं। उप्पल या कोटला या वानखेड़े की

- हैदराबाद के बल्लेबाजों और राजस्थान के स्पिनरों के बीच होगी कड़ी टक्कर
- फाइनल मुकाबले विजेता टीम को कोलकाता नाइट राइडर्स का करना होगा सामना

तुलना में चेपक में खेलना हालांकि बिलकुल अलग होगा क्योंकि यहां गेंद रुककर आती है और आते ही बड़े शॉट खेलना आसान नहीं होता। अपना अधिकतर क्रिकेट इसी मैदान पर खेलने वाले रॉयल्स के ऑफ स्पिनर अश्विन यहां की पिच से अच्छी तरह वाकिफ हैं और टूर्नामेंट के आखिरी चरण में उनकी फॉर्म में सुधार हुआ है। रॉयल्स को उम्मीद होगी कि देश के सर्वश्रेष्ठ लेग स्पिनर चहल के साथ वह हेड, अभिषेक और क्लासेन को जल्दी से जल्दी पवेलियन भेज देंगे जिससे कि वे मैच पर नियंत्रण बना सकें। जहां तक सनराइजर्स की गेंदबाजी की बात है तो एक बार फिर जिम्मेदारी टी नटराजन पर होगी जो इस सत्र में टीम के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं और यहां अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगे।

भुवनेश्वर कुमार और पैट कमिंस की अनुभवी जोड़ी को भी कुछ करना होगा क्योंकि पिछले दो मैचों में भुवनेश्वर ने कोई विकेट नहीं लिया। सनराइजर्स की समस्या टीम में दो अच्छे स्पिनरों का नहीं होना भी है। रॉयल्स की बात करें तो आरसीबी खिलाफ ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत टीम ने आखिरकार पांच मैचों से जीत के इंतजार को खत्म कर दिया। बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम ने कुछ सकारात्मक संकेत दिखाए, खासकर यशस्वी ने और वह अगले महीने अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले इस फॉर्म को जारी रखना चाहेंगे।

पाकिस्तान में प्रतिभा दिखाएंगी चित्रकूट की उन्नति

हन्ना बिनैका गांव की बेटी है होनहार स्क्वैश खिलाड़ी

विकास श्रीवास्तव, चित्रकूट

अमृत विचार। चित्रकूट जिले के गांव हन्ना बिनैका की उन्नति त्रिपाठी 25 जून से पाकिस्तान में होने वाली 31 वीं एशियाई इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्नति की इस उपलब्धि से उसके गांव ही नहीं बल्कि जिले में खुशी का माहौल है। इसके अलावा उसे यूएसए के ह्यूस्टन में होने वाली विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में भी खेलने का मौका मिलेगा। यह प्रतियोगिता 12 जुलाई से होगी। इस्लामाबाद में 25 जून से एशियाई खिलाड़ियों की स्क्वैश प्रतियोगिता होगी। इसमें भाग लेने के लिए देश भर से जिन प्रतिभाओं का चयन किया गया है, उसमें उन्नति भी हैं। उन्नति ने दो से छह मई तक के ट्रायल में हिस्सा लिया था और उसमें अव्वल रहने के बाद उनको पाकिस्तान जाने का अवसर मिला। उन्नति की देश में स्क्वैश की अंडर 17 कैटेगरी में छठवीं रैंक है। उन्नति के पिता हरिओम त्रिपाठी भारतीय स्क्वैश टीम के वर्ष 2000 से 2015 तक कोच रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि उन्नति पाकिस्तान में अंडर 17 कैटेगरी में चौथे रैंक पर खेलेंगी। उन्नति के भाई अंश भी स्क्वैश के माहिर खिलाड़ी हैं। भाई-बहन छठे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। 16 वर्षीया उन्नति मुंबई में इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में अंडर-17 वर्ग में बालिकाओं का खिताब जीत चुकी हैं।

छह साल से शुरू किया स्क्वैश खेलना : पिता हरिओम खुद भी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे हैं। वह चेन्नई की एकेडमी में प्रशिक्षण दिया करते थे। वह बताते हैं कि उन्नति ने महज छह साल की उम्र मंम स्क्वैश खेलना शुरू कर दिया था। जब वह देहरादून की एक खेल संबंधी कोचिंग से संबद्ध हुए तो उन्नति भी वहीं पढ़ने और उनसे खेल का गुर सीखने लगी।

टी-20 विश्व कप की चाह में भारतीय टीम

खिताब के सूखे को खत्म करने पर टिकी दिग्गजों की नजर, एक दशक पहले फाइनल में पहुंची थी भारतीय टीम

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 क्रिकेट की लगातार बढ़ती लोकप्रियता के बीच भारत के पास दुनिया की सबसे लुभावनी और सबसे अधिक देखी जाने वाली लीग है। इसके बावजूद भारत की राष्ट्रीय टीम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उस तरह की सफलता हासिल नहीं कर पाई है। रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टीम जब आगामी टी20 विश्व कप के लिए अमेरिका और कैरेबिया जाएगी तो उसकी नजरें दूसरे खिताब के लंबे इंतजार को खत्म करने पर टिकी होंगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि इंडियन प्रीमियर लीग में पैसे और प्रतिभा की कोई कमी नहीं हैं और यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेरों को आकर्षित करती है।

भारत हालांकि आईपीएल की शुरुआत के बाद से टी20 विश्व कप जीतने में नाकाम रहा है। वर्ष 2007 में दक्षिण अफ्रीका में पहले टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद भारत सिर्फ एक बार 2014 में फाइनल में पहुंच पाया और तब उसे श्रीलंका के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था। खिताब का यह सूखा अन्य प्रारूपों में भी दिखा। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का पिछला खिताब 2013 में इंग्लैंड में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीता। इसके अलावा टीम ने 50 ओवर के विश्व कप में पिछला खिताब 2011 में जीता। पिछले साल भारत को इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा और इसके कुछ महीने बाद घरेलू सरजमीं पर 50 ओवर के विश्व कप के फाइनल में भी टीम ऑस्ट्रेलिया से हार गई। एक अरब 40 करोड़ की जनसंख्या वाले क्रिकेट के दीवाने देश के प्रशंसकों के लिए 50 ओवर में विश्व कप की हार को पचाना आसान नहीं था क्योंकि टीम अपने सभी 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी और जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी। भारत विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ करेगा और नौ जून को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा। टीम 12 जून को अमेरिका जबकि 15 जून को कनाडा के खिलाफ खेलेगी।

भारतीय एकादश में ऋषभ पंत का दावा मजबूतः पार्थिव पटेल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत के शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की कमी का जिक्र करते हुए विकेटकीपर के लिए ऋषभ पंत का दावा ज्यादा मजबूत बताया। लीजेंड्स इंटरकॉन्टिनेंटल टी20 लीग की घोषणा के लिए यहां पहुंचे पार्थिव ने कहा टीम में विकल्प की कोई कमी नहीं है और ऐसे में टीम में कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल एक साथ खेल सकते हैं। टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के विकेटकीपर की पहली पसंद के बारे में काफी चर्चा हो रही है क्योंकि आईपीएल के मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत ने शानदार प्रदर्शन किया है। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत ने इस दौरान 13 मैचों में 446 रन बनाए। उनकी टीम हालांकि प्लेऑफ में पहुंचने में नाकाम रही। पार्थिव ने विकेटकीपर के बारे में पूछे जाने पर कहा भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम देखे तो इसमें कोई शक नहीं कि विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए पंत पहली पसंद होंगे।

टी-20 विश्व कप 2024 के लिए चुने गए मैदान

मैदान	शहर
सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम	नॉर्थ साउंड, एंटीगा और बारबुडा
केंसिंग्टन ओवल	ब्रिजटाउन, बारबाडोस
प्रोविडेंस स्टेडियम	प्रोविडेंस, गयाना
डैरेन सैमी स्टेडियम	ग्रोस आइलेट, सेंट लूसिया
अर्नोस व्हेल स्टेडियम	किंग्सटाउन, सेंट विंसेंट एंड ग्रेनेडाइंस
ब्रायन लारा क्रिकेट स्टेडियम	सैन फर्नांडो, त्रिनिदाद एंड टोबैगो
सेंट्रल ब्रोवर्ड पार्क लॉडरहिल	फ्लोरिडा, अमेरिका
ग्रैंड प्रीरी स्टेडियम	डलास (टेक्सास), अमेरिका
नासाउ काउंटी इंटरनेशनल	लॉन्ग आइलैंड (न्यूयॉर्क), अमेरिका

विश्व विजेता

2007	भारत
2009	पाकिस्तान
2010	इंग्लैंड
2012	वेस्ट इंडीज
2014	श्रीलंका
2016	वेस्टइंडीज
2021	ऑस्ट्रेलिया
2022	इंग्लैंड

टी-20 विश्व कप में अब तक के सबसे बड़े रिकॉर्ड

सर्वाधिक रन	विराट कोहली (भारत) 27 मैचों में 1,141 रन।
टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन	विराट कोहली (भारत) ने 2014 विश्व कप में 319 रन बनाए थे।
सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर	ब्रेंडन मैकुलम (न्यूजीलैंड) 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 123 रन।
सर्वाधिक शतक	क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) ने 2007 और 2016 में 2-2 शतक बनाए।
सर्वाधिक विकेट	शाकिब अल हसन (बांग्लादेश) 36 मैचों में 47 विकेट।
टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट	वानिंदु हसरंगा (श्रीलंका) 2021 विश्व कप में 16 विकेट।
सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े	अजंता मेंडिस (श्रीलंका) 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट।
सर्वाधिक शिकार	महेंद्र सिंह धोनी (भारत) 33 मैचों में 32 शिकार।
सर्वाधिक कैच (फील्डर)	एबी डिविलियर्स (दक्षिण अफ्रीका) 30 मैचों में 23 कैच।
उच्चतम स्कोर	श्रीलंका ने 2007 में केन्या के खिलाफ 6 विकेट पर 260 रन बनाए।
न्यूनतम स्कोर	नीदरलैंड्स की टीम 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 39 रन पर ऑलआउट।

खेल डायरी

क्वालीफायर में भारत को मिल सकता है कोटाः कुट्टप्पा

नई दिल्ली। मुक्केबाजी कोच सीए कुट्टप्पा का मानना है कि 25 मई से बैंकॉक में शुरू होने वाले अंतिम पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर टूर्नामेंट में भारत कम से कम चार से पांच और कोटा स्थान हासिल कर सकता है। कुट्टप्पा ने बताया थाईलैंड क्वालीफायर से, हमें निश्चित रूप से 4-5 कोटा स्थान हासिल करने की उम्मीद है और हम सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद कर रहे हैं। इस बार हमारे पास निश्चित मौका है। उन्होंने कहा प्रत्येक मुक्केबाज को 2-3 स्पैरिंग सत्र मिले और सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया। हम बहुत सकारात्मक हैं। प्रशिक्षण शिविर में कुल 13 देशों ने भाग लिया। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस आदि के मुक्केबाजों के साथ स्पैरिंग सत्र ने हमारे मुक्केबाजों को बहुत कुछ दिया इस विश्वास के साथ कि उन्हें पेरिस में बड़े मंच पर चुनौती दी जा सकती है।

प्रथमेश फुगे सेमीफाइनल में, रिकर्व तीरंदाजों ने विश्व कप के दूसरे चरण में निराश किया

येचियोन (दक्षिण कोरिया)। युवा कम्पाउंड तीरंदाज प्रथमेश फुगे ने बृहस्पतिवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि पुरुष और महिला रिकर्व टीमों को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। एशियाई खेलों की मौजूदा चैम्पियन ज्योति सुरेखा वेनाम कम्पाउंड महिला व्यक्तिगत क्वार्टरफाइनल में सारा लोपेज से 142-145 से हार गयीं। ज्योति ने पिछले महीने शंघाई में पहले चरण में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी थी। 21 साल के फुगे ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ में से एक जीत हासिल की

क्वार्टर फाइनल में पहुंचे नोवाक

जिनेवा। नोवाक जोकोविच ने अपने 37वें जन्मदिन का जश्न गैर वरीय यानिक हैंफमैन को सीधे सेटों में हराकर जिनेवा ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर मनाया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के जोकोविच ने हैंफमैन को 6-3, 6-3 से हराया जो एटीपी टूर्नामेंटों में उनकी 1100 वीं जीत है। जोकोविच दूसरे सेट में एक समय 0-3 से पिछड़ रहे थे लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह गेम जीतकर सेट और मैच अपने नाम किया। हैंफमैन ने पहले दौर में एंडी मरे को 7-5, 6-2 से हराया था। सत्र के पहले खिताब की तलाश में जुटे जोकोविच अगले दौर में डेनिस शापोवालोव और टेलोन ग्रीक्सपूअर के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। जिनेवा ओपन का फाइनल शनिवार को होगा जबकि इसके एक दिन बाद रोलां गैरो पर मुख्य ड्रॉ के मुकाबले शुरू होंगे जहां जोकोविच गत चैंपियन हैं।

एथलेटिक्स मीटः महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ याराजी ने जीती

हेलसिंकी। एशियन गेम्स की रजत पदक विजेता ज्योति याराजी ने अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए मोटोनेट जीपी ज्यवास्किला एथलेटिक्स मीट में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा जीतकर भी पेरिस ओलंपिक के लिए मामूली अंतर से फिर क्वालीफाइ नहीं कर पायी। फिनलैंड के हरजुन स्टेडियम में बुधवार को हुई स्पर्धा में भले ही याराजी ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी करने में सफल रहीं, लेकिन वह पेरिस 2024 ओलंपिक क्वालीफाइंग मार्क को पार करने में 0.01 सेकेंड से चूक गईं। इस सत्र की अपनी तीसरी आउटडोर प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करते हुए याराजी ने जमैका की क्रिस्टल मॉरिसन (12.87 सेकेंड) और फिनलैंड की लोटा हराला (12.95 सेकेंड) को पीछे छोड़ते हुए बाधा दौड़ जीती। वह पिछले वर्ष चेंगदू में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भी इसी अंतर से ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग मार्क को पार करने से चूक गई थीं।

ओलंपिक निशानेबाजी टीम

मुख्य निशानेबाज की फॉर्म में गिरावट पर रिजर्व खिलाड़ी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय निशानेबाजी दल में रिजर्व निशानेबाज को भी शामिल किया जायेगा जो दो मुख्य निशानेबाजों में किसी की फॉर्म में गिरावट होने पर मुख्य टीम का हिस्सा बनेगा। सूत्रों के मुताबिक भारतीय राष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (एनआरएई) टीम की घोषणा दो बार में कर सकता है। पिस्टल और राइफल स्पर्धाओं में चार चयन ट्रायल की श्रृंखला 19 मई को समाप्त हुई और पेरिस के लिए टीम की घोषणा शीघ्र ही की जानी है, लेकिन सूत्र ने बताया कि 21 सदस्यीय टीम की घोषणा दो बार में की जा सकती है। सूत्र ने कहा महासंघ राइफल/पिस्टल और शॉटगन के लिए टीमों की अलग-अलग घोषणा कर सकता है।

श्रीलंका ने मैच फिक्सिंग मामले में एलपीएल फ्रेंचाइजी को रद करने का फैसला बदला

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका क्रिकेट ने दांबुला थंडर्स फ्रेंचाइजी के मालिक तमीम रहमान की मैच फिक्सिंग के संदेह में गिरफ्तारी के कारण फ्रेंचाइजी को समाप्त करने की घोषणा के एक दिन बाद अपने फैसले से पलटते हुए कहा कि उसकी टी20 लीग मैचों की तय कार्यक्रम के मुताबिक आगे बढ़ेगी और इसमें सभी पांच टीमें शामिल होंगी।

एसएलसी ने घोषणा की कि फ्रेंचाइजी का एक नया मालिक होगा और टूर्नामेंट एक से 21 जुलाई तक योजना के अनुसार आयोजित किया जाएगा। लंका प्रीमियर लीग का पांचवां सत्र अपनी तय योजना और पांच टीमों के मैचों के तय कार्यक्रम के मुताबिक जारी रहेगा।

एसएलसी जल्द ही दांबुला थंडर्स के नए मालिक की पुष्टि करेगा। सभी खिलाड़ियों, प्रशंसकों और हितधारकों को आश्वस्त करते हैं कि लीग की अखंडता और क्रिकेट की भावना पूरे टूर्नामेंट के दौरान संरक्षित रहेगी। बांग्लादेशी मूल के ब्रिटिश नागरिक रहमान को अदालत के आदेश के बाद शहर के भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। दांबुला फ्रेंचाइजी को अप्रैल में बांग्लादेशी उद्यमियों के नेतृत्व वाले इंपीरियल स्पोर्ट्स ग्रुप ने खरीदा था।

मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में चालिहा ने बेइवेन झेंग को हराकर किया उलटफेर

सिंधू ने यू जिन को हराया, अश्मिता भी क्वार्टर फाइनल में

कुआलालंपुर, एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां कड़े मुकाबले में कोरिया की सिम यू जिन को हराया लेकिन दिन का आकर्षण अश्मिता चालिहा रहीं जिन्होंने दूसरे दौर में तीसरी वरीय बेइवेन झेंग को हराकर उलटफेर करते हुए मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पूर्व विश्व चैंपियन और दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने कोरिया की दुनिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी यू जिन को महिला एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में 59 मिनट में 21-13 12-21 21-14 से हराया। यू जिन के खिलाफ सिंधू की यह तीसरी जीत है। पांचवीं वरीय सिंधू अगले दौर में शीर्ष वरीय हेन युई से भिड़ेंगी। चीन की इस खिलाड़ी ने पिछले महीने निंग्बो में एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप में सिंधू को हराया था। भारतीय खिलाड़ी ने हेन युई के खिलाफ छह में से पांच मुकाबले जीते हैं। दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी अश्मिता ने इसके बाद दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी झेंग को तीन गेम में 21-19 16-21 21-12 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अश्मिता ने दूसरी बार किसी सुपर 500 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। अश्मिता पिछले कुछ समय से अच्छी लय में हैं। उन्होंने उबेर कप में कनाडा की मिशेल ली को हराया जबकि जापान की अया ओहोरी और पिछले हफ्ते चीन की हेन युई को हराने के करीब पहुंची।

सिंधू ने मुकाबले में धीमी शुरुआत की और पहले गेम में 3-7 से पिछड़ गई। भारतीय खिलाड़ी हालांकि वापसी करते हुए ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बनाने में सफल रही और फिर लगातार सात अंक के साथ पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में कड़ी टक्कर देखने को मिली। कोरिया की खिलाड़ी ने अगले नौ में से सात अंक जीतकर मुकाबले को तीसरे और निर्णायक गेम में खींचा। निर्णायक गेम में यू जिन ने एक बार फिर अच्छी शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई। सिंधू ने स्कोर 6-6 किया और फिर 13-9 की बढ़त बनाई। उन्होंने 16-14 के स्कोर पर लगातार पांच अंक के साथ गेम और मैच अपने नाम किया।

ओलंपिक से पहले लक्ष्य सेन फ्रांस में और पीवी सिंधु जर्मनी में लेंगी प्रशिक्षण

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए दिग्गज भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन फ्रांस में और पीवी सिंधु जर्मनी में प्रशिक्षण लेगी। आज यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार युवा मामले और खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के तहत पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों की तैयारी के लिए फ्रांस के मार्सिले में 12 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के लिए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। लक्ष्य सेन आठ से 21 जुलाई तक अपने कोच और सहयोगी स्टाफ के साथ द हाले डेस स्पोर्ट्स पार्सेमेन में प्रशिक्षण लेंगे। इसके साथ ही ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु के हरमन-न्यूबर्गर स्पोर्ट्सचूले में प्रशिक्षण के लिए सारब्रुकन, जर्मनी जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

बॉलीवुड हलचल

वेलकम टू द जंगल के मुंबई शेडयूल की शूटिंग पूरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म वेलकम टू द जंगल के मुंबई शेडयूल की शूटिंग पूरी हो गयी है। अक्षय कुमार स्टार वेलकम टू द जंगल इन दिनों काफी सुर्खियों में है। इसके लिए मेकर्स ने लगभग दस एकड़ की जगह पर सेट लगाया गया। उसके लिए फिल्म के निर्माताओं ने लगभग 200 घोड़े, घुड़सवारों के साथ मंगवाए थे। इसके अलावा एक डांस सीक्वेंस भी शूट हुआ है, जिसमें कलाकारों के साथ ही 500 बैकग्राउंड डांसर्स भी शामिल थे। पूरा मुंबई शेड्यूल लगभग 40 दिनों का रहा। फिल्म वेलकम टू द जंगल में 20 सेलेब्स एक साथ नजर आएंगे। अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, आफताब शिवदसानी, अरशद वारसी, लारा दत्ता, दिशा, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल, तुषार कपूर, कृष्णा सहित करीब 20 कलाकार हैं। फिरोज नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं और निर्देशन अहमद खान कर रहे हैं।

भूल भुलैया 3 में काम करेंगे विजय राज

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता विजय राज, फिल्म भूल भुलैया 3 में काम करते नजर आ सकते हैं। अनीस बज्मी के निर्देशन में बन रही फिल्म भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और तृप्ति डिमरी की अहम भूमिका होंगी। कुछ दिनों पहले माधुरी दीक्षित के फिल्म की स्टार कास्ट को ज्वाइन करने की खबर आई थी। इसी कड़ी में विजय राज का नाम भी सामने आया है। कहा जा रहा है कि विजय राज भूल भुलैया 3 का हिस्सा होंगे। वह अहम और मजेदार रोल में सिल्वर स्क्रीन पर नजर आएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

चित्रकूट में रहती तो शायद इतना न कर पाती 'उन्नति'

हरी नारायण पांडेय, रामनगर (चित्रकूट)

अमृत विचार। जिले में प्रतिभाओं की कमी नहीं, जरूरत उनको सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के साथ साथ प्रशिक्षण मिलने की है। इस तथ्य से सभी सहमत होंगे कि अभी जिले के जिम्मेदारों को खेल प्रतिभाओं को सही मंच उपलब्ध कराने को लेकर और जिम्मेदारी दिखानी होगी।

जिले में तमाम ऐसे खिलाड़ी मिल जाएंगे, जिनमें प्रतिभा कूट कूट कर भरी थी पर धनाभाव और सही मार्गदर्शन के साथ जिले में सुविधाओं की कमी ने उनको आज घर गृहस्थी के पचड़े मे फंसा दिया। जिम्मेदारी की बोझ में उनका खेल और उनकी प्रतिभा दम तोड़ गई। शायद हरीओम त्रिपाठी ने यह बात समझ ली थी। रामनगर ब्लाक के हन्ना बिनैका गांव में मकान और लगभग 30 बीघे खेती होने के बाद भी वह यहां नहीं रुके। गांव छोड़कर पत्नी प्रियंका और तीन बच्चों उन्नति, अंश और गुड्डू के साथ नैनी चले गए। अपनी छह साल की बेटी उन्नति और बेटे अंश की स्क्वैश के लिए ललक, उत्सुकता को भांपकर प्रतिभा को चमकाना शुरू कर दिया।

गांव को जाने वाली बदहाल सड़क

सड़क पर बहता घरोंका गंदा पानी।

गांव में है मूलभूत सुविधाओं की कमी: विकास के दावों को दरकिनार कर दिया जाए तो जिले के तमाम गांवों की तस्वीरें बहुत कुछ कहती हैं। जिन गांवों में सड़क, बिजली, यातायात, पानी, शिक्षा जैसी जरूरतों की भरपाई ठीक से न हो, वहां कोई खेल प्रतिभा उभरे और राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय पटल पर चमके, शायद संभव नहीं। हन्ना बिनैका गांव की हालत भी यही है। यहां की सड़कें बदहाल हैं।

परिवार के खून में है खेल

राधेश ने बताया कि परिवार में लखपत राय त्रिपाठी मशहूर पहलवान थे। पिपरौद गांव के दंगल में हुई कुश्ती के दौरान उनका एक पैर टूटकर खराब हो गया था। इसके बाद खेल कोटे से आरक्षण पाकर रेलवे में नौकरी कर ली। उनके पुत्र हरीशरण राय वालीबाल के खिलाड़ी रहे। वह आरपीएफ में नौकरी से सेवानिवृत हो नैनी में रहते हैं। इनके ही पुत्र हरिओम त्रिपाठी हैं।

- पिता के साथ उन्नति गई देहरादून और कमाया नाम
- बेटी की प्रतिभा को भांप बाहर रहने का लिया निर्णय

राकेश और राधेश राय त्रिपाठी।

बृजेश त्रिपाठी।

गांव में अभी भी है परिवार

लोगों को इस बात का मलाल है कि जिस बेटी का गांव में जन्म हुआ, उसकी पहचान अब नैनी या फिर देहरादून से हो रही है। हन्ना बिनैका के राधेश राय त्रिपाठी ने टीस जाहिर की कि उन्नति संगम नगरी की पहचान बनकर नाम रोशन कर रही है जबकि उसकी असली पहचान चित्रकूट से होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि उन्नति उन्हीं के परिवार की बेटी है। बताया कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए हमें शहरों का रुख करना पड़ा है।

परिवार को है गर्व

चचेरे बाबा पूर्व प्रधान हन्ना राकेश राय त्रिपाठी बताते हैं कि हमें गर्व है कि हमारे घर के होनहार बच्चे अंतराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा रहे हैं। उन्होंने चिंता जताई कि खेल के क्षेत्र में चित्रकूट पिछड़ा जनपद बनकर रह गया है। जिले की प्रतिभाएं बेहतर मंच की तलाश में जिले से पलायन कर रही हैं।

उचित मंच न होना पलायन की वजह

उन्नति के चाचा ब्रजेश त्रिपाठी पत्रकार कहते हैं कि जिले में प्रतिभाओं के लिए उचित मंच न होना पलायन की वजह बनता है। अगर इस ओर जनप्रतिनिधि और अधिकारी ध्यान दें तो जिले का नाम भी खेल जगत में नजर आने लगे।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी भाई और बरामद साइकिलें। अमृत विचार

चोरी की सात साइकिलें बरामद, दो भाई गिरफ्तार

संवाददाता, पहाड़ी (चित्रकूट)

- पहाड़ी पुलिस को मिली कामयाबी

अमृत विचार। पहाड़ी पुलिस को साइकिल चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा है। इनसे चोरी की सात साइकिलें बरामद की गईं।

22 मई को सरजो पुत्र सतन निवासी पहाड़ी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके घर के सामने खड़ी किसी ने पार कर दी। इस पर प्रभारी निरीक्षक श्यामप्रताप पटेल ने एसआई विपिन कुमार मिश्रा को मामले के खुलासे की जिम्मेदारी सौंपी। एसआई ने गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर पप्पू निषाद पुत्र कंधई लाल निवासी ग्राम पटका सगवारा थाना राजापुर यह वर्तमान में फतेहपुर अंतर्गत तुलसीपुर थाना धाता में रहता है। इससे चोरी की एक साइकिल बरामद की गई।

आरोपी पप्पू से पुलिस ने कड़ाई से पूछतांछ की तो इसने एक अन्य आरोपी और राजा निषाद के घर के बाहर से चोरी की छह साइकिलें बरामद कराईं। पप्पू और राजा भाई-भाई हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों ने बताया कि उन्होंने अलग-अलग जगहों से साइकिलें चोरी की थीं।

वैशाखी पूर्णिमा पर तीर्थक्षेत्र में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

टेपों-टैक्सी वालों की अराजकता से परेशान रहे श्रद्धालु

संवाददाता, (सीतापुर)

अमृत विचार। वैशाखी पूर्णिमा पर गुरुवार को तीर्थक्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। मंदाकिनी स्नान कर आस्थावानों ने महाराजाधिराज मत्यगजेंद्रनाथ का जलाभिषेक किया और कामदगिरि की परिक्रमा की। टेंपो-टैक्सीवालों की अराजकता और निरंकुशता से इनको भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

चित्रकूट में गुरुवार को वैशाखी पूर्णिमा के अवसर पर सुबह से ही आस्थावानों का पहुंचना शुरू हो गया था। कई लोग पैदल तो कई निजी वाहनों से भी पहुंचे। पर सबसे ज्यादा दिक्कत लोगों को जिले में अराजकता का पर्याय बन चुके टेंपो, टैक्सी और ईरिक्शा चालकों से हुई।

गौरतलब है कि बीते दिनों एक सड़क हादसे में सात लोगों की मौत के बाद इन पर पुलिस प्रशासन ने अंकुश लगाया था। कुछ दिन तो इसका असर नजर आया पर इसके बाद फिर मानक तोड़े जाने लगे। ज्यादा किराया, ज्यादा सवारियों को लेकर तेज गति से दौड़ना जारी हो गया। गुरुवार को इससे आस्थावानों को भारी दिक्कत हुई। कई जगह टेंपो वाले इनसे अभद्रता करते देखे गए। प्रमुख मंदिर कामदगिरि प्रदक्षिणा का प्रमुख द्वार राम मोहल्ला के नीचे आटो रिक्शा चालकों की मनमानी जारी है। इससे लोगों का निकलना भी मुश्किल हो गया है। कई चालकों ने तीर्थयात्रियों को जबर्दस्ती चलने को बाध्य किया। महिलाओं और बच्चों को भी परेशानी हुई।

यही हाल गौरीहार मंदिर तिराहा, पुरानी लंका तिराहा रामघाट सीतापुर चौराहा का भी रहा। कई जगहों पर पुलिसकर्मियों के न होने से भी दिक्कत हुई। मेले में समाजसेवियो ने शीतल पेयजल की व्यवस्था की व जगह जगह पर प्रसाद वितरण भी किया गया।

बरहा हनुमान जी मंदिर के पास चित्रकूट संस्कृति विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित कामदगिरि महा आरती के प्रमुख विपिन विराट ने श्रद्धालुओं को शीतल पेय जल व प्रसाद वितरण किया। कई जगहों पर श्रद्धालुओं की जेब भी कटीं।

वैशाखी पूर्णिमा पर तीर्थक्षेत्र पहुंचे श्रद्धालु। अमृत विचार

गौतम बुद्ध के बताए रास्ते पर चलने का लिया संकल्प

चित्रकूट। भारतीय बौद्ध महासभा के तत्वाधान में गुरुवार को भगवान बुद्ध की जयंती मनाई गई। बुद्ध के अनुयायियों ने चिलचिलाती धूप में भारी संख्या में जुटकर गौतम बुद्ध के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। लोगों ने बुद्ध के विचारों को बताकर उनके उपदेशों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदना और पुष्पार्पण से हुई। संचालक गयाप्रसाद बौद्ध ने पंचशील पढ़कर शब्दार्थ बताते हुए बुद्ध धम्म पालन के लिए प्रेरित किया। अध्यक्ष डॉ. ज्ञान चंद्र बौद्ध ने कहा कि भगवान बुद्ध के संदेश आज भी प्रसांगिक हैं। पंचशील का पालन करने से ही मानव का कल्याण संभव है। शांति का संदेश भारत ही नहीं वरन् संपूर्ण विश्व के लिए है। कहा कि बौद्ध काल में भारत को विश्व गुरु का दर्जा मिला जो भारतवासियों के लिए गर्व की बात है। आलोक बौद्ध ने कहा कि रूढ़िवादिता, अंधविश्वास को त्यागने के लिए महिलाओं को आगे आना होगा। महिलाओं में चेतना पैदा करना आज के समय की आवश्यकता है। धर्मेंद्र कुमार भास्कर ने कहा कि भगवान बुद्ध को बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति हुई थी, इसलिए इस स्थान पर विशेष तरह की पूजा की जाती है।

साहब ! उत्पीड़न कर रही कोतवाली पुलिस

संवाददाता, चित्रकूट

- ग्रामीण ने पुलिस महानिदेशक से लगाई गुहार
- गुंडा एक्ट की फर्जी कार्रवाई करने का लगाया आरोप

अमृत विचार। कोतवाली अंतर्गत डिलौरा गांव के मजरे कैंप का पुरवा निवासी प्रेमचंद्र ने कोतवाली पुलिस पर फर्जी रूप से गुंडा एक्ट की कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। उसने इस संबंध में पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर न्याय की गुहार की है।

अनुसूचित जाति के प्रेमचंद्र ने बताया कि उसने सब इंस्पेक्टर मुन्नीलाल, कांस्टेबल जयनारायण पटेरिया, राहुल देव और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट व अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस वजह से कोतवाली पुलिस उससे नाराज चल रही है। उस पर दबाव बनाया जा रहा है, प्रताड़ित किया जा रहा है और फर्जी मुकदमा में फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। उसने आरोप लगाया है कि अब पुलिस ने आरोपियों को बचाने के लिए उसके और उसके परिजनों के खिलाफ मिनी गुंडा एक्ट और फिर गुंडा एक्ट की कार्रवाई कर दी है। उसे जिलाबदर किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। आरोप लगाया कि समझौता कराने के लिए उसके और उसके भाइयों के खिलाफ कथित तौर पर फर्जी मामला भी दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने उसका जीना दूभर कर दिया है और वह और उसका परिवार तंग आ गया है। उसका यह भी कहना है कि आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई और फाइनल रिपोर्ट भेज दी गई। उसने पुलिस महानिदेशक से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई करने, प्रताड़ना रोकने और सुरक्षा देने की गुहार की है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि कोर्ट में मामला होगा तो एफआर लगाने का कोई सवाल नहीं। यह उनके समय का मामला नहीं है, इसलिए जानकारी नहीं है। अगर आरोपी के खिलाफ कई मामले होंगे, तभी गुंडा एक्ट लगाया गया होगा।

सार-संक्षेप

श्रेयांश बने युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

मऊ (चित्रकूट)। अखिल भारतीय सोशलिस्ट पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजीव कुमार पांडेय की संस्तुति पर कस्बा निवासी श्रेयांश बाजपेई उर्फ बेटू को पार्टी के युवा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर भाग लेने वाले श्रेयांश बाजपेई जनहित के मुद्दों पर सदैव तत्पर रहते हैं। श्रेयांश के इस मनोनयन पर विकास द्विवेदी, विपुल पांडेय, डॉ. राजा शुक्ला, डॉ. मनीष तिवारी, प्रकाश शुक्ला, डिस्टिक, गोलू द्विवेदी, शादाब गनी, मोफिस खान, सुदेश श्रीवास्तव, नरेंद्र खरे आदि ने बधाई दी है।

श्रेयांश बाजपेई।

सुख-शांति के लिए मानस पाठ का आयोजन

रामनगर (चित्रकूट)। ग्राम पंचायत पियरियामाफी में पांडेय परिवार ने घर-परिवार, समाज और देश में सुख शांति की मनोकामना से गुरुवार को श्री रामचरित मानस के अखंड पाठ का आयोजन किया। परिवार के मुखिया अमृत लाल पांडेय ने पूजन अर्चना कर वरुण, गौरी-गणेश पूजन व हनुमान जी का पूजन कर मानस पाठ का शुभारंभ किया। पुरोहित व आचार्य प्रमोद द्विवेदी ने वैदिक रूप से पूजन संपन्न कराया। शुक्रवार को ब्राह्मण भोजन कराया जाएगा। व्यवस्था सतानंद व अच्युत पांडेय ने की।

डोडिया माफी में भागवत कथा आज से

चित्रकूट। बरगढ़ के डोडिया माफी गांव में शुक्रवार सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का होगा। जानकारी आयोजक एवं मुख्य यजमान रामनिवास द्विवेदी ने दी। बताया कि इसमें आचार्य सूर्यदेव द्विवेदी प्रयागराज कथा सुनाएंगे। पहले दिन कलश यात्रा निकाली जाएगी। 31मई को हवन पूर्णाहुति अगले दिन भंडारे का आयोजन किया जाएगा। व्यवस्था की देखरेख में मनोज कुमार दुबे, मुकेश द्विवेदी, कोमल द्विवेदी, अभिलाषा, खुशी आदि लगे हैं।

प्रयागराज में किया प्रत्याशी के लिए जनसंपर्क

चित्रकूट। वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री व पीसीसी सदस्य रंजना बरातीलाल पांडेय ने प्रयागराज में कई गांवों का दौरा कर लोगों से इंडिया गठबंधन के लिए वोट मांगे। उन्होंने बताया कि वहां कांग्रेस प्रत्याशी को सांसद बनाने की अपील की। इस मौके पर उनके साथ सत्यनारायण आदिवासी, राजेश आदिवासी, अमरजीत आदिवासी भी रहे।

हादसे में युवक की मौत, शिनाख्त नहीं

चित्रकूट। कोतवाली थाना अंतर्गत पुरानी बाजार में बुधवार देर रात सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसे ट्रक ने टक्कर मारी थी। कोतवाली प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इसकी शिनाख्त अभी तक नहीं हो सकी है।

रोटी न बनाने पर दबंग ने जलाया

नरैनी। करतल क्षेत्र बड़ैछा गांव निवासी जुगुल किशोर गांव के मरही दाई के मंदिर में देखभाल करता है। बुधवार की रात गांव का दबंग शराब के नशे आया और रोटी उससे बनाने को कहा। इनकार करने पर दबंग ने जलते चूल्हे की लकड़ी से उस पर ऊपर हमला कर दिया। कनपटी औरर हाथों में बुरी तरह से जल गया। पुलिस ने पीड़ित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करा मेडिकल परीक्षण कराया है।

युवक ने जहर खाया

गिरवां। थाना क्षेत्र मुरवां गांव निवासी दीपक (30) पुत्र बीरेंद्र ने बुधवार की रात की किसी बात से नाराज होकर जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। हालत बिगड़ने पर परिजनों को जानकारी हुई तो उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

युवक की बीमारी से मौत

अछल्दा। थाना क्षेत्र के बैशोली गांव में एक युवक की बीमारी के चलते मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को बिना सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि अंकित (22) पुत्र बृजकिशोर काफी दिनों से कैंसर की बीमारी से जूझ रहा था। उसका सैफई में इलाज चल रहा था। थाना प्रभारी अशोक उपाध्याय ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है। तहरीर मिलती है तो जांच कर बनती कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गरीबों का निःशुल्क इलाज कर रहे डॉ. एस कुमार

संवाददाता बिधूना, औरैया

अमृत विचार। सीमा सुरक्षा बल में देश की सुरक्षा के लिए समर्पित रहने के बाद एस कुमार ने चिकित्सा के क्षेत्र में भी अपना हुनर दिखाया। उनका कहना है कि आर्मी के अस्पताल में कार्य करते समय उनके मन में देश सेवा के साथ मानव सेवा का जज्बा पैदा हुआ और उन्होंने कोविड काल के दौरान नौकरी से स्वेच्छा से बीआरएस ले लिया।

बीआरएस लेने के बाद उन्होंने कस्बे के सुखचैनपुर वार्ड में क्लीनिक खोल का मरीजों का आयुर्वेदिक एलोपैथिक एवं एक्यूप्रेशर पद्धति से उपचार करना शुरू कर दिया। कहा उनके द्वारा किए जा रहे उपचार से लोगों को लाभ मिल रहा है।

लखना ने नगला टीका को पराजित किया

संवाददाता अजीतमल औरैया

अमृत विचार। विकासखंड अजीतमल के ग्राम हलौआ में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अंशुल दीक्षित प्रबंधक शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज चक्सत्तापुर बाबरपुर ने मैच का उद्घाटन किया। गुरुवार को हुए मैच में लखना ने नगला टीका की टीम को हरा दिया। टूर्नामेंट 11 मई से प्रारंभ हुआ था।

टूर्नामेंट के अध्यक्ष अमित यादव ने बताया कि प्रत्येक मैच की इंट्री फीस 500 रूपये है। क्रिकेट मैच देखने आए किसी भी दर्शक द्वारा एक हाथ से कैच लेने पर 51 रूपये का कमेटी के द्वारा नगद पुरस्कार दिया जाएगा। विजेता टीम को 12 हजार रुपए और ट्रॉफी और उपविजेता टीम को 6 हजार रुपये और ट्रॉफी दी जाएगी।

गुरुवार का मैच नगला टीका और लखना के बीच हुआ। इस मैच में नगला टीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 130 रन बनाए जवाब में लखना की टीम ने 11 ओवर में 131 रन बनाए। लखना की टीम विजय घोषित हुई। मयंक, नीरज, अभि, रानू, ऋषभ आदि लोग मौजूद रहे।

मैच की शुरुआत कराते अतिथि। अमृत विचार

हाल | कई बार अभियान चले पर फायदा नहीं हुआ ,आवागमन में लोगों को होती है परेशानी

उफ! सड़क और बाजार, अतिक्रमण के शिकार

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। तुलसीतीर्थ के रास्तों, बाजारों में अतिक्रमण का साम्राज्य है। कई बार अतिक्रमणरोधी अभियान चले। इनका कुछ दिन असर भी नजर आया पर बाद में स्थिति जस की तस हो गई।

राजापुर की मेन रोड पर फुटकर सब्जी विक्रेताओं का कब्जा है। इससे लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्रशासन के सख्त निर्देशों के बाद भी अतिक्रमण में लगाम नहीं लगाई जा सकी। सड़क के दोनों ओर दुकानें आगे तक सज जाने से तुलसी जन्मकुटीर, मानस पीठ एवं सिद्ध संकट मोचन मंदिर के दर्शनार्थियों को भारी कठिनाइयां होती हैं। वाहनों को भी घंटों जाम से गुजरना पड़ता है। अक्सर दर्शनार्थियों की लोगों से झड़प और कहासुनी होती है। सब्जी मंडी में मवेशियों की वजह से दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उप जिलाधिकारी के निर्देश पर कई बार नगर पंचायत ने पुलिस बल के साथ कई बार अतिक्रमण हटाया लेकिन फिर अवैध कब्जा कर लिया गया। लोगों ने डीएम, एसडीएम से इस ओर ध्यान देने की अपील की है।

रोष जताते संजय त्रिपाठी।

यह हाल है राजापुर में अतिक्रमण का।

शिकायती पत्र की सुनवाई नहीं

- कस्बे के संजय त्रिपाठी ने बताया कि अधिशाषी अधिकारी बीएन कुशवाहा को तीन महीना पहले अतिक्रमण से निजात पाने के लिए एक पत्र दिया था पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। दिन प्रतिदिन अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है।

जल्द चलेगा अभियान:ईओ

- ईओ ने बताया कि पूर्व में कई बार सब्जी मंडी तथा कस्बे के अन्य मार्गों से अतिक्रमण हटाओ अभियान उप जिलाधिकारी प्रमोद झा के नेतृत्व में चलाए गए हैं। अतिक्रमणकारियो के द्वारा दोबारा अतिक्रमण कर लिया गया है। हटाने के लिए जल्द फिर से अभियान चलाया जाएगा।

फाल्ट से 10 घंटे गुल रही बिजली

कंचौसी, औरैया। कंचौसी क्षेत्र में असेनी पॉवर हाउस से जुड़े नोगवां फीडर के अमरपुर गांव में बुधवार रात 10 बजे फाल्ट होने से विद्युत आपूर्ति 10 घंटे बाधित रही। आपूर्ति न मिलने से रातभर गर्मी के कारण लोग बेहाल रहे। लोगो ने गर्मी और मच्छरों के आतंक के कारण रात जागकर काटनी पड़ी।

बुधवार रात करीब 10 बजे आपूर्ति चालू होने के कुछ देर बाद ही तेज हवा चलने से अमरपुर गांव में फाल्ट हो गया। उपभोक्ता विद्युत कर्मियो को फोन करते रहे लेकिन किसी भी विभाग के कर्मी का फोन नहीं उठा। गुरुवार सुबह 8 बजे के बाद फाल्ट मिलने के बाद करीब आधे घंटे में फाल्ट को ठीक किया जा सका, लेकिन इतने में ही परेशानी दूर नहीं हुई। करीब 10 घंटे आपूर्ति नहीं मिलने से लोगों के रोजमर्रा के कामकाज नहीं हो सके। बिजली नहीं मिलने से लोगों का गर्मी से बुरा हाल रहा।

हादसों में एक की मौत, दस लोग घायल

संवाददाता, पहाड़ी (चित्रकूट)

अमृत विचार। मुंडन संस्कार कराकर लौट रहे ग्रामीणों की ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से दस लोग घायल हो गए। इनमें कई लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। उधर, बोलेरो की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, थाना राजापुर अंतर्गत ग्राम कछियापुरवा मजरा हरदौली निवासी राकेश अपनी पुत्री अर्पिता और उसका भाई मुकेश अपने बेटे मयंक का मुंडन कराने गुरुवार को गांव के ही राजकुमार निषाद के ट्रैक्टर से रिश्तेदारों के साथ लोहदा के चौसठ माता मंदिर गए थे। शाम को लौटते समय लगभग छह बजे दुबे के पुरवा के पास मोड़ पर चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रैक्टर खाई में पलट गया और ट्राली पर बैठी इंद्रजीत पुत्र सिद्धगोपाल, पत्नी राजकुमारी, सखियां पत्नी भैरों निवासी नांदी, किरन पुत्री रामाश्रय कछियापुरवा, भोडी पत्नी देवनारायण रैपुरा, सांवरिया पत्नी नन्हकु ब्यासबन्ना, पीयूष व आयुष पुत्र राजनारायन रैपुरा, निर्मला पत्नी शारदा व भोला पत्नी बाबूलाल निवासी कछियापुरवा घायल हो गए। घटना की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक श्याम प्रताप सिंह पटेल मौके पर पहुंचे और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां से कई लोगों को जिला चिकित्सालय रिफर किया गया। एक अन्य दुर्घटना गुरुवार अपराह्न करीब एक बजे मऊ थानांतर्गत छिवलहा गांव के पास हुई। हाईवे पर एक बोलेरो ने संतोषिया (40) पत्नी बन्ना निवासी भंभेट थाना राजापुर को टक्कर मार दी। संतोषिया मायके आई थी। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वाहन को बरामद कर लिया गया।

अस्पताल में भर्ती घायल और मौजूद परिजन। अमृत विचार

- मुंडन संस्कार से लौट रहे ग्रामीणों का ट्रैक्टर पलटा

डंपर की टक्कर से ऑटो सवार ससुर-बहू की मौत

नरैनी कोतवाली के जमवारा के पास हुआ भीषण हादसा, पांच लोग गंभीर, कानपुर रेफर किए गए

संवाददाता, नरैनी (बांदा)

अमृत विचार। आसपास क्षेत्र की सड़कों पर ओवरलोड बालू भरे ट्रक और डंपर धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। अनायास ही सड़क हादसों का सबब बन रहे इन वाहनों पर प्रशासन नकेल नहीं कस पा रहा है। ताजी घटना में ओवरलोड बालू भरे डंफर ने सामने से आ रही ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद बालू भरा डंफर भी पलट गया। भीषण हादसे में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई। जबकि 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पांच घायलों को गंभीर हालत में कानपुर व अन्य घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने डंफर को कब्जे में ले लिया।

नरैनी कोतवाली क्षेत्र के पोंगरी गांव निवासी राजकुमार मिश्रा (70) पुत्र रामगुलाम अपने पूरे परिवार के साथ कामतानाथ परिक्रमा लगाकर बुधवार की रात ऑटो पर सवार होकर गांव लौट रहे थे। कोतवाली क्षेत्र के लहुरेटा व जमवारा गांवों के निकट सामने से आ रहे बालू भरे ओवरलोड डंपर ने ऑटो को सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद टेंपो सवार राजकुमार मिश्रा (70), राजेश मिश्रा (45) पुत्र राजकुमार, मनोज मिश्रा (45) पुत्र राजकुमार, स्वाती मिश्रा (12) पुत्री दीनदयाल, अनीता (40) पत्नी मनोज, राखी (16) पुत्री मनोज, अमन मिश्रा (7) पुत्र राजेश, राजकुमारी (55) पत्नी राजकुमार, देव मिश्रा (17) पुत्र सोम, सीमा (28) पत्नी दीनदयाल, पलक (7) पुत्री राजेश, रिया (6) पुत्री जयपाल, कल्पना (40) पत्नी सोनू घायल हो गए। हादसे के बाद डंफर पलट जाने से पूरी सड़क पर बालू फैल गई। चालक मौके से फरार हो गया। चीख पुकार सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। उपचार के दौरान राजकुमार ने दम तोड़ दिया।

प्राथमिक उपचार के बाद अन्य घायलों को रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज भेज दिया गया। यहां गंभीर रूप से घायल सीमा की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। सीओ नरैनी अंबुजा त्रिवेदी ने बताया कि डंपर को कब्जे में ले लिया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घायलों से मुलाकात करने अस्पताल पहुंचे बसपा नेता। अमृत विचार

- हादसे में ऑटो सवार 11 लोग घायल, अस्पताल में भर्ती

दुर्घटना से क्षतिग्रस्त ऑटो। अमृत विचार

सांसद पुत्र का बताया जाता है डंपर

हादसे में मृत राजकुमार के पुत्र मनोज ने बताया कि बालू भरा ओवरलोड डंपर क्षेत्रीय भाजपा सांसद आरके सिंह पटेल के पुत्र सुनील पटेल का है। बताया कि नरैनी क्षेत्र में ज्यादातर बालू खदानें बंद हैं। आरोप लगाया कि डंपर में भरी बालू चोरी की है। स्थानीय पुलिस और प्रशासन जानकर भी अनजान बना हुआ है। डंपर में पीछे सुनील पटेल नाम अंकित है।

लोकसभा चुनाव में बालू चोरी का मचा था हल्ला

■ मृतक के परिजन पूर्व उप ब्लॉक प्रमुख नरैनी दिनेश मिश्र ने कहा कि यह डंफर चित्रकूट निवासी सुनील पटेल का है। रात्रि हो या दिन बराबर डिग्गीओ और ट्रक लगातार सड़कों पर फरार्टा भरते हैं। ओवरलोड डंफर ज्यादातर सत्तासीन लोगों के हैं। जिला प्रशासन की जानकारी के बाद भी सड़को में फर्राटे भरते रहते है और प्रशासन मूकदर्शक बन कर बैठा है। इनसे जवाब लेने वाला कोई नहीं है।

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे कस्बावासी

संवाददाता, ओरन

- भीषण गर्मी में जलापूर्ति बाधित एक किमी से ढो रहे पानी
- डीएम से जल्द पेयजल आपूर्ति बहाल कराने की मांग

अमृत विचार। जल संस्थान की लापरवाही से भीषण गर्मी में एक सप्ताह से जलापूर्ति बाधित होने के कारण लोगों को एक-एक बूंद पानी के लिए गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जहां कहीं आपूर्ति जारी भी हैं वह गंदा व कीचड़युक्त होने के कारण वह पीने योग्य भी नहीं है। समूचे कस्बे में पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है।

नगरवासियों का आरोप है कि कस्बे के भदावल रोड एवं बरातीर थोक सहित अधिकांश कस्बे मे पेयजल आपूर्ति बाधित होने से लोग परेशान हैं, जिसके चलते नगर वासियों में भारी रोष व्याप्त है। नगर के बबेरू रोड स्थित जल संस्थान की टंकी में तीन बोर है। जिसमें एक बोर धसकने से पिछले एक सप्ताह से सप्लाई बाधित होने के कारण नगर में पेयजल का संकट बना हुआ है। नगरवासी एक-एक किलोमीटर दूर लगे सबमर्सिबल पंपों व हैंडपम्पों से प्यास बुझाने को मजबूर हैं। जलकल विभाग की लापरवाही की चलते एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद भी कोई सुधार नहीं हुआ है। पेयजल आपूर्ति जल्द दुरुस्त होने के आसार नहीं हैं। नगर के समाजसेवी रमाकांत त्रिपाठी, व्यापार मंडल अध्यक्ष आनंद कुमार शिवहरे, राम सुफल द्विवेदी, आशू शिवहरे, मनोज कुमार, अफरीदी, सन्तू, रम्मू आदि ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर जल्द पेयजल आपूर्ति बहाल करवाने की मांग की है। वहीं, अधिशासी अभियंता बांदा (जलकल) राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि बोर धसक गए हैं, जिससे सप्लाई में मिट्टी आ रही है। काम चालू है। अगर ठीक नहीं हुआ तो फिर नया बोर करवाया जाएगा, जिसमें थोड़ा समय लग सकता है, जल्द शुद्ध जल आपूर्ति बहाल की जाएगी।

हैंडपंप में लगी लोगों की भीड़। अमृत विचार

जलापूर्ति व्यवस्था जल्द होगी बहाल : अभियंता

■ अवर अभियंता जलकल संदीप उपाध्याय ने बताया कि कस्बे के बारातीर थोक, भान थोक तथा बाजार थोक में सप्लाई बाधित है। नगर पंचायत अध्यक्ष से वार्ता हुई है, जल्द ही टैंकरों से जलापूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था करवाई जाएगी। पुराने ट्यूबवेल का वाटर लेवल डाउन होने के कारण उनमें कालम पाइप डालने की व्यवस्था तथा मोटर की क्षमता को भी बढ़ाया जा रहा है। बोर धसकने की वजह से गंदा पानी आ रहा है। जल्द ही आंशिक रूप से सुधार हो जाएगा।

बुद्ध ने अहिंसा व परमबोध का लोगों को दिखाया रास्ता

कार्यालय संवाददाता, बांदा

- राष्ट्रीय स्वराज पैंथर ने कैंप कार्यालय में मनाई जयंती

अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वराज पैंथर के तत्वाधान में तिंदवारी रोड स्थित संगठन के ज्योति नगर कैंप कार्यालय में भगवान बुद्ध की जयंती मनाई गई और उनके अंहिसावादी विचारों को ग्रहण करने तथा जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

भगवान बुद्ध की जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वराज पैंथर के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्नालाल दिनकर ने कहा कि भवगान बुद्ध ने समूची दुनिया को अंहिसा का सच्चा मार्ग दिखाया है। यह वह मार्ग हैं, जिसमें पूरी दुनिया का भला संभव है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध ने दुखों के निवारण के लिए पंचशील एवं अष्टांगिक मार्ग को अपनाने पर बल दिया है, जिसे हम सबको अपनाना चाहिए। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव फौजी राजबहादुर सिंह कुशवाहा ने कहा कि भगवान बुद्ध ने अंहिसा, ज्ञान और परमबोध का रास्ता दिखाया है, जिसे अपनाकर मनुष्य अपने जीवन को सार्थक कर सकता है। इसी प्रकार से प्रदेश प्रभारी केशपाल वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष कमलेश कुमार चैधरी, रामऔतार वर्मा, बुंदेलखंड महासचिव जयप्रकाश कोटार्य, मंडल अध्यक्ष रामबाबू वर्मा, कोआर्डिनेटर मकबूल अहमद, मंडल प्रभारी केशव प्रसाद वर्मा तथा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष महबूब अली ने भी भगवान बुद्ध के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में स्वराज पैंथर के बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोतवाली स्थित मंदिर में पुलिस ने प्रेमी युगल की कराई शादी

संवाददाता, बबेरू

अमृत विचार। घर से भागे प्रेमी जोड़े को बरामद करने के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों की मौजूदगी में कोतवाली परिसर में स्थित मंदिर में शादी कराई। प्रेमी जोड़े ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और मिठाई खिलाकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। परिजनों ने खुशी से युवती को ससुराल विदा किया।

बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत उमरहनी गांव निवासी गुड़िया देवी (18) पुत्री लवकुश का बिसंडा थाना क्षेत्र के शिव गांव निवासी रिश्तेदार रिशु (19) पुत्र रामबहोरी के बीच काफी दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। मंगलवार को दोनों अपने परिजनों को बिना बताए भाग गए। युवती के पिता ने बबेरू कोतवाली पर गुमशुदा होने की सूचना दर्ज कराई। पुलिस ने युवती की तलाश करते हुए प्रेमी के साथ बरामद कर लिया है। दोनों को परिजनों को सुपुर्द कर दिया। युवती अपने प्रेमी के साथ शादी करने के लिए जिद पर अड़ी रही। दोनों पक्षों के परिजनों ने आपसी सहमति बनाकर दोनों की कोतवाली स्थित शबरी माता मंदिर में जयमाल डलवाकर व मुंह मीठा करा कर धूमधाम से शादी कराई। दोनों पक्षों ने परिणय सूत्र में बंधने वाले प्रेमी जोड़े को आशीर्वाद दिया।

मंदिर में शादी की रस्में निभाते प्रेमी युगल। अमृत विचार

- परिजनों की सहमति पर दांपत्य सूत्र में बंधा प्रेमी जोड़ा

ओबीसी आरक्षण रद होने पर भाजपाइयों ने जताई खुशी

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार। कोलकाता उच्च न्यायालय के ममता बनर्जी सरकार द्वारा मुस्लिम घुसपैठियों एवं रोहिंग्या को दिए गए ओबीसी आरक्षण को रद किए जाने पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने स्वागत किया है। प. बंगाल की मुख्यमंत्री के तुष्टीकरण की निंदा करते हुए इस फैसले को ओबीसी के आरक्षण में डकैती बताया है।

भाजपा जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हुए पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में घुसपैठिए व रोहिंग्या सहित 65 मुस्लिम जातियों को पिछड़ा वर्ग के आरक्षण का लाभ लगातार दिया जा रहा था। उक्त आरक्षण को माननीय कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा रद कर दिया है। जो स्वागत योग्य कदम है। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री राजेश सेन ने कोलकाता हाईकोर्ट के इस फैसले का स्वागत करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कोर्ट के फैसले को न मानने तथा इसे लागू न करने का बयान जारी करने की घोर निंदा करते हुए इसे माननीय न्यायालय की अवहेलना करार दिया है। पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रेमनारायण पटेल ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के तुष्टीकरण की ऐसी देश विरोधी नीति की घोर निंदा करते हुए इस फैसले को ओबीसी के आरक्षण में डकैती बताया है। जिला मीडिया प्रभारी आनन्द स्वरूप द्विवेदी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल सरकार के इस फैसले से इंडी गठबंधन तथा उसके घटक दलों की मानसिकता दशार्ती है। देश की जनता इंडिया गठबंधन के घमंड को चकनाचूर करेगी।

एडीजे ने किया मंडल कारागार का निरीक्षण

बांदा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व जिला जज डा.बब्बू सारंग के निर्देश पर अपर जिला जज ने मंडल कारागार का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कारागार में मैन्युअल के मुताबिक बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। जमानत दाखिल करने में असमर्थ आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों से प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय भेजने को कहा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव व एडीजे श्रीपाल सिंह ने सबसे पहले महिला बैरक का निरीक्षण किया। महिला बंदियों से निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने तथा अन्य विधिक सहायता प्रदान करने की जानकारी ली। समय पूर्व रिहाई के लिए पात्र आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों को जमानत के लिए प्रार्थना पत्र उनके कार्यालय में भेजने को कहा।

डीएम ने परखी स्ट्रांग रूम की सुरक्षा

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार। शहर की गल्ला मंडी परिसर में बनाए गए स्ट्रांग रूम का डीएम ने औचक निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था देखी। मतगणना की तैयारियों की भी जानकारी ली। इस दौरान जिलाधिकारी ने सुरक्षा कर्मियों को हर पल सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल गुरुवार को अचानक गल्ला मंडी परिसर पहुंची। यहां बनाए गए स्ट्रांग रूम में रखी तिंदवारी, बबेरू, नरैनी व बांदा विधानसभाओं की ईवीएम की सुरक्षा को देखा। मंडी परिसर में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। रिकॉर्डिंग देखी। गल्ला मंडी परिसर में चार जून को होने वाली मतगणना को लेकर की जा रही तैयारियां का भी जायजा लिया।

स्ट्रांगरूम के निरीक्षण के दौरान निर्देश देतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। अमृत विचार

- मतगणना की तैयारियों का भी किया निरीक्षण

तैयारियों में लगे कर्मचारियों से बातचीत कर अब की गई तैयारियों की जानकारियां ली। डीएम ने जहां मतगणना की तैयारियों को लेकर दिशा निर्देश दिए। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों से कहा कि वह अपनी ड्यूटी के प्रति ईमानदार रहें। पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करें। कोई भी बाहरी व्यक्ति स्ट्रांग रूम के आसपास नहीं दिख जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारी तथा सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

पति ने थप्पड़ जड़ा तो पत्नी ने जहर खाकर दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार। घरेलू विवाद पर पति के तमाचा जड़ने से नाराज पत्नी ने जहरीला पदार्थ खा कर खुदकुशी कर ली। ससुराल और मायके पक्ष की सहमति पर विना पोस्टमार्टम कराए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

गिरवां थाना क्षेत्र के बछेही गांव निवासी राजापति (38) पत्नी महेश ने बुधवार की रात जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर घरवालो को जानकारी हुई। उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरो ने देखने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। मृतका के पति ने बताया कि बुधवार की रात घरेलू बात पर पत्नी से विवाद हो गया। पत्नी ने उसे अपशब्द कर दिया। इसी बात पर पति महेश ने पत्नी राजापति को दो तमाचे जड़ दिया। पत्नी नाराज हो कर कमरे में चली गई। उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने के बाद पता चला। जब तक उसे अस्पताल लेकर आए तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतका के पिता मथुरा निवासी तिंदवारा ने बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी 15 वर्ष पहले की थी। ससुरालीजनों ने पुलिसिया कार्रवाई से बचने के लिए बगैर पोस्टमार्टम कराए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

मारपीट में दो भाई समेत पांच घायल

बबेरू। कोतवाली क्षेत्र के गुरौली गांव निवासी रामसनेही (55) पुत्र चुन्ना अपने दरवाजे पर बैठा था। तभी पड़ोसी गाली गलौज करने लगे। मना करने पर तीन लोगो ने उसे पीटना शुरू कर दिया। छोटे को बचाने बड़े भाई शिवशरण (60), सुरेश (35) पुत्र भुलुवा पहुंचे तो उन्हे भी मारपीट कर घायल कर दिया। गिरवां थाना क्षेत्र के हुसैनपुर गांव निवासी शशि प्रभा (32) पत्नी कामता प्रसाद को मामूली विवाद पर पड़ोसी महिलाओ ने उसे मारपीट कर घायल कर दिया। तिंदवारी थाना क्षेत्र के भिडौरा गांव निवासी शिवकुमारी (46) पत्नी भूरा को गुरूवार की दोपहर पड़ोसी युवक ने उसे डंडो से पीट कर घायल कर दिया। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

भक्तों को संदेश देतीं मां रतन ज्योति। अमृत विचार

मां रतन ज्योति का हुआ स्वागत

बांदा। अर्रा धाम (कानपुर) आश्रम प्रमुख मां रतन ज्योति के प्रथम जनपद आगमन पर श्रद्धालुओं ने उनकी जोरदार अगवानी की। नेशनल हाइवे स्थित मैरिज हाउस में आरती-पूजन करते हुए श्रद्धालुओं ने उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान जयकारे गूंजते रहे। शेरपुर (गिरवां) स्थित विंध्यवासिनी मंदिर में शुक्रवार को आयोजित हवन-पूजन और भंडारे में कानपुर के अर्रा धाम प्रमुख शिरकत करेंगी। मंदिर जाने से पूर्व शहर के अलीगंज स्थित मैरिज हाउस में श्रद्धालुओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। माल्यार्पण करते हुए उनकी अगवानी की। भक्तों ने आरती उतारकर आशीर्वाद लिया। कुछ देर विश्राम के बाद श्रद्धालुओं के जत्थे के साथ आश्रम प्रमुख गिरवां के लिए रवाना हो गईं। इस मौके पर वरूण शुक्ला, सूरज पाल, लुखरु सिंह, अशोक तिवारी, महेश तिवारी, सुरेश तिवारी, पंकज शुक्ला, राहुल तिवारी शामिल रहे।

शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

भागवत कथा से पहले निकाली कलश यात्रा

बांदा। बड़ोखर खुर्द विकास खंड के लोहरा गांव में गुरुवार को भव्य शोभायात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और सिर पर कलश रखकर गांव की तमाम महिलाएं शोभायात्रा में शामिल रहीं। कथा वाचक ने पहले दिन भागवत कथा के महात्म्य पर प्रकाश डाला और कथा के श्रवण मात्र को भवसागर से पार कराने का साधन बताया। गुरुवार को लोहरा गांव निवासी भाजपा नेता सुरेश तिवारी सुल्ली महराज के संयोजन में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ की शुरूआत की गई। कथावाचक काशी वाराणसी से पधारे आचार्य रजनीश कृष्ण जी महाराज ने पहले दिन श्रीमद्भागवत के महात्म्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि श्रीमद्भागवत सुनने मात्र से ही जीव को संसार रूपी भवसागर से मुक्ति मिल जाती है। उन्होंने कथा के प्रसंगों को अपने जीवन में उतारने की नसीहत दी। कथा के संयोजक सुल्ली महराज ने बताया कि भागवत कथा का समापन 29 मई को होगा और 30 मई को विशाल भंडारा व प्रसाद वितरण किया जाएगा। कथा के दौरान कथा परीक्षित रोहिणी तिवारी और महेश तिवारी समेत गांव और आसपास के तमाम श्रद्धालु श्रोता शामिल रहे।

धर्म और आस्था | मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, पूरे दिन जयकारों से गूंजता रहा परिसर

वैशाख पूर्णिमा पर नरैनी के गुढ़ा हनुमान मंदिर में लगा भव्य मेला

संवाददाता,नरैनी (बांदा)

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के गुढ़ा गांव स्थित प्राचीन व ऐतिहासिक हनुमान मंदिर में वैशाख पूर्णिमा पर लगे भव्य मेला में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। मंदिर परिसर जयकारों से गूंजता रहा। हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और मत्था टेककर संकट मुक्ति की कामना की।

तहसील क्षेत्र के गुढ़ा गांव स्थित हनुमान मंदिर में बैशाख पूर्णिमा पर गुरुवार को भव्य मेला की शुरुआत हुई। माह भर चलने वाले मेला में दूरदराज से हजारों श्रद्धालु मत्था टेकने आ रहे हैं। भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी और मंदिर में हनुमान के जयकारे गूंजे।

क्षेत्र में सुपर पावर के रूप में प्रसिद्ध गुढ़ा के हनुमान जी पर हजारों लोगों की आस्था है। ज्येष्ठ माह पूर्णमासी तक मेले का समापन होगा। इस दौरान यहां भारी तादाद में श्रद्धालु आ रहे हैं। मंदिर के महंत ने बताया कि मेले में हर रोज हजारों भक्त मत्था टेककर हनुमान जी से संकट मुक्ति की कामना कर रहे हैं। मंगलवार व शनिवार को भीड़ बहुत बढ़ जाती है।

शासन प्रशासन की ओर से पेयजल, सफाई व सुरक्षा आदि के इंतजाम किए गए। पुजारी के मुताबिक प्रदेश और देश की अदालतों में जो मुकदमे नहीं सुलझ पाते उन्हें दोनों पक्ष यहां एक कसम लेकर सुलझा लेते हैं। सच्चे मन से की गई मुरादें यहां जरूर पूरी होती हैं। इसीलिए क्षेत्र में इन्हें सुपर पावर का दर्जा प्राप्त है। मेले में बांदा समेत महोबा, हमीरपुर, फतेहपुर, कानपुर, कर्वी, इलाहाबाद और एमपी के सीमावर्ती जिले पन्ना, सतना, छतरपुर, रीवां व टीकमगढ़ से भक्त दर्शन को आ रहे हैं। ज्यादा भीड़ होने के कारण भक्तगण मंदिर के बाहर बने परिक्रमा मार्ग पर ही पूजा करते हैं।

श्रद्धालु मंदिर प्रांगण में ही आटे और देशी घी से पूड़ी बना कर चने की दाल व गुड़ के लड्डू बना कर प्रसाद चढ़ाते हैं।

- ज्येष्ठ माह पूर्णमासी को भव्य मेला का होगा समापन
- बांदा के समीपवर्ती जिलों से भी भारी संख्या में आ रहे श्रद्धालु

हनुमान मंदिर में पूजा- अर्चना करते भक्त। अमृत विचार

गुढ़ाकला हनुमान मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

हर माह मुफ्त गेहूं मिलने से गल्ला व्यापार चौपट

मंडी में लगने वाले गेहूं के ढेरों पर अब नहीं जुटती भीड़, भाड़ा तक नहीं निकल पा रहा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। भाजपा सरकार ने प्रति यूनिट पांच किग्रा खाद्यान्न मिलने से गल्ला व्यापारियों के धंधे ठप हो गए हैं। बाजार में गेहूं खरीद के लिए जुटने वाली भीड़ भी अब न तो गल्ला मंडी में दिखती है और न ही मंडी में अब गेहूं के ढेर दिखाई देते हैं। कारण, तेजी से घट रही खरीदारों की संख्या के चलते वर्षों पुराना गल्ला व्यापारियों का गेहूं खरीद फरोख्त का कारोबार बंदी की कगार पर पहुंच गया है, जिससे तमाम गल्ला कारोबारियों ने अब गेहूं खरीद के पुश्तैनी करोबार से नाता तोड़ना शुरू कर दिया हे। गल्ला बाजार में अब सन्नाटा सा पसरा रहता है।

गौरतलब है कि माह मई में किसानों का गेहूं आ जाने के बाद गेहूं के साल भर का इंतजाम करने के लिए लोग गल्ला मंडी में पहुंचते थे और एक एक व्यक्ति पांच से दस बोर गेहूं खरीद कर साल भर का इंतजाम करता था, जिससे माह मई में गल्ला मंडी में जगह जगह गेहूं के ढेर के ढेर लगे रहते थे। इतना ही नहीं ग्राहकों की बढती भीड़ के चलते चंद घंटों में ही गेहूं के ढेर खत्म हो जाते थे, लेकिन अब किसान सरकारी गेहूं क्रय केंद्र में गेहूं बेंच रहा है, थोड़ा बहुत किसान बाजार में भी गेहूं बेचता है। गेहूं की बिक्री तेजी से घटने के कारण गल्ला कारोबारी भी बहुत कम गेहूं की खरीद करते है। मालूम हो कि एक दशक पहले भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रति यूनिट पांच किलो गेहूं चावल निशुल्क कर दिए जाने से एक एक परिवार को प्रत्येक माह 25 से 40 किग्रा गेहूं, चावल हर माह मिल रहा है, जिसके चलते थोड़ा बहुत गेहूं भी लोगों को कम पड़ता है, जिससे वह गेहूं की जगह आटे की बोरी खरीद लेते हैं। बाजार में गेहूं की मांग तेजी से घट गई है। गल्ला कारोबारियों द्वारा गेहूं की खरीद करने के बाद भी चंद ग्राहक आने से उनकी मजदूरी तक नहीं निकल पा रही है। यही वजह है कि तमाम गल्ला कारोबारियों ने गेहूं खरीदने बेचने के अपने पुश्तैनी करोबार से किनारा कर लिया है।

गल्ला मंडी में पसरा सन्नाटा। अमृत विचार

गेहूं की जगह खरीदी जा रही आटे की बोरी

बदलते वक्त के साथ अब बहुत कुछ बदल गया है, स्थिति यह है कि अब ब्याह के बाद आने वाली नई विवाहिता गेहूं साफ करने, कंकड़ बीनने, धोने व अन्य झमेले में पड़ना नहीं चाहती, यही वजह है कि बाजार में बिकने वाली आटा की बोरी मंगाना शुरू कर दिया है। इसकी भी एक वजह है कि बाजार में गेहूं की बिक्री खासी प्रभावित हो रही है। सुबह से शाम तक गेहूं ले जाने वाले लोग पल्लेदारों और रिक्शों का इस्तेमाल करते थे, लेकिन अब पल्लेदारों को भी गेहूं की बिक्री न होने से काम नहीं मिल रहा है। तमाम चार पहिया ठेलिया चालकों ने भी काम न मिलने से वर्षों पुराना ठेलिया चलाने का कार्य बंद कर दिया है।

आटा का चलन बढ़ने से चक्की भी बंदी के कगार पर

शहर में तेजी से तरह तरह के आटों की खरीद की जा रही है, कोई आर्शीवाद आटा तो किसान आटे की बोरी खरीद रहा है, जिससे आटे की बोरियों का तेजी से चलन बढ़ने के कारण आटा चक्की पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। गेहूं की खरीददारी कम होने के चलते आटा चक्की भी बंदी की कगार पर पहुंच गई है। तमाम लोगों ने वर्षों पुरानी आटा चक्की बंद करके दूसरा धंधा शुरू कर दिया है, जो लोग आज भी चक्की चला रहे हैं, उनके यहां लगे आटा पीसने वाले श्रमिक तक का मनदेय निकालना मुश्किल हो जाता है, जिसके चलते तमाम आटा चक्की मालिक स्वयं आटा पीस रहे हैं।

ईवीएम में सुरक्षित मतदाता का फैसला जानने को सब बेताब

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- हमीरपुर-महोबा संसदीय सीट : प्रत्याशी व समर्थक के हिस्से में सिर्फ इंतजार

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव का मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो जाने के बाद राजकीय पालिटेक्निक में बनाए गए स्टांग रूम में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईवीएम को रखवा दिया गया है। चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे प्रत्याशी और समर्थकों के मतगणना तक दिन-रात काटे नहीं कट रही है। उन्हें एक एक दिन एक एक सप्ताह की तरह लग रहा है। रात दिन चुनाव नतीजे को लेकर पार्टी प्रत्याशियों और समर्थकों के बीच चर्चाएं चल रही हैं।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में हमीरपुर महोबा संसदीय सीट का चुनाव हुआ है। चुनाव संपन्न होने के बाद ईवीएम मशीनों को मतगणना के लिए स्ट्रांग रूम में रखाने के बाद कड़ा पहरा लगा दिया गया है, जिसके चलते कोई भी पालिटेक्निक में न जा सके। अब छठवें और सातवे चरण का चुनाव रह गया है। लोकसभा चुनाव के दो चरण शेष रह जाने के कारण मतगणना की तिथि भी 4 जून निर्धारित की गई हैं। जब समूचे देश भर के चुनाव संपन्न हो जाएंगे इसके बाद चार जून को सुबह से मतगणना कराई जाएगी। हमीरपुर-महोबा संसदीय सीट के प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 20 मई को ईवीएम मशीनों में कैद हो जाने के बाद से प्रत्याशियों की परिणाम जानने के लिए बेचैनी बढ़ गई है। पांचवे चरण के मतगणना होने तक लगभग एक पखवाड़े का समय शेष होने के कारण प्रत्याशियों का मतगणना का समय काटे नहीं कट रहा है। हालांकि प्रत्याशियों के पास अब समर्थकों का आना जाना तेज हो गया है। सभी दल के समर्थक अपने अपने पार्टी प्रत्याशी की जीत के प्रति आशांवित नजर आ रहे हैं और अपने अपने प्रत्याशी को चुनाव में जीतने का दावा कर रहे हैं।

दिन चढ़ते छा जाता सड़कों व बाजारों में सन्नाटा

संवाददाता कार्यालय, महोबा

अमृत विचार। मई माह में तेज धूप और गर्मी ने अब तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। गर्मी से लोगों का बुरा हाल है आसमान से आग उगल रही सूरज की किरणों ने आम आदमी को घरों में कैद कर दिया है। गुरुवार को तेज धूप निकलने के साथ ही पारा 46.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जिससे कूलर पंखों ने गर्म हवा दे रहे है। तेज धूप के चलते दिन में 11 बजे से ही सड़कों और बाजारों में सन्नाटा छा जाता है।

गौरतलब है कि इस साल अप्रैल माह से ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिए थे। अब माह मई में गर्मी और तेज धूप के साथ साथ लू के थपेड़ों ने आम आदमी का जीना मुहाल कर दिया है। हालत यह है कि लोग सुबह 11 बजे से ही घरों में कैद हो जाते हैं। सुबह से ही शुरू होने वाले लू के थपेड़े शाम सात बजे तक चलते हैं, जिससे लोग शाम को सात बजे से घरों से बाहर निकलते हैं। स्थिति यह है कि इस साल की भीषण गर्मी ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए है। माह मई में 46.5 डिग्री सेल्सियस तापमान पहुंच जाने से लोगों का गर्मी से बुरा हाल है। यही वजह है कि लोग गर्मी से बचने के लिए तमाम उपाय कर रहे हैं। आसमान से आग बरसने लगी है। दो और तीन मंजिल में रहने वाले लोगों का बुरा हाल है। मकानों की छतें और दीवारें गर्म हो जाने के कारण पंखे और कूलर गर्म हवाएं फेकने लगे हैं, जिसके चलते जन जीवन अस्त वयस्त हो गया है। लोगों का गर्मी से बुरा हाल है।

फ्रिजर के ठंडे पानी से प्यास बुझाते लोग। अमृत विचार

46.5 डिग्री सेलिस्यस पहुंचा तापमान

11 बजे दिन में लोग घरों में हो जाते कैद

राहगीर फ्रिजर और पौशालाओं से बुझा रहे प्यास

तेज गर्मी शुरू होते ही लोग ठंडा पानी पीने के लिए शहर में लगे फ्रिजर और पौशालाओं की तलाश करने लगे हैं। फ्रिजर से ठंडा पानी पीकर लोग गर्मी में राहत महसूस कर रहे हैं, जिससे फ्रिजर में पानी पीने वालों का सारा दिन तांता लगा रहता है। फ्रिजर के अलावा कुछ लोग पौशालाओं में नए नए घड़ों से ठंडा पानी पी रहे हैं। गर्मी बढ़ते ही समाजसेवियों व अन्य लोगों ने जगह जगह पौशालाएं खोल दी हैं, वहीं तहसील रोड पर लगे फ्रिजर में ठंडा पानी पीने वालों की सबसे ज्यादा भीड़ जुटती है।

तेज धूप में फुटपाथ पर बैठकर रोजी-रोटी कमा रहे

गर्मी के शबाब पर पहुंचते ही सड़क किनारे फुटपाथ पर चादर और छाते के सहारे बैठकर रोजी रोटी कमाने वाले लोगों के लिए तेज धूप मुसीबत बन गई है। धूप से बचाव के लिए ताना गया चादर और छाता काम नहीं कर रहे हैं, जिससे फुटपाथी दुकानदारों के सामने संकट पैदा हो गया है। बावजूद इसके दो जून की रोटी का इंतजाम करने के लिए लोग आसमान से उगल रही आग के बीच में काम करने को मजबूर हैं। बच्चों की परवरिश के लिए रोज कमाने और खाने वाले लोगों के लिए तेज धूप कोई मायने नहीं रखती।

तेज धूप और आसमान से उगल रही आग के चलते कोचिंग जाने वाले बच्चों का दोपहर में लौटते समय बुरा हाल हो जाता है। धूप से बचाव के लिए कुछ बच्चे सिर पर तैलिया डालकर निकलते हैं तो कुछ बच्चियां सिर पर दुपट्टे की छाया करके कोचिंग, कम्प्यूटर सेंटरों से घर जाती हैं। धूप के साथ लू के थपेड़ों से आम लोगों का बुरा हाल है। जरूरत पड़ने पर लोग सिर पर कैप और तौलियां बांधकर निकलते हैं, जबकि महिलाएं मुंह को ढक कर सड़कों पर निकल रही हैं।

हैंडपंप से पानी भरने के लिए लगी लोगों की भीड़। अमृत विचार

पाइप लाइन टूटी, जल संकट गहराया

संवाददाता, बेलाताल-महोबा

अमृत विचार। विकासखंड जैतपुर के ग्राम मगरौलकला के पंप हाउस का एक पखवाड़े से मोटर खराब होने के बाद आज तक न बदले जाने से यहां के बाशिंदों को पानी के लिए भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। नमामि गंगे योजना के तहत समूचे गांव में पाइप लाइन तो बिछा दी गई, लेकिन गांव के एक दर्जन से ज्यादा मोहल्लों में टोटियों में आज तक एक बूंद पानी नहीं टपका। लोगों को पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है। पानी के लिए हैंडपंपों में ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट रही है। पाइप लाइन टूट जाने से एक बार फिर पानी का संकट बढ़ गया है। हालांकि जल निगम द्वारा पाइप लाइन दुरुस्त करने के लिए कर्मचारियों को लगा दिया गया है।

बढ़ती तपिश का असर यहां की पेयजल समस्या पर सीधा पड़ रहा है। साल दर साल पेयजल समस्या से जूझ रहे लोगों को आज भी पीने के पानी की दरकार है। सरकार ने खेत और पेट को पानी देने के लाख दावे किए, लेकिन अभी भी ग्रामीण इलाकों में पानी के लिए लोग संघर्ष कर रहे है। बूंद बूंद पानी की खातिर टैंकरों के भरोसे ग्रामीणों को लंबी लंबी कतारों में लगना पड़ रहा है, तब कहीं जाकर पीने के पानी का इंतजाम हो पाता है। ग्रामीण अंचलों में हालत और भी खराब है जहां लंबी दूरी से पानी लाने को लोग मजबूर है। वहीं टैंकरों से पहले पानी पाने के लिए खाली ड्रम और पाइप लेकर लोग टूट पड़ते है।

पीने के पानी के लिए लोग हैंडपंपों के भरोसे हैं, लेकिन यहां के अधिकतर हैंडपंप जवाब दे चुके हैं। कस्बा के कचेरनपुरा, डेवडीपुरा, नयापुरा, शमशान घाट इलाका, नरेयापुरा में पानी की समस्या से लोग जूझ रहे हैं। जहां मोहल्ले में लगे हैंडपंपों का जलस्तर नीचे चले जाने से लोगों को लंबी दूरी तय कर पीने का पानी मिलता है। लंबी-लंबी लाइन में लगकर महिलाएं पुरुष अपनी बारी का इंतजार हैंडपंप से पानी भरने के लिए मशक्कत करते रोजाना दिखाई दे रहे है। यह समस्या पिछले 3 वर्षों की है जो खत्म होने का नाम नहीं ले रही जबकि इन इलाकों में नलों के कलेक्शन किए गए हैं लेकिन उनमें पानी न होने से सभी हैंडपंप पर निर्भर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद भी प्रशासन उनकी इस समस्या का निदान नहीं कर पा रहा ऐसे में जनप्रतिनिधियों के पूर्व के वादे भी आज तक इन्हे पानी नहीं दिला पाए।

पाइप लाइन दुरुस्त करते कर्मी। अमृत विचार

- हैंडपंप भी दे रहे जवाब, जल निगम मरम्मत में लगा

वैशाखी पूर्णिमा पर गोरखगिरि की परिक्रमा

कार्यालय संवाददाता महोबा

अमृत विचार। वैशाखी पूर्णिमा पर सुबह छह बजे श्रद्धालुओं ने गोरखगिरि की परिक्रमा लगाई। परिक्रमा शिवतांडव मंदिर से शुरु हुई, जो परम्परागत मार्ग होते हुये वापस शिवतांडव में पहुंचकर समाप्त हुई। परिक्रमा दौरान श्रृद्धालु हाथों में भगवा झंडे लेकर कीर्तन करते चल रहे थे। परिक्रमा के बाद शिव मंदिर परिसर में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें राम नाम के महत्व पर वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए।

गुरुवार को गोरखगिरि परिक्रमा समिति के तत्वावधान में श्रद्धालुओं ने वैशाखी पूर्तिमा पर गोरखगिरि की परिक्रमा लगाई। परिक्रमा शिवतांडव से शुरू हुई जो महावीरन, पठवा के हनुमान, केदारेश्वर महादेव, कबीर आश्रम, हाजी फीरोज शाह की दरगाह से होते हुए सकरे सन्या, छोटी चंडिका, काली माता, शनिदेव मंदिर, नागौरिया व काल भैरव होते हुए वापस शिवतांडव पर खत्म हुई। परिक्रमा दौरान श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज के साथ कीर्तन करते चल रहे थे। तेज धूप और गर्मी के चलते परिक्रमा के प्रति श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।

परिक्रमा के बाद गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व प्रवक्ता डॉ. अनुरागी ने कहा कि राम नाम जीवन का आधार है, राम नाम हर मर्ज की दवा है। कहा कि राम नाम का जाप करने से व्यक्ति के जीवन में सभी दुख, दर्द को सहन करने की शक्ति के साथ साथ मोक्ष की प्राप्ति होती हैं। राम नाम का जाप करने वाले व्यक्ति के अंदर से लालच, वासना, क्रोध, और द्वेष जैसी भावनाओं का भी अंत हो जाता है। कहा कि राम नाम का जप करने से भक्ति में वृद्धि होती है और व्यक्ति भगवान के प्रति अधिक समर्पित होता है। पं. अवधेश तिवारी ने श्रीमद्भागवत के 18वें अध्याय के श्लोक की व्याख्या करते हुए कहा कि परमात्मा की शरण में जाने से सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। इस मौके पर आशीष पुरवार, गौरीशंकर कोष्ठा आदि रहे।

श्रद्धाभाव से परिक्रमा लगाते लोग। अमृत विचार

- शिव मंदिर परिसर में हुई गोष्ठी में राम नाम का महत्व बताया

अर्द्धविक्षिप्त बालिका से दुष्कर्म का प्रयास

महोबा। खरेला थाना क्षेत्र के एक ग्राम में एक अर्धविक्षिप्त बालिका के साथ गांव के ही शातिर अपराधी ने दुष्कर्म का प्रयास किया। आरोपी को परिवारीजनों ने दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर थाना खरेला में ग्रामीण के खिलाफ दुष्कर्म का प्रयास करने का मुकदमा दर्ज किया गया।

थाना खरेला के एक गांव की बालिका बुधवार की शाम करीब पांच बजे अपने घर पर अकेली थी। तभी अकेलेपन का फायदा गांव के ही एक शातिर अपराधी घर के अन्दर घुस गया तथा बालिका को बंधक बनाते हुए उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया।

ई-रिक्शा व टेंपो चालकों की अराजकता से शहर में अक्सर जाम

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। जिले में ई-रिक्शा और टेंपो चालकों की अराजकता के चलते आएदिन शहर के मुख्य मार्गों में जाम लग जाने से लोगो को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के मौसम में दिन में जाम लगने से लोग चिलचिलाती धूप में सड़कों पर खड़े होकर निकलने का इंतजार करते हैं। आएदिन कोचिंग जाने वाले छात्र-छात्राओं को भी जाम की समस्या से दो चार होना पडता है। इसके बावजूद प्रशासनिक अधिकारी और यातायात पुलिस टेंपो, ईरिक्शा चालकों पर लगाम नहीं लगा पा रहे हैं।

सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अधिकारियों को अवैध रूप से संचालित टेंपो स्टैंड बंद कराने के निर्देश जारी किए थे, लेकिन इस पर प्रशासनिक अधिकारियों ने आज तक कोई अमल नही किया है। टेंपो, ई-रिक्शा चालक अपनी मनमर्जी से जहां चाहते हैं वहीं पर सड़क किनारे टेंपो और ई-रिक्शों को खड़ा करके अपना अड्डा बना देते हैं। इसका खामियाजा सड़क किनारे हजारों रुपये माह के हिसाब से किराए पर दुकान लेकर दुकानदारी करने वाले परेशान हैं। दुकानों के आगे टेंपों खड़ी करने से दिक्कत का सामना करना पड़ता है। आएदिन दुकानदारों और टेंपो संचालकों के बीच झगड़ा होता रहता है।

टेंपो चालकों द्वारा जिला अस्पताल के सामने और रोडवेज के पास टेंपो खड़ी करके सवारियां भरते हैं। इससे यात्री रोडवेज बसों का इंतजार न करके टेंपो में बैठकर चरखारी, कबरई, कुलपहाड़, खन्ना, खरेला, पनवाड़ी, श्रीनगर आदि कस्बों की यात्रा करते हैं, इससे रोडवेज को भारी राजस्व का नुकसान होता है। रोडवेज के चालकों परिचालकों द्वारा विरोध करने पर टेंपो चालक झगड़ा करने पर आमादा हो जाते हैं। पुलिस प्रशासन इस पर अंकुश नहीं लगा पा रहा है।

शहर के मुख्य मार्ग पर लगा जाम। अमृत विचार

नहीं बंद हुए अवैध टेंपो स्टैंड

जिले में तेजी से बढ़ रहे टेंपो और ईरिक्शा को देखते हुए उनके रूट तय करने के भी निर्देश दिए गए हैं, जिससे ईरिक्शा चालकों द्वारा फैलाई जा रही अराजकता पर रोक लग सके, लेकिन जिले के अधिकारियों द्वारा न तो ईरिक्शा चालकों के रूट तय किए गए और न ही धड़ल्ले से चल अवैध टेंपो स्टैंड बंद किए गए है। ईरिक्शा और टेंपो चालकों द्वारा आएदिन सड़कों में वाहन खड़े दिए जाने से जाम की स्थिति पैदा हो जाती है।

आएदिन दिन जाम में फंस जाती है एंबुलेंस

टेंपो और ई-रिक्शा चालकों द्वारा सवारी ने जहां हाथ दिया, तत्काल वहीं वाहन रोक दिया जाता है, जिससे उनके पीछे चलने वाले वाहन व बाइक चालकों की अक्सर पीछे से टक्कर हो जाती है। इतना ही नहीं रोडवेज और जिला अस्पताल के पास खासी भीड होने के बाद भी टेंपो चालकों द्वारा बेतरतीब तरीके से टेंपो को खड़ा कर दिए जाने से राहगीरों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। जिला अस्पताल जाने वाले वाहन व एम्बुलेंस जाम में फस जाते हैं, जिसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ता है।

छेड़खानी के आरोपी को भेजा गया जेल

महोबा। थाना खरेला के ग्राम पुपवारा में महिला के साथ छेड़खानी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

थाना खरेला के ग्राम पुपवारा निवासी दीपू सिंह पुत्र फूल सिंह ने गांव की एक महिला के साथ छेड़खानी कर दी और इसके बाद फरार हो गया।

पीड़िता ने घटना की तहरीर थाना खरेला में देने के साथ साथ पुलिस अधीक्षक अपर्णा गुप्ता को जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान तहरीर देते हुए बताया। एसपी के निर्देशन पर गठित की गई टीम ने कस्बा खरेला में जगह-जगह छापामारी की। पुलिस ने छापामारी दौरान कस्बे में अमर निर्मल पैलेस के पास से दीपू सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद उसे न्यायालय भेजा गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

थ्रो बॉल प्रतियोगिता के लिए छात्र-छात्राओं का चयन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- 29वीं राष्ट्रीय सब जूनियर प्रतियोगिता पंजाब में होगी

अमृत विचार। रामरतन भुवनेश कुमार पब्लिक स्कूल की कक्षा सात की छात्राओं और कक्षा नौ के छात्रों का नेशनल चैंपियनशिप में हुआ। सभी छात्र-छात्राएं पंजाब के पटियाला शहर में 28 मई से होने वाली 29वीं राष्ट्रीय अपनी खेल प्रतिभा को प्रदर्शित करेंगे। नेशनल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में चयन होने से माता पिता खुश नजर आ रहे हैं। वहीं विद्यालय के लोग भी गदगद हैं और प्रतिभागियों की तैयार में जुटे हुए हैं।

आरबीपीएस कुलपहाड़ के छात्र-छात्राएं पढाई के साथ खेलों में भी विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। हाल ही में महोबा के राजकीय वीरभूमि महाविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय थ्रो बॉल प्रतियोगिता में आरबीपीएस के विद्यार्थियों का दबदबा रहा। जिले की टीम से प्रतिभाग करने वाले आरबीपीएस के 9 छात्रों का और विद्यालय की 7 छात्राओ का चयन नेशनल चैम्पियनशिप में खेलने के लिए हुआ है। 29वीं राष्ट्रीय सब जूनियर थ्रो बॉल प्रतियोगिता पंजाब के पटियाला शहर में 28 मई से 30 मई को होने जा रही है। इस नेशनल चैम्पियनशिप के लिए चयनित हुए 9 बालकों में दीपराज, आदित्य राजपूत, अथर्व निरंजन, सिद्धांत शक्ति, औनिक अग्रवाल, रेहान खान, हसन खान, फरहान खान व शरद गुप्ता शामिल हैं बालक वर्ग में अपनी प्रादेशिक टीम का नेतृत्व करेंगे। उधर बालिका वर्ग में आरबीपीएस की छात्राएं दिशा द्विवेदी, नंदिनी तिवारी, अंशिका पटेल, आस्था सोनी, खुशी गुप्ता, अनुष्का नामदेव व कृतिका अग्रवाल राष्ट्रीय स्तर पर अपना दमखम दिखाएंगी। छात्र छात्राओं के चयन से कोच मोहम्मद अरशद ने खुशी जाहिर की।

आत्महत्या के लिए उकसाने में पति को सात वर्ष का कठोर कारावास

साढ़े चौदह साल पुराने मामले में आया फैसला, दोषी सास की हो चुकी है मौत

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। आत्महत्या को उकसाने के साढ़े 14 साल पुराने मामले में विशेष न्यायाधीश डकैती कोर्ट अनिल कुमार खरवार की अदालत ने दोषी पति को सात वर्ष की कैद की सजा सुनाई है। साथ ही पांच हजार जुर्माने से भी दंडित किया है। जुर्माना अदा न करने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। जबकि सास की मुकदमा दौरान मौत हो चुकी है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अशोक कुमार शुक्ला ने बताया कि जनपद फतेहपुर थाना क्षेत्र हुसैनगंज के असनी गांव निवासी मृतका के चाचा छोटेलाल ने सुमेरपुर पुलिस को दी तहरीर में बताया था, कि उसने अपनी भतीजी रीता की शादी कस्बा मोहल्ला धर्मेश्वर बाबा निवासी राजेश उर्फ राजू सोनकर के साथ वर्ष 1998 में की थी। बताया कि भतीजी को शादी के कुछ दिन बाद ही ससुरालीजन पति, ससुर व अन्य गयाचरन, सास सुमित्रा, देवर रामप्रताप आदि अतिरिक्त दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे। कई बार लोगों को बुलाकर पंचायत कराई, लेकिन उनपर कोई असर नहीं हुआ। बताया कि उनकी प्रताड़ना से तंग आकर भतीजी ने छह जून 2009 को स्वंय को आग लगा लिया, जिससे वह गंभीर रूप से जल गई, जिसकी कानपुर हैलट में आठ जून 2009 को इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में विवेचक ने पति व सास के खिलाफ आत्महत्या को उकसाने का मामला दर्ज कर आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया था। जिसकी सुनवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश डकैती कोर्ट अनिल कुमार खरवार की अदालत ने दोषी पति राजेश उर्फ राजू को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। जबकि सास सुमित्रा की इलाज के दौरान मौत हो गई।

संदिग्ध अवस्था में कुएं में कूदकर महिला ने दी जान

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- पिता ने लगाया हत्या कर शव को कुएं में फेंकने का आरोप
- पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की बात कही

अमृत विचार। मझगवां थाने के गिरवर गांव में बुधवार की रात एक महिला ने गांव में बने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। मौके पर मौजूद परिजनों ने आनन फानन महिला को कुएं से बाहर निकालकर सीएचसी पहुंचाया,जहां पर चिकित्सकों ने घोषित को मृत कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। महिला की मौत पर मायके पक्ष के लोगों ने सीएचसी पहुंच कर हंगामा किया। पिता ने ससुरालीजनों के ऊपर मारपीट कर हत्या करने और कुएं में फेंकने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है।

मुस्करा थाने के तुरना गांव निवासी महेश्वरी ने बताया कि उसने अपनी पुत्री रामदेवी की शादी मझगवां थाने के गिरवर गांव निवासी रामेंद्र राजपूत के साथ 2018 में की थी। बुधवार की रात करीब 8 बजे रामदेवी ने गांव में बने कुएं में कूदकर अपनी जान दे दी। महिला के परिजनों ने आनन फानन रामदेवी को कुएं से बाहर निकाल सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता ने आरोप लगाते हुए बताया कि ससुरालीजन पिछले काफी समय से दहेज की मांग करते आ रहे थे। दहेज की मांग पूरी न होने पर रामदेवी को प्रताड़ित करने लगे थे। आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोगों ने उसकी पुत्री की हत्या कर कुएं में फेंक दिया। वहीं मझगवां थानाध्यक्ष ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

गायत्री परिवार से जुड़े लोगों ने घरों में किया यज्ञ

राठ हमीरपुर। बुद्ध पूर्णिमा पर गायत्री शक्तिपीठ के मार्गदर्शन में कस्बे और ग्रामीण क्षेत्रों के गांवों में गायत्री परिवार से जुड़े लोगों ने अपने अपने घरों में सपरिवार गायत्री यज्ञ किया । इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ, मंदिरों में यज्ञीय कार्यक्रम संपन्न कराए। संयोजक डॉ. एलएल त्रिपाठी ने बताया कि जनपद के सातों ब्लाकों के करीब 2400 परिजनों के परिवारों में गायत्री यज्ञ एवं सामूहिक गायत्री उपासना के कार्यक्रम संपन्न हुए। जिला समन्वयक चन्द्रशेखर मिश्र ने कहा कि विगत चार वर्षो से शान्तिकुंज , हरिद्वार के मार्गदर्शन में चल रहे इस आध्यात्मिक प्रयोग से परोक्ष जगत में वैचारिक प्रदूषण दूर होकर दिव्यता का संचार हो रहा है। महिला मंडल प्रमुख उषा व्यास ने कहा हमें समझदारी और जिम्मेदारी के साथ युग धर्म का निर्वाह करना है। लोक मंगल के लिए किया गया पुरुषार्थ ही सच्चा यज्ञ है।

तहसील समन्वयक भोजराज एवं ब्लॉक समन्वयक शंकर प्रताप ने इसके सत्य परिणामों को देखते हुए गायत्री परिवार की समस्त शाखाओं एवं प्रज्ञापीठों शक्तिपीठों के संचालकों से इस कार्यक्रम को साप्ताहिक अभियान बना लेने का अनुरोध किया।

भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते बौद्ध अनुयायी। अमृत विचार

वैशाख पूर्णिमा पर मनाई गई बुद्ध जयंती

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के पठानपुरा मोहल्ला स्थित समता बुद्ध विहार में वैशाख पूर्णिमा पर बुद्ध जयंती मनाई गई। लोगों ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ रचना वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित करते हुए महात्मा बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। विशिष्ट अतिथि डॉ.हरिशंकर शास्त्री और मनीराम पासवान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महात्मा बुद्ध के बताए हुए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। हेमंत कुमार ने गीत के माध्यम से अपनी बात रखी। मनोज कुमार मौर्य मल्हौवा, नीतू सिंह कुशवाहा धनौरी, जितेंद्र कुमार मल्हौआ, कृष्णकांत, महेंद्र कुमार, वर्षा कुशवाहा समेत अनेक लोगों ने भगवान बुद्ध के जीवन प्रसंगों पर अपने विचार रखे। संचालन मुन्ना लाल बौद्ध पवई ने किया।

बुद्ध पूर्णिमा पर हुए यज्ञ

हमीरपुर। गुरुवार को बुद्ध पूर्णिमा पर युगतीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशानुसार घरों पर एक साथ एक समय सुबह 9 से 12 बजे के बीच गृहे - गृहे गायत्री यज्ञ संपन्न कराया गया। जिसमें परिजनों ने अपने अपने अनुसार गायत्री महायज्ञ किया और यज्ञ भगवान, मां गायत्री और परमपूज्य गुरु सत्ता से सबके कल्याण, सुख समृद्धि की शुभकामनाएं की। जिसमें सभी युवा, प्रज्ञा, महिला एवं वरिष्ठ परिजनों का सहयोग रहा।

मतदान की गोपनीयता भंग करने का मामला दर्ज , जांच जारी

हमीरपुर। मतदान के दौरान ईवीएम व वीवी पैट से निकलने वाली पर्ची की फोटो खींचकर सोशल मीडिया में वायरल करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ललपुरा थाना क्षेत्र के नदेहरा गांव निवासी शिक्षक प्रमोद कुमार प्रजापति ने बिवांर पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह उच्च प्रा. विद्यालय मवझ्या नरायच में इंचार्ज प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात है।

बताया कि उसकी ड्यूटी लोकसभा चुनाव में पीठासीन अधिकारी शाश्वत शांति इंटर कॉलेज उमरी बूथ संख्या 375 पर लगी थी। तभी संजय कुमार निवासी उमरी बूथ पर मतदान करने के लिए आया। मतदान करने के दौरान उसने ईवीएम व वीवी पैट की निकली पर्ची की फोटो खींच कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसने मतदान की गोपनीयता भंग कर दी। जो निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के प्रतिकूल है। मामले में बिवांर पुलिस ने आरोपी संजय के खिलाफ मतदान की गोपनीयता भंग करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हजरत सैय्यद बाबा की मजार। अमृत विचार

सैय्यद बाबा और दीवान बाबा के उर्स मनाये जाएंगे

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के प्रसिद्ध सूफी संत हजरत दीवान शहीद बाबा और हजरत सैय्यद बाबा के सालाना उर्स इस सप्ताह मनाए जाएंगे जिनके कार्यक्रम भी लगभग एक साथ ही आयोजित किए जाने हैं।

कस्बे के स्टेशन रोड स्थित हजरत सैय्यद बाबा का 39वां सालाना उर्स हर साल की तरह इस साल भी 28, 29 व 30 मई को बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा जिसमें मजार पर कुरआन ख्वानी, लंगर, चादर पोशी और कव्वालियों के साथ ही कुल शरीफ की फातिहा के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उर्स कमेटी के अध्यक्ष इददू पहलवान ने अधिक से अधिक लोगों से उर्स के सभी प्रोग्रामों में शामिल होने की अपील की है। वहीं कस्बे के मोहल्ला बाघू स्थित हजरत दीवान शहीद बाबा का सालाना उर्स 29, 30, 31 मई को बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा जिसमें मीलाद, कव्वाली, चादरपोशी, लंगर सहित कुल की महफिल के प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में फार्मासिस्ट व वार्ड ब्वॉय के सहारे चल रहे अस्पताल

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- कस्बे की ओपीडी में समय से पहुंच रहे डॉक्टर
- गांवों के अस्पतालों में नहीं पहुंच रहे चिकित्सक

सुमेरपुर पीएचसी के पर्चा काउंटर पर मौजूद लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। मौसम में हुए बदलाव से कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पतालों में उल्टी दस्त बुखार के मरीजों में जोरदार इजाफा हुआ है। ओपीडी खुलते ही मरीजों से अस्पताल भर जाते हैं। कस्बे में डॉक्टर समय पर ओपीडी में आ रहे हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों की ओपीडी डॉक्टरों के बजाय फार्मासिस्टों एवं वार्ड ब्वायों के सहारे संचालित हो रही हैं। ओपीडी में प्रतिदिन औसतन 200 मरीजों को देखा जा रहा है।

कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी के हालात बेहतर हैं और वहां की ओपीडी में डॉक्टर समय पर पहुंच रहे हैं। गुरुवार को ओपीडी में डॉ. विश्वेंद्र कुमार, डॉ .परवेज कादरी, डॉ .शमा परवीन समय पर मौजूद थीं। यहां पर सुबह से मरीजों का तांता लगा हुआ था। उल्टी दस्त के मरीजों से अस्पताल के बेड फुल थे। यहां प्रतिदिन औसतन 200 मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के हालात बद् से बदतर हैं। विदोखर, कलौलीजार, पचखुरा महान, मौहर, पत्योरा पीएचसी डॉक्टर विहीन हैं। यहां पर फार्मासिस्ट एवं वार्ड ब्वॉय अस्पताल चला रहे हैं। सरकार की तरफ से आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेलों में डॉक्टरों की उपस्थिति कुछ समय के लिए कभी कभार हो जाती है बाकी दिनों की व्यवस्था राम भरोसे है। इसलिए यहां मरीजों की संख्या नगण्य रहती है।

सड़क पर गिरकर बाइक सवार दो घायल

मौदहा (हमीरपुर)। क्षेत्र के करहिया रीवन मार्ग पर संतुलन बिगड़ने से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें राहगीरों ने सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने एक युवक की हालत नाजुक देख प्राथमिक उपचार कर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

जनपद महोबा के थाना खन्ना गांव निवासी राज सिंह (25) अपने गांव के ही सौरभ यादव (25) के साथ गुरुवार की सुबह मौदहा क्षेत्र के ग्राम गुरदहा में अपनी मौसी के यहां आया था। जब वह दोनों बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। तभी करहिया और रीवन के बीच संतुलन बिगड़ने से दोनों युवक बाइक समेत सड़क पर गिर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें राहगीरों की मदद से लहूलुहान हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने सौरभ की हालत नाजुक देख उसका प्राथमिक उपचार कर उसे मुख्यालय रेफर कर दिया।

छत से गिरकर ट्रैक्टर चालक की गई जान

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

- दोस्त की ससुराल आया था युवक, रात के वक्त हुआ हादसा

अमृत विचार। अपने मित्र के साथ उसकी ससुराल भैंसता गांव आया ट्रैक्टर चालक की संदिग्ध परिस्थितियों मे छत से गिर कर मौत हो गईं। जबकि उसका साथी तेज प्रताप ने कहा की वह नशे की हालत में सोते समय पंचायत भवन की छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ललपुरा थाना क्षेत्र के कामता पाल (28) अपने मित्र तेज प्रताप वर्मा के साथ उसकी ससुराल भैंसता निवासी लल्लूराम के यहां आया था। दोनों लोग ट्रैक्टर चालक हैं इसलिए काम कराने के चलते यहां पर आए हुए थे और रात में खाना खाने के बाद नशा कर गांव के पंचायत भवन की छत पर सो गये थे । तेज प्रताप ने बताया, सम्भवतः रात में लघुशंका करने के लिए कामता उठा होगा और संतुलन बिगड़ जाने के कारण गिर गया होगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वह लोग उसे इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाये ,जहां पर डॉक्टरों ने ट्रैक्टर चालक कामता पाल को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी राम आसरे सरोज ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। साथ ही मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

महिला और उसके पुत्र को पीटा, रिपोर्ट

राठ (हमीरपुर)। मझगवां थाने के उमन्निया गांव निवासी तुलसारानी पत्नी शिवदयाल ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके गांव का देवपाल, परमेश्वरी दयाल और राजू उसके पुत्र जैवेंद्र के साथ गाली गलौज कर मारपीट करने लगे। बताया कि जब उसने अपने पुत्र के साथ मारपीट होती देखी तो वह उसे बचाने के लिए दौड़ी। जिसके बाद आरोपियों ने उसके साथ भी जमकर मारपीट कर दी।

भारतीय जनसंचार संस्थान में दिनेश का हुआ चयन

कुरारा (हमीरपुर)। क्षेत्र के पतारा गांव के छात्र दिनेश कुशवाहा का भारतीय जनसंचार संस्थान आईआईएमसी में चयन होने पर परिवार व गांव में खुशी का माहौल है।

दिनेश कुशवाहा।

एशिया सहित विश्व का सबसे प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान भारतीय जनसंचार संस्थान आईआईएमसी में क्षेत्र के पतारा गांव के छात्र दिनेश कुशवाहा का चयन हुआ है। जिससे परिजनों की माता भागवती सब्जी की दुकान चलाती है और पिता रामआसरे ई रिक्शा चलाते हैं। दिनेश ने बताया कि बनारस में रहकर इस संस्थान में चयन होने के लिए पूरे एक साल तक उन्होंने तैयारी की।

मंडी की विद्युत आपूर्ति हुई दुरुस्त

संवाददाता, सुमेरपुर(हमीरपुर)

- विद्युत व्यवस्था को लेकर सपाइयों ने की थी शिकायत

अमृत विचार। सपाइयों की शिकायत एवं चुनाव आयोग की फटकार के बाद नवीन गल्ला मंडी की विद्युत आपूर्ति को अधिकारियों ने दुरुस्त दिया है। बीती रात एक मिनट के लिये भी विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं हुई।

मतदान के बाद नवीन गल्ला मंडी में बनाए गए स्ट्रांग रूमों में रखी गई ईवीएम की सपाई रात दिन मौजूद रहकर प्रशासन के साथ कड़ी निगरानी कर रहे हैं। मंगलवार को रात में दो बार विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर सीसीटीवी कैमरों की लोकेशन चुनाव आयोग के लखनऊ एवं दिल्ली के दफ्तरों में बाधित हुई। इसको संज्ञान में लेकर आयोग के अधिकारियों ने जिला प्रशासन को कड़े निर्देश दिए थे। उधर सपाइयों ने एडीएम के पास शिकायत दर्ज कराकर व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की थी। बुधवार को देर शाम जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने नवीन गल्ला मंडी का दौरा करके अधिकारियों व कर्मचारियों को कड़े निर्देश दिए थे। इसके बाद बुधवार/गुरुवार की रात आपूर्ति में किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न नहीं हुआ है। उधर सपा जिलाध्यक्ष इदरीश खान, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नंदकिशोर शिवहरे, शिवशरण सिंह यादव, मुन्नीलाल निषाद, सुरेन्द्र सिंह यादव, अनार सिंह, ओमप्रकाश वारसी, स्वनेश सोनी आदि हैं।

सार-संक्षेप

देवी पूजन को जाते समय ट्रैक्टर-ट्राली पलटी, पांच घायल

सरीला (हमीरपुर)। जलालपुर थाना क्षेत्र के कटेहरी गांव में शादी के बाद पूजन के लिए ट्रैक्टर ट्राली से दूल्हा दुल्हन परिजनों समेत देवी मंदिर जा रहे थे। तभी ट्रैक्टर की ट्राली पलट गईं, जिससे ट्राली में सवार 10 लोगों को चोटें आईं। कटेहरी गांव निवासी प्रेम सिंह का विवाह बुधवार को बिलगांव गांव स्थित मैदाने बाबा में सामूहिक शादी समारोह में सुमित रानी के साथ हुआ था। बहू की विदाई के बाद गांव महेरा स्थित प्रसिद्ध देवी मंदिर में परिवारीजन दूल्हा दुल्हन का (हाथा) पूजा पाठ करवाने ट्रैक्टर ट्राली में से जा रहे थे, तभी ढालूदार रास्ते में ट्रैक्टर ट्राली सड़क से नीचे उतर गया, जिससे संतुलन बिगड़ने से ट्राली पलट गई। ट्राली में बैठी कोमल (17), सैजल (18), सोमवती (50) व मामा के लड़के की शादी में शामिल होने आई वंदना (16) निवासी जसपुरा बांदा गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं अन्य पांच लोगों को भी हल्की चोटें आईं हैं। जबकि दुल्हन सुमित रानी और दूल्हा बाल बाल बच गए।

27 मई को होंगे मतदान

हमीरपुर। न्यायालय परिसर में चेयरमैन एल्डर्स कमेटी जयकरन सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें कई प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में पूर्व अध्यक्ष एवं महामंत्री द्वारा बनाए गए सदस्यों की सूची एवं शुल्क जमा किया गया। सभी एल्डर्स कमेटी एवं चुनाव अधिकारीगण ने सर्वसम्मति से यह निर्णय किया कि अध्यक्ष द्वारा दी गई सूची को स्वीकार किया जाता है। उनकी मतदाता सूची को अपनी मतदाता सूची में शामिल किया जाए और दोनों सूचियों को मतदान के समय उपयोग किया जाए। मतदान 27 मई को संपन्न होने पर सहमति दी। इस मौके पर एल्डर्स कमेटी के अन्ती कुमार सिंह, सुरेन्द्र दत्त पाठक के साथ चुनाव पदाधिकारी देवी चरन मिश्रा, अल्ताफ हुसैन, महिपाल प्रजापति, देव सिंह यादव, मथुरा प्रसाद आदि मौजूद रहे।

मुकदमे में राजीनामा न करने पर पीटा

सुमेरपुर(हमीरपुर)। पचखुरा महान निवासी राहुल यादव ने बताया कि वह घर से दुकान जा रहा था। तभी रास्ते में सत्यम सिंह ने अपने पिता संतोष सिंह के साथ उसे रोक लिया और पुराने मुकदमे में राजीनामा करने का दबाव बनाया। राजीनामा न करने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी। जब उसने कहा कि उसे मुकदमे से कोई लेना-देना नहीं है। तब उन दोनों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। बीच बचाव करने आए गांव निवासी आशीष विश्वकर्मा को भी पीटा। पुलिस ने पिता पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लकड़ी काटने की मशीन की चपेट में आने से युवक घायल

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली के औंता गांव में लकड़ी काटने के दौरान एक युवक मशीन की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। कोतवाली के बिलरख गांव निवासी शिवपाल पुत्र बिहारी औंता गांव में राम सिंह के खेत में मशीन से पेड़ की लड़कियां काट रहा था। अचानक उसके हाथ का संतुलन बिगड़ गया। जिससे वह चलती हुई मशीन की चपेट में आकर घायल हो गया।

बाइक से गिरकर महिला गंभीर रूप से घायल

राठ (हमीरपुर)। जखेड़ी गांव के पास तेज रफ्तार बाइक से गिरकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। कोतवाली क्षेत्र के जखेड़ी गांव निवासी संपत रानी पत्नी वीरपाल गुरूवार को अपने भतीजे के साथ राशन लेकर वापस अपने घर जा रही थी। रास्ते में जखेड़ी गांव के पास ही अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया। जिससे वह बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई।

अनदेखी

चरखारी रोड पर कबीर मंदिर के पास नीचे लटक रहे है हाईटेंशन लाइन की केबल

हादसों को दावत दे रही 11 हजार वोल्टेज की लाइन

संवाददाता, राठ हमीरपुर

कस्बे के कबीर मंदिर के पास नीचे लटकी एचटी लाइन की केबल। अमृत विचार

कोट बाजार जाने वाले मार्ग पर नीचे लटकी एचटी केबल।

- स्टेट बैंक तिराहे से कोटा बाजार जाने वाले मार्ग पर भी नीचे लटकी हैं लाइनें

अमृत विचार। पावर कारपोरेशन के अधिकारियों की लापरवाही और अनदेखी के चलते कस्बे के विभिन्न स्थानों पर हाईटेंशन लाइनें लटकी हुई हैं, जो कभी भी टूटकर हादसों को दावत दे सकती हैं। समय रहते यदि इन लाइनों को सही नहीं कराया गया तो किसी दिन कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

कस्बे के सिकंदरपुरा मोहल्ला में कबीर चौपरा मंदिर के जाने वाले रास्ते में 11 हजार की केबल एक टावर में गई है। इस समय केबल का यह हाल हो गया है कि खंबे से काफी नीचे लटक गई है। केबल के नीचे लटकने से कभी भी कोई दुर्घटना घटित हो सकती है। आलम यह है कि यदि कोई वाहन सड़क से गुजरता है तो केबल उसमें छू जाती है। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि कई बार बिजली विभाग के कर्मचारियों को केबल ऊंचा करने के लिए कहा गया लेकिन उनके कांनों में जूं तक नहीं रेंगी। इसी तरह से स्टेट बैंक तिराहे से कोटबाजार जाने वाले भीड़भाड़ वाले मार्ग के ऊपर से निकली एचटी लाइन के तार भी नीचे लटकने लगे हैं। बुधवार की शाम एक वाहन के निकलने से तार टकरा गए और लाइन फाल्ट हो गई। दुकानदारों ने बताया कि आग लगने से घटना बचते बचते बची। पावर कारपोरेशन की इस लापरवाही पूर्ण कार्यप्रणाली से लोगों में रोष व्याप्त है। इस संबंध में पावर कारपोरेशन के अधिशाषी अभियंता राजकुमार का कहना है कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। वह इस मामले को देखकर उसकी व्यवस्था करायेंगें।

गोबर की खाद भरने से रोकने पर सास-बहू को पीटा

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

अमृत विचार। जरिया थानाक्षेत्र के एक गांव में चोरी से ट्रैक्टर ट्राली में खाद भर कर ले जा रहे दबंगों ने विरोध करने पर सास-बहू की पिटाई कर दी।

गांव निवासी दो महिलाओं सास बहू ने थाने में प्रार्थना पत्र दिया है। बताया कि गुरुवार सुबह लगभग नौ बजे अपने बाड़े में गोबर कूड़ा डालने को गई तो देखा कि पड़ोसी तीन लोग बाड़े में पड़ी उनकी पुरानी गोबर की खाद चोरी से अपने ट्रैक्टर ट्राली में भर रहे हैं। पीड़िता का आरोप है कि खाद भरने से मना किया तो तीनों लोग गालियां देने लगे और उनके साथ छेड़खानी करते हुए डंडों से पिटाई कर दी, जिसमें दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित महिलाओं को सीएचसी सरीला में भर्ती कराया गया है। थानाध्यक्ष प्रिंस दीक्षित ने बताया कि पीड़ित महिलाओं की तहरीर पर प्रदीप, सुरेश व उमाशंकर के विरुद्ध मारपीट व छेड़खानी का मामला दर्ज किया गया है। जमीनी विवाद भी बताया जा रहा है।

घर में घुसकर पीटा

सुमेरपुर(हमीरपुर)। बीच बचाव करने पर तीन लोगों ने घर में घुसकर युवक को जमकर मारा पीटा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टेढ़ा गांव निवासी रणविजय सिंह ने पुलिस को बताया कि उसके पड़ोसी बबलू सिंह, कल्लू सिंह, अनमोल सिंह मेरे चचेरे भाई भोला सिंह के साथ मारपीट कर रहे थे। जब उसने ऐसा करने से रोका तो यह तीनों उसके घर के अंदर घुस आए और गाली गलौज करते हुए जमकर पीटा और जान से मार देने की धमकी देकर चले गए। पीड़ित ने पुलिस को न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक नजर

वाहन की टक्कर से भाई बहन घायल

जालौन। बाइक से बहन के साथ गैस सिलेंडर भरवाने जा रहे भाई को अज्ञात वाहन ने चपेट में लिया, जिससे वह घायल हो गए। परबई निवासी रामू पुत्र पन्नालाल अपनी बहन रजनी के साथ गांव से जालौन गैस सिलेंडर भरवाने के लिए जा रहे थे। बंगरा रोड नवीन गल्ला मंडी के सामने पीछे से तेज गति से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनको पीछे से टक्कर मार दी, जिससे भाई बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से दोनों लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है।

मारपीट करने वाले तीन पति शांति भंग में गिरफ्तार

जालौन। अलग-अलग मामलों में अपनी पत्नियों के साथ मारपीट करने वाले पतियों के खिलाफ पुलिस ने शांति भंग में कार्रवाई की। मोहल्ला हृदय शाह निवासी आलम पुत्र जब्बार द्वारा पत्नी के साथ गाली-गलौज तथा मारपीट करने पर, वहीं मोहल्ला नारो भास्कर निवासी सुनील कुमार पुत्र सुरेश चंद को पत्नी के साथ मारपीट करने, उरगांव से धर्मेंद्र को उनकी पत्नी शिवकुमारी के साथ मारपीट करने पर शांति भंग की कार्रवाई की गयी।

खुदी पुलिया में बुंदेली लोकगीत गायकों की कार गिरी, छह घायल

माधौगढ़ थाना क्षेत्र के रामपुरा के पास हुआ हादसा, तीन मेडिकल कॉलेज रेफर

संवाददाता माधौगढ़, जालौन

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के रामपुरा के पास खुदी सड़क की पुलिया में बुंदेली लोकगीत गायकों की कार गिर गई। हादसे में ड्राइवर सहित छह लोग घायल हो गए। इसमें तीन की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज उरई के लिए रेफर किया गया है।

थाना क्षेत्र के ग्राम नरौल में एक कार्यक्रम में बुंदेली लोकगीतों की प्रस्तुति थी। इसमें लोकगीत गायक बबलू रंगीला, नेहा देसोरिया व अनीता दांगी झांसी से बोलेरों से होकर नरौल आ रहे थे। देर रात 10 बजे के लगभग रामपुरा में काली पेट्रोल पंप के पहले लोक निर्माण विभाग की कई महीनों से खुदी पड़ी पुलिया में गायकों की गाड़ी गिर गई, जिसमें गाड़ी चला रहे डॉ नारायण सिंह बुंदेला पुत्र भारत सिंह 38 वर्ष निवासी झांसी, नेहा देसोरिया पुत्री कैलाश देसोरिया 23 वर्ष निवासी ग्राम पिछोर जिला शिवपुरी, दीपक दिसोरिया पुत्र कैलाश दिसोरिया 19 वर्ष निवासी ग्राम पिछोर जिला शिवपुरी, अनीता दांगी पत्नी विजय दांगी 28 वर्ष निवासी झांसी, राकेश पुत्र रामराजा 25 वर्ष निवासी ग्राम गुगरवरा जिला ललितपुर व मुरारी पुत्र हलकई 39 वर्ष निवासी ग्राम ककढ़ारी तालबेहट जिला ललितपुर घायल हो गये। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायल कलाकारों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुरा लाया गया। जहां डॉ अरुण जादौन द्वारा सभी को प्रारंभिक उपचार दिया गया। इसमें बुंदेली गायक कलाकार नेहा दिसोरिया, अनीता दांगी व बोलेरों चालक डॉ नारायण सिंह बुन्देला की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज उरई के लिए रेफर कर दिया गया। उक्त बुंदेली गायक कलाकार मधुर रंगीला एण्ड पार्टी वैरवार जतारा के संचालक ठाकुर मनोहर सिंह मधुर के साथ झांसी से जनपद जालौन के थाना क्षेत्र के ग्राम नरौल निवासी छेदीलाल प्रजापत के यहां जा रहे थे।

सूचना देने के आधा घंटा बाद पहुंची पुलिस

- लोगों ने बताया कि स्थानीय पुलिस को दुर्घटना की जानकारी देने के बाद भी 30 मिनट तक नहीं पहुंची। लोगों ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन से सभी घायलों को बाहर निकलकर अपने निजी वाहनों सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती करवाया गया। इसके बाद औपचारिकता पूरी करने के लिए पुलिस अस्पताल पहुंची और जानकारी ली।

हादसे में क्षतिग्रस्त वाहन। अमृत विचार

कई माह पूर्व की गई थी खोदाई

- विधायक मूलचन्द्र निरंजन व जिलाधिकारी राजेश पाण्डेय के निर्देश के बाबजूद रामपुरा व भीकमपुरा के बीच कई महीनों से खुदी पड़ी पुलिया के निर्माण में लोक निर्माण विभाग कोताही बरत रहा हैं। जबकि कई बार स्थानीय लोगों व किसानों ने स्टेट हाइवे के निर्माण के समय लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से उक्त पुलिया के निर्माण के लिए गुहार लगाई। स्टेट हाइवे में खुदी पड़ी पुलिया के पास लोक निर्माण विभाग द्वारा कोई भी संकेतात्मक चिन्ह तक नहीं लगाया गया।

रजबहा सीसी निर्माण में हो रहा घटिया सामग्री का उपयोग

संवाददाता माधौगढ (जालौन)

- आईं दरारें, रिसेगा पानी, भरेंगे किसानों के खेत
- तरसौर रजबहा में हो रहा है सीसी लाइनिंग का कार्य

अमृत विचार। नहर विभाग के तरसौर रजबहा में हो रही सीसी लाइनिंग कार्य में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग का मामला सामने आया है। मानकों का किसी तरह से पालन नहीं किया जा रहा है। तहसील के बेनीपुरा से बुढनपुरा, सुरावली होते हुए गोहन की तरफ तरसौंल रजबहा पर पक्की पटरी का निर्माण किया जा रहा है। मानकों के अभाव में निर्मित लाइनिग चटक और दरक रही हैं। इस निर्माण से लाखों की सरकारी धनराशि का बंदर बांट होता नजर आ रहा है। किसान सीताराम का कहना है कि सीसी लाइनिंग माधोगढ़ तहसील के बुढनपुरा के करीब कराया जा रहा है। सीसी लाइनिंग में सीमेंट की जगह डस्ट का उपयोग हो रहा है। भीषण गर्मी में भी सीसी लाइनिंग पर तराई न होने पर शुरू में ही कई जगह पर दरारें पड़ गई हैं। किसान राजू यागिक का कहना है अधिकारियों और ठेकेदार की मिली भगत से घटिया निर्माण हो रहा है। किसान रामकुमार का कहना है कि घटिया निर्माण कर ठेकेदार खानापूर्ति कर रहे हैं। इससे निर्माण के बाद भी किसानों को सीपेज की समस्या से राहत नहीं मिलेगी। किसान शिवकुमार ने कहा कि जालौन जिले के माधौगढ़ तहसील से मात्र 3 किमी दूर बुढनपुरा के पास नहर से निकली तरसौंल रजबहा में पटरी बनाने के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। किसान अमर सिंह का कहना है कि किसानों की फसल पानी से सड़ने से बचाने के लिए ही किसानों के प्रयास से रजबहे में पक्की लाइनिंग का कार्य हो रहा है पर बडे. प्रयास के बाद उक्त रजबाहा की पटरी पक्की बनवाने की स्वीकृति मिली है, लेकिन घटिया निर्माण के चलते किसानों की समस्याएं हल नहीं होंगी।

क्षतिग्रस्त निर्माणाधीन लाइनिंग। अमृत विचार

निर्माण कार्य की जांच कराने की मांग

किसान रामकुमार, किसान अमर सिंह, किसान सीताराम ने प्रशासन से इस मामले को गंभीरता लेकर निर्माण कार्य की जांच करवाने की मांग की है। ताकि लाइनिंग बनने के बाद किसानों को परेशानी नहीं हो।

स्नातक व परास्नातक की परीक्षाएं आज से

संवाददाता कालपी (जालौन)

अमृत विचार। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में शुक्रवार से स्नातक व परास्नातक सेमेस्टर परीक्षाएं होंगी। कालपी कॉलेज में 770 परीक्षार्थी भाग लेंगे। गुरुवार को प्राचार्य तथा शिक्षकों द्वारा नकल विहीन एवं शांति पूर्वक परीक्षाओं को संपन्न करने के लिये बैठक करके व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार बीए, बीएससी, एमए, बीएससी एग्रीकल्चर, बीएससी ऑनर्स तथा एमएससी की परीक्षाएं 24 मई से 27 जून तक कालपी कॉलेज में तीन चरणों में संचालित होंगी। परीक्षा केंद्र में आधा दर्जन महाविद्यालय गंगाधर पांडेय महाविद्यालय, परशुराम द्विवेदी महाविद्यालय, करन ईश्वरी सिंह महाविद्यालय, मधु टंडन महिला महाविद्यालय तथा कालपी कॉलेज कालपी के परीक्षार्थी परीक्षा में हिस्सा लेंगे। उप प्राचार्या डॉ. सुधा गुप्ता, वरिष्ठ शिक्षक धर्मेंद्र पाल सिंह तथा डॉ. सोमचंद्र चौहान ने बताया कि परीक्षा केंद्र के सभी कक्षों में सीसीटीवी से निगरानी होगी साथ ही उड़नदस्ता की टीमें गठित की गई हैं। आंतरिक उड़ाका दल संदिग्ध परीक्षार्थियों की तलाशी लेंगे। उन्होंने बताया कि अनुचित सामग्री का प्रयोग कतई नहीं करने दिया जाएगा। गुरुवार को महाविद्यालय में प्राचार्य की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में परीक्षाओं को तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। परीक्षाओं को कुशलता पूर्वक निपटाने के लिए सुरक्षा बल तैनात रहेगा तथा स्टेटिक मजिस्ट्रेट निगरानी रखेंगे।

परीक्षा को लेकर बैठक करते प्राचार्य व शिक्षक। अमृत विचार

770 कालपी कॉलेज में परीक्षार्थी लेंगे भाग

- बैठक कर तैयारियों पर की गई चर्चा

चेकिंग के दौरान दो ट्रक पकड़े

जालौन। चेकिंग के दौरान वाणिज्य कर विभाग ने दो ट्रकों को पकड़ा, जिसमें एक ट्रक में अवैध रूप से बिना कागजातों से लकड़ी ले जाई जा रही थी, वहीं एक ओवर लोड मौरंग से लदा ट्रक भी पकड़ा। दोनों ट्रकों को कोतवाली में खड़ा कराया। वाणिज्य कर विभाग की टीम द्वारा गुरुवार को बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के पास चेकिंग अभियान चलाया गया।

इस अभियान के दौरान उन्होंने दो ऐसे ट्रकों को पकड़ा जिनके पास कोई भी कागजात उपलब्ध नहीं थे जिसमें एक ट्रक में अवैध रूप से लकड़ी लदी हुई थी उसे रोककर चालक से जरूरी कागजात मांगे गए तो वह कागजात नहीं दिखा पाया तो वहीं बालू से लदा ओवरलोड ट्रक को भी चेकिंग के दौरान पकड़ा गया दोनों ट्रकों को कोतवाली में खड़ा कराया गया अब आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धूमधाम से मनाई गई गौतम बुद्ध जयंती

कार्यालय संवाददाता, उरई

अमृत विचार। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर टीम बदलाव व रैपिड एक्शन टीम के तत्वाधान में गुरुवार को भगत सिंह चौराहा व झलकारी बाई पार्क कोंच बस स्टैंड के पास सुबह से दोपहर तक शरबत का वितरण किया गया। लोगों ने शरबत पीकर प्यास बुझाई साथ ही गर्मी से राहत महसूस की। गुरुवार को भगत सिंह चौराहा व झलकारी बाई पार्क कोंच बस स्टैंड के पास पर शरबत का वितरण किया गया। रविंद्र चौधरी ने बताया इतनी तेज गर्मी में रहगीरों द्वारा शरबत पीकर राहत महसूस किया गया। इसके बाद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बुद्ध बिहार गए और बौद्ध भिक्षुओं को फल-दान किया गया।

इस दौरान प्रेम कुमार आनन्द, अतुल अहिरवार, महेंद्र भाटिया, प्रवेश निरंजन, आलोक निरंजन, अलीम सर, पूर्व मंत्री नारायण दास अहिरवार, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय चौधरी, संजय गौतम, राम औतार गौतम, शैलेन्द्र शिरोमणि, मनोज राजा, अजय श्रीवास्तव, शांति स्वरूप महेश्वरी नितिन ज्ञागिक, पुनीत भारती, भूपेंद्र दोहरे, रामप्रकाश, प्रमोद वर्मा, श्रद्धानन्द सिंह, डॉ धर्मेन्द्र वर्मा, सुधाकर राव गौतम, मनोज अहिरवार, अमर सिंह, देवेंद्र जाटव, जीतेन्द्र वर्मा, प्रवीण वर्मा, बृजमोहन वर्मा, रविंद्र चौधरी, प्रदीप महतवानी, रविंद्र गौतम, शैलेन्द्र प्रताप सिंह ज्ञागिक, रंजीत चौधरी, राहुल गौतम, मुन्नेश कुमार, राजकुमार दोहरे, रणजीत सिंह, प्रदीप वर्मा, ब्रजेन्द्र वर्मा, कृष्णकांत वर्मा, हरिमोहन वर्मा, शैलेन्द्र वर्मा, सुन्दर सिंह, पवन वर्मा, अनिल वर्मा, देवेंद्र वर्मा, समेत आदि उपस्थित रहे।

गौतम बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित करते सपा के प्रत्याशी नारायणदास अहिरवार।

- बुद्ध बिहार जाकर बौद्ध भिक्षुओं को किया गया फलों का दान

शरबत वितरण कर, बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित किए

उरई (जालौन)। गुरुवार को गौतमबुद्ध की जयंती दलित समाज के लोगों द्वारा धूमधाम के साथ मनाई गयी। इस मौके पर समाज के लोगों ने शहर के शहीद भगतसिंह चौराहा पर स्टाल लगाकर राहगीरों को शरबत का वितरण किया गया। इस मौके पर इंडिया गठबंधन सपा प्रत्याशी नारायणदास अहिरवार ने कार्यक्रम में पहुंच कर गौतमबुद्ध के चित्र कर पुष्प अर्पित किये। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शैलेंद्र शिरोमणि, पूर्व पालिकाध्यक्ष विजय चौधरी, मनोज अहिरवार, राजकुमार दोहरे, रंजीत चौधरी, मुन्नेश दोहरे, महेंद्र कठेरिया, रणजीत सिंह, शैलेन्द्र प्रताप सिंह याज्ञिक, रविन्द्र चौधरी, सौरभ त्यागी, प्रदीप महातवानी, रविन्द्र गौतम, राहुल गौतम, सुधीर राणा सहित आदि गौतमबुद्ध के अनुयायी मौजूद रहे।

चंबल क्रिकेट लीग में माधोगढ़ ने खोड़न को 6 विकेट से हराया

संवाददाता माधोगढ़

अमृत विचार। चंबल संग्रहालय द्वारा आयोजित चंबल क्रिकेट लीग सीजन 3 के छठवें दिन खोड़न (भिंड) और माधौगढ़ (जालौन) टीमों के बीच बड़ा ही रोमांचक मुकाबला हुआ। माधौगढ़ टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी की।

चौरेला ग्राउंड पर बल्लेबाजी करने उतरी खोड़न टीम निर्धारित 12 ओवर में 6 विकेट के नुकसान से 113 रन का योगदान दिया। खोड़न टीम के खिलाड़ी प्रदीप ने सर्वाधिक 28 रन बनाया। जवाब में उतरी माधौगढ़ टीम लक्ष्य का पीछे करते हुए 11.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान से 119 रन बनाकर जीत हासिल की। माधौगढ़ टीम के ओपनर सनी ने 5 छक्का 2 चौका लगाकर 46 रन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इटावा, जालौन और भिंड जनपद सीमा पर हो रहे चंबल क्रिकेट लीग में बीहड़ के दर्जनों गांवों के क्रिकेट प्रेमियों का जमावड़ा बना रहा। मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए डॉ. आर के मिश्रा ने कहा कि चंबल परिवार के विभिन्न आयोजनों से चंबल अंचल की सकारात्मक छवि विश्व पटल पर उभर रही है। चंबल धार की सेवा का व्रत लेने वाले डॉ. शाह आलम राना की तपस्या से हम सभी वाकिफ हैं। माधौगढ़ के खिलाड़ी सनी को मैन ऑफ द मैच ट्राफी डॉ. आर के मिश्रा ने प्रदान की। लाइव कमेंट्री सुबोध कुमार, स्कोर बुक में दर्ज करने का कार्य देवेंद्र सिंह ने किया।

वोट न देने पर हमले का आरोप

कालपी (जालौन)। कालपी कस्बे में झांसी कानपुर हाईवे किनारे स्थित ढाबा संचालक ने पार्टी विशेष के प्रत्याशी को वोट न देने पर उसके साथ मारपीट होने का आरोप लगाया है। ढाबा संचालक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 मई को कुछ लोग आए और मेरे ढाबे में खाना खाया। उन्होंने एक पार्टी को वोट नहीं देने पर मुझ पर चाकू से हमला कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। पीड़ित ने कोतवाली कालपी में तहरीर दी जिस पर मेडिकल कराकर मामले की जांच कर की जा रही है। पुलिस का कहना है कि वोट देने वाली बात की पुष्टि नहीं हुई है।

ध्रुव की कथा सुनाई, भाव-विभोर हुए भक्त

संवाददाता माधौगण, जालौन

अमृत विचार। विकासखंड कुठौंद की ग्राम पंचायत पंडितपुर में राधावल्लभ महाराज की प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम के तहत यहां भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। गुरुवार को कथा व्यास शिखेश्वरी देवी श्रीधाम वृंदावन के मुखारविंद से भक्त प्रहलाद व भक्त ध्रुव तथा उत्तानपाद की कथा सुनाई गई। कथा श्रवण कर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए तथा आज ही श्री राधावल्लभ की प्राण प्रतिष्ठा के लिए महाराज राधावल्लभजी की झांकी बैंड बाजे के साथ बड़े ही धूमधाम के साथ निकाली गई। जिसमें महाराज राधा वल्लभजी का जगह-जगह ग्रामीणों ने टीका कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस विशाल कार्यक्रम के आयोजक महंत राजेश्वरानंद महाराज, राधा वल्लभ मंदिर सर्राफा उरई के पावन सानिध्य में इस विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के निवेदक लक्ष्मीपति ट्रेडर्स गोपालगंज उरई, व्यवस्थापक गोपाल मिश्रा ने बताया कि भागवत महापुराण में पधारे संत व क्षेत्र से आए हुए श्रद्धालुओं का बड़े ही आदर भाव के साथ सत्कार किया जा रहा है तथा ठहरने व भोजन की व्यवस्था करवाई गई है। उन्होंने बताया कि भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का समापन हवन एवं विशाल भंडारा 26 मई को होगा। कार्यक्रम में अपना सहयोग देने वाले भक्त गोपाल मिश्रा, अनिरुद्ध कुमार त्रिपाठी, संदीप मिश्रा, सनोज मिश्रा आदि हैं।

भागवत कथा सुनतीं महिलाएं। अमृत विचार

शिखेश्वरी देवी

सार-संक्षेप

फर्जी मामले में फंसाकर धन उगाही का आरोप

जालौन। फर्जी मामले में फंसा कर अवैध रूप से धन वसूली किये जाने की शिकायत पीड़ित व्यक्ति ने मुख्यमंत्री पोर्टल में की है। मोहल्ला चुर्खी बाल निवासी शिवम गुप्ता पुत्र सतीश चंद्र ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायती पत्र भेजते हुए न्याय की गुहार लगाते हुये लिखा कि वह एक दुकानदार हैं। बताया कि उसे एक महिला द्वारा बारबार परेशान कर झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर धन उगाही की जा रही है।

वृद्ध की संदिग्ध अवस्था में मौत

कालपी (जालौन)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मैनूपुर में संदिग्ध अवस्था में 70 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। उपनिरीक्षक महेश सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया तथा शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को ग्राम मैनूपुर निवासी 70 वर्षीय कालीचरन पुत्र शालिगराम की मृत्यु हो गई। कालपी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नाबालिग को भगाने का आरोप

माधौगढ़ जालौन। रामपुरा थाना क्षेत्र के निवासी की नाबालिग पुत्री को उसी के मोहल्ले के कुछ युवक भगा कर ले गये। पीड़ित पिता ने नाबालिग के साथ किसी अनहोनी तथा हत्या की आसंका जताकर पुलिस अधीक्षक ईरज रजा को शिकायती पत्र सौंपा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

मौसम की मार | चिकित्सक बोले, सादे पानी का करें उपयोग, ठंडी चीजों से करें परहेज

बढ़ रहा गर्मी का प्रकोप, पैर पसार रहा डायरिया

कालपी, उरई (जालौन)

अमृत विचार। गर्मी का प्रकोप दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। इससे लोग ठंडी चीजों का उपयोग कर गर्मी से राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह डायरिया की चपेट में आ रहे हैं। इसके चलते जिले के सभी अस्पतालों में इन दिनों डायरिया मरीजों की संख्या में काफी इजाफा हो रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि गर्मी के मौसम में साधा पानी पीना चाहिए तथा ठंडी चीजों से परहेज करना चाहिए। भीषण गर्मी के मौसम की वजह से डायरिया के मरीजों की संख्या में भारी संख्या वृद्धि हो रही है। निजी तथा सरकारी अस्पताल में रोगियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। डाक्टरों की मानें तो हर घंटे डायरिया के मरीज अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं। रोगों से बचाव करने के लिए डॉक्टरों ने नागरिकों को गर्मियों में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की सलाह दी है। इसबार मई के महीने में ही पारा काफी बढ़ गया है। इस वजह से डायरिया के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ दिनेश गुप्ता के अलावा चिकित्साधिकारी डॉक्टर विशाल सचान, डॉ रुबी सिंह, डॉक्टर शेख शहरयार, डॉ. गोपाल द्विवेदी अपनी अपनी ड्यूटी के दौरान मरीजों का इलाज करने में जुटे हैं। डाक्टर शेख़ शहयार बताते हैं कि दिन की अपेक्षा रात में आपातकालीन ड्यूटी के दौरान डायरियां के मरीज अधिक अस्पताल में आते हैं।

आपातकालीन ड्यूटी में डायरिया रोगी का इलाज करते चिकित्सक। अमृत विचार

खान-पान पर दें विशेष ध्यान

चिकित्सकों ने नागरिकों को सचेत करते हुए कहा कि अपने आसपास पानी का जमाव न होने दें, जहां पानी का जमाव होता है वहां मच्छर पनपते हैं। सादा पानी का प्रयोग करें तथा ठंडी चीजें खाने से बचें, मसालेदार व भारी भोजन न करें। चिकित्साधिकारी डॉ.गोपाल द्विवेदी ने बताया कि हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान दें। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। बाहरी चीजों को खाने से बचें, सलाद का भरपूर उपयोग करें। स्वास्थ्य खराब होने पर डॉक्टरों की सलाह पर ही दवाइयों को उपयोग करें। चिकित्साधीक्षक डॉ. दिनेश गुप्ता ने बताया कि रोगियों के इलाज के लिए अस्पताल में पर्याप्त दवाइयां उपलब्ध हैं तथा वार्डों की भी व्यवस्था है। ओपीडी के अलावा 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं चल रही हैं।

आर्थिक तंगी से परेशान किसान ने लगाई फांसी

संवाददाता कालपी (जालौन)

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के नजदीकी गांव में एक अधेड़ किसान ने जानवरों के बाढ़े में खडे. नीम के पेड़ में फांसी लगाकर जान दे दी।

महेवा विकास खंड के ग्राम मैनूपुर निवासी कालीदीन (55) वर्ष पुत्र सालिगराम ने आर्थिक तंगी से आत्महत्या कर ली, बीती रात्रि सभी घर के लोग गहरी नींद में सो रहे थे, सबको सोता छोड़ कालीदीन रात्रि में ही चुपके से रहने वाले मकान से कुछ दूरी पर स्थित जानवरों के बड़े में चला गया और जानवरों के बाढ़े में खड़े नीम के पेड़ में फांसी का फंदा डालकर फांसी लगा ली, इससे उसकी मौत हो गई। लोगों ने बताया कि खेतीबाड़ी में ओला वृष्टि से नुकसान होने के कारण कालीदीन मेहनत मजदूरी तथा राजमिस्त्री का काम करके परिवार का भरण पोषण करता था, कालीदीन शराब भी पिता था, जिससे आए दिन पत्नी से झगड़ा होता था, आर्थिक स्थिति कमजोर होने से पत्नी झगड़ा करता था। 22 मई की रात को उसने शराब पी थी और रात में ही अपने आवास के बगल में बने जानवर बांधने वाले बाढ़े में खड़े नीम के पेड़ पर फांसी का फन्द डालकर आत्म हत्या कर ली। घरवालों को सुबह जब वह नहीं दिखा तो आस पास ढूंढना शुरू किया। इसी दौरान सुबह साढ़े सात बजे पशु बाड़े में कालीचरण का शव फांसी के फंदे में लटकते हुए देखा गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं 15565336H दिनेश कुमार मिश्रा पिता स्व0 अवधराज मिश्रा निवासी ग्राम डेहरा पोस्ट विशेश्वरगंज जनपद अमेठी यूपी है मेरी पत्नी जिनका नाम ओजस्विनी मिश्रा है। अब उन्हें भविष्य में सभी रिकार्डो में ओजस्वी मिश्रा के नाम से जाना व हुआ पहचाना जाय।

सूचना

सूचित हो कि मेरा नाम बब्लू व अनिल कुमार है तथा मुझे उक्त दोनों ही नामों से जाना व पुकारा जाता है। उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति यानी मेरे ही हैं। **बब्लू उर्फ अनिल कुमार पुत्र रघुनाथ प्रसाद निवासी– ग्राम भवानीगढ़ पो0 कैथोली, जिला मैनपुरी।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम वर्तमान में रोहित चौरसिया पुत्र श्री दिलीप चौरसिया है। पूर्व में मेरा नाम चंदन चौरसिया था जो कि L.I.C. में मेरा नाम चंदन चौरसिया अंकित है। बाउन्ड नं. 219033675, 236375674, 226241520, 213773604, मेरा आधार, पैन रोहित चौरसिया के नाम से है। अतः L.I.C. पालिसी में भी चंदन चौरसिया की जगह रोहित चौरसिया के नाम जाना जाये। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है, इसकी जिम्मेदारी मेरी होगी। **निवासी– 283/701/398 आरती नगर, मानक नगर, लखनऊ– 226011**

सूचना

कुसंगति के कारण मैं अपने पुत्र सारुक अली वह अपनी बहू काजल को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, वह अपने किए का स्वयं जिम्मेदार होंगे। **जाबिर अली पुत्र कादर बक्श ग्राम छेड़ीपुर थाना मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी।**

सूचना

सूचित हो कि मैं सुनील कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व0 महेश राय श्रीवास्तव अपने बेटे रोहित श्रीवास्तव की पत्नी प्रिया श्रीवास्तव से काफी परेशान रहता हूं। उनके चाल चलन से परिवार के लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इनका चाल चलन ठीक न होने के कारण में मैं अपने बेटे रोहित व उनकी पत्नी प्रिया को अपनी चल और अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। इनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के वें स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा या मेरे परिवार के लोगों से उनका कोई लेना देना नही है। **सुनील कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व0 महेश राय श्रीवास्तव निवासी– मो0 जोशियापुरा थाना– कोतवाली नगर बहराइच।**

कन्नौज समेत 30 डीपीआरओ को विभागीय कार्रवाई की दी चेतावनी

पंचायती राज निदेशक ने वर्ष 2022-23 के अंत्येष्टि स्थलों का निर्माण पूरा न होने पर जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- लापरवाह कर्मचारियों के कारण बताओ नोटिस की आख्या अब तक उपलब्ध नहीं कराई

अमृत विचार। वर्ष 2022-23 के कई अंत्येष्टि स्थलों का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। इसको लेकर पंचायती राज निदेशक ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कन्नौज समेत सूबे के 30 डीपीआरओ को चेतावनी पत्र दिया है। इसमें कहा गया है कि मई में निर्माण कार्य पूरा न किया गया तो विभागीय कार्रवाई होगी।

पंचायती राज निदेशक अटल कुमार राय ने भेजे पत्र में कहा है कि चार अप्रैल को निदेशालय से जिलों को पत्र भेजा गया था। उसके बाद 29 अप्रैल को मंडलीय उपनिदेशक पंचायत ने भी समीक्षा बैठक में अंत्येष्टि स्थलों का निर्माण कार्य पूरा करने का अंतिम मौका दिया था। इसके बाद भी दो साल पहले के कार्यों को पूरा नहीं किया गया है। निदेशक ने कहा है कि मई तक कार्य पूरा न होने पर एक जून से संबंधित सचिव व एडीओ पंचायत का वेतन रोक दिया जाए। इसकी सूचना निदेशालय को दी जाए। साथ ही वेतन तब तक आहरित नहीं किया जाएगा जब तक उस ग्राम पंचायत में अंत्येष्टि स्थल निर्माण पूरा न करा लिया जाए।

चार अप्रैल को जारी पत्र में कहा गया था कि निदेशालय की ओर से भेजे पत्र में कहा गया है कि वर्ष 2022-23 के अवशेष अंत्येष्टि स्थलों का निर्माण कार्य शत-प्रतिशत पूरा न कराने पर संबंधित एडीओ पंचायत, ग्राम पंचायत सचिव व प्रधान के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। साथ ही जवाब लेकर डीपीआरओ भी स्पष्टीकरण 15 दिनों में निदेशालय को उपलब्ध कराएं। अब तक कारण बताओ नोटिस की आख्या उपलब्ध नहीं कराई गई है।

इन जनपदों को जारी हुई चिट्ठी

सूबे के जनपद गोरखपुर, अलीगढ़, आजमगढ़, बस्ती, देवरिया, हरदोई, मेरठ, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, प्रयागराज, अंबेडकरनगर, बरेली, बहराइच, बदायूं, बुलंदशहर, चंदौली, चित्रकूट, एटा, अयोध्या, गोंडा, जौनपुर, कन्नौज, कुशीनगर, महाराजगंज, मथुरा, मिर्जापुर, पीलीभीत, संतकबीर नगर, शाहजहांपुर व श्रावस्ती को नोटिस जारी हुए हैं।

प्रधान व सचिव से मांगा स्पष्टीकरण

- डीपीआरओ कार्यालय की ओर से ग्राम पंचायत अधिकारी अवनीश चंद्र व प्रधान को पत्र भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में अपूर्ण अंत्येष्टि स्थलों को मई तक पूरा किया जाए। पंचायती राज निदेशक के पत्र का भी हवाला दिया है। डीपीआरओ की ओर से कहा गया है कि पूर्व में समीक्षा बैठकों एवं फोन पर कहा गया कि अंत्येष्टि स्थल का निर्माण कार्य पूरा कराकर आख्या भेजी जाए। अब तक कार्य पूरा न होना अत्यंत खेदजनक है। पत्र में कहा गया है कि निर्माण कार्य एक सप्ताह में पूरा कराते हुए प्रगति रिपोर्ट विभागीय एमपीआर पोर्टल पर अपडेट की जाए। उन्होंने प्रधान व सचिव से स्पष्टीकरण मांगा है। स्पष्टीकरण संतोषजनक न मिलने पर व एक सप्ताह में निर्माण कार्य पूरा न कराने पर सचिव पर विभागीय कार्रवाई होगी। वेतन आहरण पर भी रोक लगा दी जाएगी। प्रधान पर पंचायत राज अधिनियम की धारा 95 (10) (छह) के तहत कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर डीपीआरओ कार्यालय की ओर से एडीओ पंचायत संजय पाठक से भी कहा गया है कि ग्राम पंचायत मेहंदीपुर में अंत्येष्टि स्थल अब तक पूरा नहीं हुआ है। इसके लिए दोषी कर्मी पर कार्रवाई की जाए। साथ ही रिपोर्ट प्रस्तुत हो।

स्ट्रांग रूम सुरक्षा में लगे दरोगा की बिगड़ी हालत, भर्ती कराया

कन्नौज। मंडी समिति में बने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में लगे सकरावा के दरोगा की गर्मी के चलते हालत बिगड़ गई। उनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मंडी समिति में बनाये गये स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में भारी पुलिस बल लगाया गया है। दिन व रात के अनुसार ड्यूटी लगाई गई है। इसी में सकरावा थाने के दरोगा रुप राम यादव (50)को लगाया गया था। गुरुवार की दोपहर तेज धूप व गर्मी के चलते उनकी हालत खराब हो गई। वह चक्कर खा कर गिर पड़े। इससे चोट भी लगी। साथी जवानों न दरोगा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मामले की जानकारी पुलिस अधिकारियों को दी गई। सदर कोतवाली प्रभारी दिग्विजय सिंह ने मंडी समिति चौकी प्रभारी को तत्काल जिला अस्पताल भेजा।

डंपर की टक्कर से युवक की जान गई

संवाददाता, तिर्वा, कन्नौज

एक्सप्रेस-वे के डिवाइडर से टकराई बाइक, दो घायल

तालग्राम, कन्नौज। बिहार के सीतामढ़ी थाना बथहा के ग्राम कुदरकोट निवासी रंजीत कुमार एक सप्ताह पहले बिहार से बाइक लेकर दिल्ली में नौकरी करने गया था। मन की नौकरी न मिलने पर वह दिल्ली से बाइक लेकर बिहार लौट रहा था। बाइक पर उसके साथ गांव का सुधीर भी सवार था। गुरुवार सुबह वह एक्सप्रेस-वे के किमी 172 जलखरिया गांव के निकट पहुंचा तभी रंजीत को नींद की झपकी आ गई। इससे बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इससे रंजीत व सुधीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे सहायक सुरक्षा अधिकारी आरपी कनौजिया ने घायलों को यूपीडा एम्बुलेंस से तिर्वा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां दोनों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। पुलिस ने घायलों के परिजनों को सूचना दे दी है।

- ठठिया चौराहे हुए हादसे में पत्नी व सलहज गंभीर रूप से घायल

अमृत विचार। डंपर की टक्कर से सड़क किनारे खड़े बाइक सवार युवक समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। दो घायल महिलाओं की हालत गंभीर देखकर कानपुर रेफर कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के धम्मापुर्वा गांव निवासी आलोक कुमार बुधवार को बाइक से पत्नी नीलम व तालग्राम थाना क्षेत्र के कलकत्तापुर्वा गांव निवासी सलहज रिंकी के साथ किसी काम से मकनपुर गया था। देर शाम को सलहज को घर छोड़ने जा रहा था। तिर्वा-गुरसहायगंज मार्ग पर जाने के लिए कस्बा के ठठिया चौराहा पहुंचने पर बाइक खड़ी कर तीनों लोग आपस मे बात करने लगे। तभी बेला की ओर से तेज गति से डंपर लेकर आ रहे चालक ने तीनों के जोरदार टक्कर मार दी और फरार हो गया।

हादसे में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने आलोक को मृत घोषित कर दिया।

घायल महिलाओ को कानपुर रेफर कर दिया गया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गुरुवार को पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और वहीं मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात डंपर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

चचेरे भाइयों की मौत पर डंपर चालक के खिलाफ रिपोर्ट

कन्नौज। सदर कोतवाली के गांव गुमटिया निवासी गंगा राम ने सदर कोतवाली में डंपर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप लगाया है कि 22 मई की दोपहर करीब 12 बजे पुत्र खेमपाल उर्फ कल्लू अपनी मोटरसाइकिल पर चचेरे भाई बेचेलाल पुत्र छोटे लाल को बैठा कर अपने गांव से हरदोई जनपद के गांव जरारे थाना मल्लावां बाजार जा रहा था। बाइक सदर गांव बख्सीपुर्वा के निकट पहुंची उसी समय सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर के चालक ने टक्कर मारदी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से मेडिकल कालेज और फिर कानपुर हैलट के लिये रेफर किया गया। कानपुर ले जाते समय बिल्हौर के निकट दोनों की मौत हो गई।

जिला कारागार में साक्षरता परीक्षा देते बंदी। अमृत विचार

जीवन में उन्नति, सम्मान दिलाती है साक्षरता

जलालाबाद, कन्नौज। जिला कारागार अधीक्षक पीके त्रिपाठी ने कहा कि समाज में निरक्षर व्यक्ति को अलग दृष्टि से देखा जाता है जबकि साक्षर के जीवन में उन्नति और सम्मान रहता है। साक्षरता किसी डिग्री या उद्देश्य की पूर्ति के लिए नहीं बल्कि अपने जीवन में व्यवस्थाओं को सरल तरीके से संचालित करने का एक माध्यम है। भले ही आप शिक्षित न हो पाएं, लेकिन साक्षर जरूर बनें।

गुरुवार को अनौगी स्थित जिला कारागार अनौगी में बेसिक शिक्षा अधिकारी उपासना रानी वर्मा के निर्देशन पर साक्षरता परीक्षा कराई गई। इसमें लगभग 30 बंदियों ने हिस्सा लिया।

बीएसए ने प्रश्न-पत्र व कक्ष-निरीक्षक की ड्यूटी जिला कारागार में लगाई थी। जेल अधीक्षक ने बताया कि कारागार में निरुद्ध निरक्षर बंदियों को साक्षर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। परीक्षा का उद्देश्य बंदियों में पढ़ने-लिखने की क्षमता को विकसित कर उन्हें सामाजिक व्यवस्थाओं में शामिल करना है।

फंदे से लटका मिला लापता युवक का शव

संवाददाता, तिर्वा, कन्नौज

- बुधवार की शाम जानवरों का चारा-पानी कर निकल गया था घर से

अमृत विचार। घर से लापता हुए युवक का शव गांव के बाहर पेड़ पर फंदे से लटका मिला। सुबह शौच के लिए खेतों की तरफ जा रहे ग्रामीणों की नजर पड़ी तो उन्होंने परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रदीप यादव।

ठठिया थाना क्षेत्र के मक्कापुर्वा गांव निवासी प्रदीप यादव पुत्र रामगोपाल खेतीबाड़ी करके अपना व परिवार का जीवनयापन करता था। दो महीने पहले फिरोजाबाद निवासी प्रीति से उसकी शादी हुई थी। बुधवार की शाम को वह जानवरों को चराकर बांधने के बाद घर पर चारा लेने की बात कहकर चला गया। जब काफी देर रात तक वापस नहीं आया तो परिजनो ने उसकी खोजबीन की लेकिन उसका पता नहीं चला। गुरुवार की सुबह गांव से करीब एक किलोमीटर दूर जामुन के पेड़ पर अंगौछा से बने फंदे से शव लटकता देख राहगीरों में हड़कंप मच गया। घटना की खबर मिलते परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पत्नी प्रीति ने बताया कि पति बुधवार की शाम को जानवरों का चारापानी कर चले गए थे। घटना के कारण का पता नहीं चल सका है। थानाध्यक्ष किशनपाल सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है।

करंट लगने से महिला की मौत

संवाददाता, छिबरामऊ, कन्नौज

अमृत विचार। वाशिंग मशीन का तार बोर्ड में लगाते समय महिला करंट की चपेट में आ गई। परिजन महिला को सौ शैय्या अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

रीता।

विशुनगढ़ थाना के ग्राम लोकपुर शंकरपुर निवासी विवेक यादव छिबरामऊ के पश्चिमी बाईपास पर मोहल्ला राम नगर में अपना मकान बनाकर परिवार के साथ रहते है। निगम मंडी में उनकी विवेक ट्रेडिंग कंपनी के नाम से आढ़त है। गुरुवार की सुबह विवेक की पत्नी रीता (40) वाशिंग मशीन का तार बोर्ड में लगा रही थी। उसी समय एक तार निकल कर उनके हाथ से छू गया, और करंट उनके शरीर में दौड़ने लगा। तभी बेटी खुशी आई और मां को स्विचबोर्ड से चिपका देख शोर मचाना शुरू कर दिया। विवेक ने स्विच बंद किया और हालत गंभीर होने से रीता को सौ शैय्या अस्पताल ले कर पहुंचे। यहां डॉक्टर ने उन्हें देखते ही मृत घोषित कर दिया। मामला संदिग्ध होने पर डॉक्टर ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया और सूचना कोतवाली पुलिस को दी। मौत की सूचना पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका अपने पीछे एक बेटी खुशी, दो पुत्र हर्षित व प्रतीक को रोता बिलखता छोड़ गई।

सार-संक्षेप

नगर की नई कार्यकारिणी के साथ मौजूद पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

शैलेंद्र गुप्ता अध्यक्ष, अनिल यादव बने महामंत्री

छिबरामऊ, कन्नौज। विशुनगढ़ रोड स्थित एक मैरिज लान में हुई उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (श्याम बिहारी गुट) की बैठक में नगर कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। इसमें शैलेंद्र गुप्ता तथा अनिल यादव को क्रमशः नगर अध्यक्ष व महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। संगठन के जिलाध्यक्ष रामजी अग्रवाल, वरिष्ठ जिला महामंत्री सुशील कुमार दुबे, जिला महामंत्री रजत गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष यतीश स्वरूप सक्सेना, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष विवेक गुप्ता एवं आनंद गुप्ता सेठ जी ने छिबरामऊ में शैलेंद्र कुमार गुप्ता लालू को अध्यक्ष, अनिल कुमार यादव को महामंत्री, सत्यनारायण वर्मा को कोषाध्यक्ष सुशांत गुप्ता को युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, नेहा गुप्ता को महिला प्रकोष्ठ का अध्यक्ष एवं पुनीत मिश्रा को होटल एंड रेस्टोरेंट प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया और सभी को शीघ्र कार्यकारिणी गठित करने का निर्देश दिया। इस दोबारा निर्विरोध नगर अध्यक्ष बने शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी कर्तव्यनिष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। इस दौरान किराना एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, चंद्रभान गुप्ता मुन्ना, राकेश चंद्र गुप्ता, नरेश गुप्ता गोल्डी, ज्ञानेश चंद्र गुप्ता, राकेश चंद्र गुप्ता, धनेश चंद्र गुप्ता, सुशील कुमार गुप्ता, प्रियांशु गुप्ता, प्रभाकर गुप्ता, अंजू गुप्ता, उषा उपाध्याय व दीपांक दुबे आदि व्यापारी मौजूद रहे।

बेटा पांच दिन से लापता, मां ने पुलिस से लगाई गुहार

राजा बाबू।

छिबरामऊ, कन्नौज। ग्राम ककरैइया निवासी एक 24 वर्षीय युवा रविवार की सुबह से कहीं लापता हो गया। मां ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर गुमशुदगी दर्ज करने की मांग की है। ककरैइया नट कॉलोनी निवासी निर्मला देवी पत्नी महेश चंद नट ने कोतवाली में दिए प्रार्थना पत्र में बताया है कि रविवार को उनका 24 वर्षीय पुत्र राजा बाबू शौच के लिए घर से निकाला था। तबसे घर नहीं लौटा गुरुवार को कोतवाली पुलिस से गुमशुदगी दर्ज कर पुत्र को तलाश किए जाने की मांग की है।

राशन की तीन दुकानों पर मिली घटतौली

तालग्राम, कन्नौज। कोटेदार द्वारा राशन वितरण में की जा रही घटतौली को लेकर कार्ड धारकों ने सीएम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद डीएम के निर्देश पर जिला बांट माप अधिकारी ने स्थलीय निरीक्षण कर मामले की जांच की। राशन कार्ड धारकों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर राशन वितरण में हो रही घटतौली को लेकर शिकायत की थी। जिस पर जिला बांट माप अधिकारी अशोक कुमार शर्मा ने जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ला के निर्देश पर ग्राम बिरौली नगला, गागिन, बिरियाहार में राशन की दुकानों पर पहुंच की जांच की। इसमें गांव बिरौली में 300 से 400 ग्राम खाद्यान्न वितरण में घटतौली पाई गई जबकि नगला गागिन में राशन की दुकान पर 400 से 500 ग्राम प्रति राशनकार्ड में खाद्यान्न कम मिला। इस तरह से राशन की दुकानों में घटतौली पाई गई। अधिकारी ने बताया कि जांच रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी। उनके निर्देशन पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

चोरों ने टॉवर पर चढ़कर नेटवर्क कार्ड किए चोरी

छिबरामऊ, कन्नौज। ग्राम हाथिन में लगे एक मोबाइल टॉवर पर बुधवार की देर रात चढ़े चोरों ने नेटवर्क कार्ड चोरी कर लिए। टॉवर टेक्नीशियन ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से की है। नगर के फर्रुखाबाद चौराहा स्थित गीतापुरम कॉलोनी निवासी गौरव यादव ने बताया कि ग्राम हाथिन में लगे मोबाइल संपनी के टॉवर का वह टेक्नीशियन है। बुधवार की देर रात 3 :10 बजे चोरों ने टॉवर पर चढ़कर कार्ड चोरी कर लिए, जिससे नेटवर्क में समस्याएं उत्पन्न हो गई। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की है।

ओपीडी में महिला गश खाकर गिरी, सिर फटा

तिर्वा, कन्नौज। थाना ठठिया के रूरा गांव निवासी खुशनसीब अपने पति के साथ शरीर पर हो रहे सफेद दाग की दवा लेने गई मेडिकल कॉलेज गई थी। वह पंजीकरण काउंटर पर लगी लाइन में खड़ी थी। लाइन लंबी तथा भीषण गर्मी के कारण वह गश खाकर गिर पड़ी जिससे उसका सिर फट गया। उसके गिरते ही ओपीडी में मरीजों में अफरातफरी मच गई। गिरने के कारण उसका सिर फट गया। मौजूद कर्मचारियों ने आनन-फानन में उसे इमरजेंसी में भर्ती कराया।

दुष्कर्म के प्रयास व मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

तालग्राम। गांव निवासी महिला ने कोर्ट के आदेश पर दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका पति दिल्ली में नौकरी करता है। जबकि वह सास के साथ घर पर रहती है। 28 मार्च को वह खेत की जुताई के लिए ट्रैक्टर की चाबी लेने पड़ोसी गांव निवासी युवक के घर गई थी। जहां मौजूद मनोज ने उसके साथ अभद्रता की। जब उसने संजीव उर्फ संजू के पिता से मनोज की शिकायत की। तो 29 मार्च की सुबह वह मनोज, अशोक व संजीव उर्फ संजू उसके घर में घुस आए और बुरी नियत से उसे पकड़ लिया। इसके बाद अशोक और मनोज ने उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। चीखने चिल्लाने पर जान से मारने की नियत से उसका गला दबा दिया। गांव के लोगों को आता देख आरोपित जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर तीन लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रोड होल्डअप में बदमाश को पांच साल की कैद

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) ने सुनाई सजा, लगाया पांच हजार रुपये अर्थदंड
- दो बदमाशों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी, कोर्ट ने दिए गिरफ्तारी के आदेश

इन वारदातों को दिया था अंजाम

केस 01 17 जून 2004 को शाम आठ बजे बल्लू उर्फ बलुआ, विजय यादव, शिवराम उर्फ गल्लू गुरसहायगंज से रोडवेज बस में सवार हुए और जीटी रोड पर इस्माइलपुर गांव के आगे कंडक्टर नीरज कुमार व बस चालक को तमंचा अड़ा दिया और परिचालक से रुपयों भरा थैला लूटकर भाग गए थे। बाद में पनगवां के जंगल से थैला और रुपये बरामद हुए थे। पुलिस ने इस घटना में तीनों लुटेरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

केस 02 मार्च 2004 में तालग्राम थाना क्षेत्र के एक गांव में शिवराम उर्फ गल्लू, बल्लू उर्फ बलुआ व विजय यादव रात में ट्यूबवेल पर लगा इंजन खोल रहे थे। पास में ही खेत की रखवाली कर रहे हरनाथ सिंह ने टोका तो बलुआ ने तमंचे से फायर कर दिया, जिस पर हरनाथ के बायें हाथ में गोली लगी और वह वहीं गिर गए। हरनाथ के भाई लाल सिंह ने तीनों बदमाशों के खिलाफ थाना तालग्राम में लूट व हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराया था।

पुत्र सदानंद यादव तथा शिवराम उर्फ गल्लू पुत्र रामकिशन यादव के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया था, जिसकी विवेचना करते हुए तत्कालीन तालग्राम थानाध्यक्ष कालूराम भारती ने 13 सितंबर 2005 को आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। अभियोजन पक्ष की तरफ से पांच गवाह पेश किए गए। गुरुवार को एक आरोपी शिवराम उर्फ गल्लू कोर्ट में हाजिर हुआ जबकि बलुआ और विजय अनुपस्थित रहे। इस पर विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) नंदकुमार ने शिवराम उर्फ गल्लू को दोष सिद्ध करते हुए उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम में पांच साल कठोर कारावास व पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

वहीं, अभियुक्त विजय व बलुआ के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी करते हुए गुरसहायगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश शर्मा को तत्काल गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। जुर्माने की रकम अदा न करने पर उसे दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

सरकारी बंजर भूमि को राजस्व टीम ने अपने कब्जे में लिया

संवाददाता, तिर्वा, कन्नौज

अमृत विचार। एसडीएम ने खतौनी पर दर्ज कास्तकारों के नाम निरस्त कर भूमि को बंजर मे दर्ज करने के आदेश दिए। इसके बाद उनके आदेश पर राजस्व टीम ने मौके पर पहुंच जमीन की पैमाईश कराकर उसे कब्जे में ले लिया।

तहसील क्षेत्र के अहेर ग्राम सभा मे करीब 15 बीघा सरकारी जमीन पर दो किसानो का नाम दर्ज होने की बात सामने आते ही लेखपाल ने खतौनी में नाम निरस्त करने के लिए एसडीएम न्यायालय मे वाद दायर किया। कई महीने चले मुकदमे के बाद कास्तकार न्यायालय में खतौनी पर दर्ज होने का साक्ष्य न दे सके। पुराने अभिलेखो मे ग्राम सभा बंजर की भूमि दर्ज होने कारण एसडीएम ने दर्ज खातेदारो के नाम निरस्त करके उस जमीन को पुनः ग्राम सभा बंजर में दर्ज कर दिया। एसडीएम के निर्देश पर गुरुवार को मौके पर पहुंचे कानूनगो ओमप्रकाश दुबे, लेखपाल ह्रदेश पांडे ने कर्मचारियो के साथ जमीन की पैमाइश कराकर उस पर कब्जा ले लिया। एसडीएम अशोक कुमार ने बताया कि खतौनी मे किसी प्रकार से दो कास्तकारो के नाम दर्ज हो गए थे। उसे निरस्त करने के लिए उनकी न्यायालय मे मुकदमा चल रहा था।

साक्ष्य न दे पाने पर दर्ज नामों को निरस्त करके जमीन को पुनः बंजर में दर्ज कर राजस्व टीम को सरकारी जमीन पर कब्जा लेने के निर्देश दिए थे।

किशोरी से छेड़खानी में तीन साल का कठोर कारावास

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- विशेष न्यायाधीश ने सुनाई सजा लगाया छह हजार रुपये अर्थदंड

अमृत विचार। खेत पर बकरी चरा रही नाबालिग छात्रा से छेड़खानी में कोर्ट ने युवक को तीन साल कठोर कारावास सुनाया है। उस पर छह हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। कोर्ट ने जुर्माने की पूरी रकम प्रतिकर के रूप में पीड़िता को देने के आदेश दिए हैं। सजा सुनाए जाने के बाद दोषी को जिला कारागार भेज दिया गया।

शासकीय अधिवक्ता नवीन कुमार दुबे ने बताया कि ठठिया थाना क्षेत्र के गांव में कक्षा 11 की छात्रा खेत पर बकरियां चरा रही थी। 13 अक्टूबर 2017 को शाम चार बजे गांव के बाहर भट्ठे के पास बबूल के जंगल में ग्राम सिंघापुरवा निवासी शेखर पुत्र राजेश ने उसे दबोच लिया और अश्लील हरकतें कीं। छात्रा के विरोध पर शेखर ने चाकू दिखाया। छात्रा ने घर जाकर पिता को इसकी जानकारी दी। पिता की तहरीर पर ठठिया थाने में रिपोर्ट लिखी गई। पुलिस ने 27 फरवरी 2018 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। विशेष लोक अभियोजक किशोर कुमार दोहरे ने बताया कि गुरुवार को विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) अलका यादव ने शेखर को दोष सिद्ध करते हुए छेड़छाड़ में दो वर्ष की कैद व दो हजार रुपये जुर्माना, अभद्रता करने पर एक वर्ष की कैद व एक हजार रुपये जुर्माना तथा यौन अपराधों से बालकों को संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) में तीन साल कठोर कारावास व तीन हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। जुर्माने की रकम अदा न करने पर उसे डेढ़ माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

कवायद जिले के 2291 टैबलेट के लिए शासन से मिली अनुमति, बीएसए ने नेटवर्क की जानकारी के लिए बीईओ को भेजा पत्र

टैबलेट के लिए कंपोजिट ग्रांट से खरीदे जाएंगे सिम

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जनपद में नवंबर 2023 में 2291 टैबलेट का वितरण शिक्षकों को हो चुका है। अब इनको शुरू कराने की कवायद चल पड़ी है। शासन ने कंपोजिट ग्रांट से सिम व नेट का पैकेज खरीदने की हरी झंडी दे दी है। इसके बाद बीएसए ने सभी बीईओ को पत्र भेजकर उनके क्षेत्रों में काम करने वाले नेटवर्क के बारे में जानकारी मांगी है।

बीएसए उपासना रानी वर्मा ने सभी बीईओ व नगर शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी कर कहा है कि वर्ष 2024-25 में परिषदीय स्कूलों में सिम खरीदने के लिए कंपोजिट ग्रांट से अनुमति दी गई है। उन्होंने महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा के पत्र का हवाला दिया है जिसमें कहा है कि कंपोजिट स्कूल ग्रांट की अवमुक्त धनराशि के तहत

टैबलेट देखते डीसी विश्वनाथ शर्मा व शैलेंद्र प्रताप सिंह। फाइल फोटो

प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों को टैबलेट्स दिए गए हैं। इसके लिए सिम कार्ड व इंटरनेट की सुविधा दो महीने के लिए व्यय कंपोजिट ग्रांट से तत्काल किया जाए। एक टैबलेट के लिए अधिकतम 2400 व दो टैबलेट के लिए 4800 रुपये व्यय करने की अनुमति दी गई है। सिम खरीदने के लिए स्थानीय स्तर पर मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी की उपलब्धता को ध्यान रखा जाएगा। निर्धारित प्रारूप पर नेटवर्क कनेक्टिविटी की सूचना भी तीन दिनों में मांगी गई है। इसमें ब्लॉक, यू-डायस कोड, स्कूल का नाम, प्राप्त टेबलेट, प्रधानाध्यापक का नाम, मोबाइल नंबर, नेटवर्क एक, दो व तीन का जिक्र करना होगा। बताया गया है कि इन टैबलेट से ही हाजिरी, शिक्षण और रजिस्टर पूरे करने वाले कार्य किए जाएंगे। कहीं-कहीं स्कूलों में प्रधानाध्यापक या प्रभारी प्रधानाध्यापक को टैबलेट दिए गए हैं तो कई स्कूलों में दो-दो टैबलेट मुहैया कराए गए हैं।

किसके नाम से खरीदा जाएगा सिम... संशय

- शिक्षकों को इंटरनेट वाला सिम देने का आदेश तो हो गया है, लेकिन यह किसके नाम से खरीदा जाएगा। इसमें पहचान पत्र किसका लगेगा इसको लेकर कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। दूसरी ओर चर्चा है कि सिम विभागीय मुखिया के नाम से लिया जाएगा। इस बाबत बीएसए उपासना रानी वर्मा ने बताया कि अभी इसके बारे में कोई आदेश नहीं आया है कि सिम किसके नाम से होगा।

एक नजर

चोरी के आरोप में गिरफ्तार

फतेहपुर। राधानगर पुलिस ने फुलवामऊ गांव निवासी अभिमन्यु सिंह पुत्र कपूर सिंह के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया था। जिसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। गुरूवार को पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी करते हुए कोर्ट में पेश किया है।

चोरी के जेवरात के साथ पकड़ा

फतेहपुर। चांदपुर कस्बा निवासी महेश निषाद की पत्नी अंजना देवी ने एक दिन पूर्व बुधवार को पुलिस को तहरीर दी थी कि कस्बे का ही रहने वाला दीपक पाल पुत्र चन्दीलाल पाल घर में घुसकर पैर की तोड़िया उतार ली और शोर मचाने पर मौके से भाग गया और गांव के प्रांशु देवी पत्नी राजेश निषाद के घर मे घुस कर स्नान गृह मे रखी तोड़िया उठा ले गया। मामले में पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की तो आरोपी दीपक पाल अंजना की दो तोड़िया व प्रांशु देवी की सास रजोलिया की दो तोड़िया बरामद कर पीड़िताओं के सुपुर्द कर दीं। वहीं आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कर कोर्ट में पेश किया है।

19-19 टेबल पर एक साथ होगी विधानसभा क्षेत्रवार मतगणना

तीन सौ से अधिक कर्मी लगाए जाएंगे, मतगणना के लिए दिया जाएगा प्रशिक्षण

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के लिए शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न होने के बाद प्रशासन अब मतगणना की तैयारी में जुट गया है। इसको लेकर विधानसभावार 19-19 टेबल लगाई जाएंगी। मंडी समिति में जिले की छह विधानसभाओं की गणना एक साथ होगी। इसमें तीन सैकड़ा से अधिक कर्मी लगाए जाएंगे। जिनका प्रशिक्षण देने का कार्य जल्द शुरू कर दिया जाएगा।

सोमवार को जिले में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न हो चुका है और ईवीएम को कड़ी सुरक्षा के बीच मंडी समिति में बनाए गए स्ट्रांग रूम में रखवाया गया है। चार जून को होने वाली मतगणना को लेकर प्रशासन तैयारी में जुटा है। इसको लेकर कवायद शुरू हो गई।

जनपद की छह विधानसभा की काउंटिंग एक साथ की जाएगी। सभी विधानसभाओं के लिए कुल 19-19 टेबल लगाई जाएगी। जिनमें 14 टेबल पर ईवीएम, चार टेबल पोस्टल बैलेट और एक टेबल ईटीपीबीएस प्री काउंटिग के लिए लगाई जाएगी।

मंडी समिति स्थित मतगणना स्थल। अमृत विचार

वीडियोग्राफी की निगरानी में होगी मतगणना

मतगणना के लिए एक टेबल पर एक काउंटिग सुपरवाइजर, एक काउंटिग सहायक, एक अतिरिक्त गणना सहायक और एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी उपस्थित रहेगा। मतगणना अधिकतम 34 और कम से कम 27 राउंड तक होगी। मतगणना सीसी कैमरे और वीडियोग्राफी की निगरानी में होगी। टेबल और प्रत्याशी व एजेंट के बीच जालीदार चादर लगाई जाएगी। प्रत्याशी व गणना एजेंट मतगणना की हर टेबल पर नजर रख सकेंगे। हर राउंड की गणना का परिणाम एजेंटों और प्रत्याशियों को नोट कराए जाएंगे।

चुनाव में गईं बसें, यात्री हो रहे बेहाल

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। छठवें व सातवें चरण के लिए जिले के रोडवेज डिपो से 24 बसों को भेजा गया है। जब से बसें गईं हैं, तब से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। खासकर कानपुर, लखनऊ, दिल्ली, बलिया और मथुरा रूट पर बसों का टोटा होने से यात्री जद्दोजहद कर रहे हैं। भीषण गर्मी में उन्हें गंतव्य तक पहुंचने के लिए काफी इंतजार करना पड़ता है।

मुख्यालय के ज्वालागंज में रोडवेज विभाग का डिपो है। विभाग के पास 90 बसें हैं। इनमें से छठवें व सातवें चरण के चुनाव के लिए 24 बसें ड्यूटी में लगी हैं। यह सभी बसें सुरक्षा कर्मियों के अलावा होमगार्डों और पीआरडी जवानों को लेकर रवाना हुई हैं। इन बसों के जाने के बाद से रोडवेज यातायात में परेशानी खड़ी हो गई है। गुरूवार को रोडवेज बस अडडे में सवारियां बसों का टोटा होने से परेशानी रही। खासकर दोपहर तीन बजे के आसपास कानपुर, दिल्ली, बलिया, मथुरा के लिए बसें नहीं मिली। ठीक ऐसा ही हाल लखनऊ रुट का भी रहा।

बसों की कमी के कारण निजी वाहन का सहारा लेते यात्री। अमृत विचार

पूछताछ केंद्र पर भीड़

थरियांव कस्बे से आए रामकेश व सौरभ यादव के साथ दिल्ली जाने के लिए काफी देर इंतजार करना पड़ा। इसके अलावा कानपुर जाने के लिए पहुंचे यात्रियों ने बताया कि दोपहर का वक्त है। लू के थपेड़े चल रहे है। पंखे गर्म हवाएं फेंक रहे है। ऐसे में बसों का इंतजार भारी पड़ रहा है। चुनाव खत्म हो और बसें वापस लौटे, इससे यात्रियों की परेशानी दूर हो जाए।

चुनाव में बसें व्यस्त होने से दिक्कत आ रही है। विभाग लगातार प्रयास कर रहा है कि यात्रियों को परेशानी न होने पाए। जब बसों की जरूरत पड़ी है तो डिपो से उन्हें भेजा भी जाता है।

–सुरेश चन्द्र यादव, एआरएम सहायक

समाधान दिवस : शिकायतों के नतीजे नहीं

संवाददाता, औंग

अमृत विचार। केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार ने भी अधिक से अधिक जनता की तकलीफों का दूर करने के प्रयास के तहत कई पोर्टल व समाधान दिवस के कार्यक्रम शुरू किए। ताकि जनता को इधर-उधर कहीं भटकना न पड़े और आसानी से न्याय मिल सके। सरकार द्वारा किए गए इन प्रयासों के बावजूद जनता की समस्याएं उसी तरह बरकरार हैं। इस क्षेत्र में ऐसा व्यक्ति मिलना मुश्किल है जो पीड़ित रहा हो और उसकी समस्या का ईमानदारी से समाधान हुआ हो। ऐसा क्यों होता है आइए जानते हैं इसके कुछ सनसनी खेज और भ्रष्टाचार में सने कुछ स्थानीय चरित्र जिनके सम्पर्क में रहने के बाद जनप्रतिनिधि और अधिकारी खेल करते हुए भी खेल से बाहर रहते हैं।

यह ऐसे लोग होते हैं जिनके पास देखने में तो कोई कामधंधा नहीं होता है लेकिन बड़ी बड़ी लग्जरी गाड़ियों के मालिक पुलिस थाना में पहुंच और कम से कम लेखपाल से

अच्छी जान पहचान इसलिए होती है कि यह मिट्टी खनन माफिया, भू-माफिया, ड्रग्स माफिया या सट्टा बाजार में लिप्त होते हैं। इन काले कारनामों की कमाई का हिस्सा जिन लोगों तक पहुंचता है वहीं लोग जनता की समस्याओं के समाधान में अड़ंगा लगाते हैं। कस्बा औंग का एक मामला इसका जीता जागता उदाहरण है। दो माह के अंतराल में हाईवे किनारे अतिक्रमण का सत्यापन हुआ, करीब आधा सैकड़ा से अधिक नोटिसें जारी हुईं। जिसमें जिलाधिकारी, एसडीएम बिन्दकी व सदर, एसपी, सीओ और एसओ औंग को भी प्रतिलिप जारी हुई। चेतावनी अवधि बीत जाने के बाद हाईवे के पीडी तामझाम लेकर अतिक्रमण हटाने आए लेकिन स्थानीय छुटभईया नेताओं के फोन पर सारे अधिकारी हिल गए। अतिक्रमण हटाओ कार्यक्रम टांय टांय फुस्स हो गया। जिन सत्तापक्ष के नेताओं ने यह कृत्य किया वही पिछले दिनों वोट मांगने निकले थे। बता दें कि पांच साल तक कोई भी सत्तापक्ष का प्रतिनिधि कभी सीधे पीड़ित जनता से मुखातिब नहीं हुआ।

अतिक्रमण बना सबसे बड़ी समस्या

सरकारी हो या निजी यदि जमीन पर अतिक्रमण हुआ तो उसे हटाने में कोई भी एड़ी चोटी का जोर लगा ले लेकिन समस्या बढ़ती जाएगी और अतिक्रमण कायम रहेगा। इसका मुख्य किरदार लेखपाल के हाथ में होता है। जिसकी भूमिका सिर्फ समस्या को उलझाने में रहती है और अतिक्रमण भी लेखपाल की दयादृष्टि से ही किया जा सकता है। औंग गोधरौली के कई तालाबों में मकान बने खड़े हैं। चकमार्ग में पक्के निर्माण कर लिए गए हैं।

स्लैब मशीन दरवाजे पर खड़ी करने पर दो पक्षों में चले लाठी-डंडे

खागा। खखरेरु थाने के बसवा गांव में दरवाजे पर स्लैब डालने वाली मशीन खड़ी करने की बात पर दो पड़ोसियों के बीच मारपीट हो गई। एक पक्ष से घायल चार लोग अस्पताल पहुंचे हैं।

खखरेरू थाने के बसवा गांव निवासी ननकू पासवान ने मकान का स्लैब डलवाने के लिए मशीन मंगवाई थी। जहां पर आपरेटर मशीन खड़ी कर रहा था। जिसका परिवार के कल्लू पासवान विरोध करने लगे। दोनों पक्ष से कई लोग बाहर निकल आए।

कुछ देर बाद कल्लू के साथ विनोद, शारदा, उर्मिला देवी आदि लोग डंडा और कुल्हाड़ी लेकर निकल आए। हमले में ननकू, रामप्यारी, इंद्रपाल पासवान और आरती देवी घायल हो गईं। ग्रामीणों ने बीच-बचाव करते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मदद से चारों घायलों को सीएचसी में भर्ती किया गया है।

गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते लोग।

सिजौली गांव के मेले में उमड़ी भीड़। अमृत विचार

गौतम बुद्ध की जयंती पर निकाली धम्म यात्रा

संवाददाता, फतेहपुर

- गोष्ठियों में बुद्ध के बताए गए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया

अमृत विचार। भगवान गौतम बुद्ध की जयंती गुरूवार को धूमधाम से मनाई गई। अनुयायियों ने उनकी प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर नमन किया। अन्य स्थानों पर भी जयंती पर गोष्ठियां एवं धम्म यात्रा निकली। वक्ताओं ने अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का दिन बुद्धत्व प्राप्त करने का महापर्व है। सभी ने गौतम बुद्ध के बताए गए रास्तों पर चलने का संकल्प लिया।

कलेक्ट्रेट स्थित बुद्ध पार्क में बौद्ध शाखा की तरफ से प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। लोगों ने गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर मोमबत्ती जलाकर पुष्प अर्पित किए और उनके बताए गए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

वहीं धम्म यात्रा शहर के विभिन्न चौराहों से होते निकली। अनुयायियों ने जगह-जगह शोभा यात्रा का स्वागत भी किया। गौतम बुद्ध पार्क के सामने शर्बत का स्टाल भी लगाया गया। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार मौर्य, वीरेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

बुद्ध पूर्णिमा पर दो दिवसीय मेले में उमड़ी भीड़

जाफरगंज। क्षेत्र के सिजौली गांव स्थित पासी बाबा मंदिर में बैशाख माह की बुद्ध पूर्णिमा पर लगने वाले दो दिवसीय ऐतिहासिक मेले में गुरुवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मेलार्थियों की भीड़ से आवागमन के सभी रास्तों में जाम लग गया। लोग तेज धूप में घंटो फंसे रहे। देर से पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आवागमन बहाल किया तो लोगों ने राहत की सांस ली। पौराणिक मेले की मान्यता के अनुसार यहां पर शरीर पर कुष्ठ, तिल, मस्सा समेत अन्य चर्म रोग ठीक होते जाते हैं। मान्यता है कि पासी बाबा, खाकी बाबा, जंगली बाबा की समाधि पर मिट्टी का डेला, मिठाई और गांजा चढ़ाकर लोग मन्नत मागते है। ऐसा करने से इंसान हों या जानवर, सभी के चर्म रोग ठीक हो जाते है।

वायरिंग कर रहे मजदूर की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

संवाददाता फतेहपुर

- पश्चिम बंगाल प्रांत का रहने वाला था मजदूर
- नई रेलवे लाइन में बिजली का करता था काम

अमृत विचार। खागा के बड़े भीट बाबा देवस्थान के पास नई रेलवे लाइन पर वायरिंग का काम कर रहे दिहाड़ी मजदूर की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। साथी मजदूरों ने शव की पहचान की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पश्चिम बंगाल प्रांत के पूर्वी वर्द्धमान जिला कारवा थाना क्षेत्र के कृष्ण नगर मुल्ती निवासी सलीमुद्दीन शेख (21) दिहाड़ी मजदूर था। खागा रेलवे स्टेशन के पास बिछाई जा रही नई रेलवे लाइन पर बिजली वायरिंग का काम करता था। दोपहर करीब एक बजे अपने साथियों के साथ काम कर रहा था। मौके से कोई उपकरण लेने जा रहा था। देवस्थान के पास ही अपलाइन पर किसी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। कुछ देर बाद साथियों को हादसे का पता लगा।

रेल यात्रियों का शीतल जल से किया गला तर

फतेहपुर। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी व डॉ सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में चेयरमैन डॉ अनुराग श्रीवास्तव द्वारा रेलवे स्टेशन में चिलचिलाती गर्मी को देखते हुए यात्री गाड़ियों के जनरल डिब्बे में बैठे यात्रियों की प्यास बुझाने के लिए अपने सहयोगियों के साथ शीतल जल वितरित किया गया।

डॉ अनुराग ने कहा कि जल सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है और इस कड़क धूप में एक बार भोजन न मिले चल सकता है पर पानी बहुत जरूरी है।

ससुर की हत्या में दामाद भी गिरफ्तार

संवाददाता, फतेहपुर

- दामाद का छोटा भाई पहले ही पकड़ा जा चुका

अमृत विचार। 18 मई को अज्ञात व्यक्ति के हत्यायुक्त मिले शव के मामले में पुलिस ने मृतक की शिनाख्त करते हुए बुधवार को पुलिस ने खुलासा किया था। मामले में पुलिस ने मृतक के दामाद व उसके छोटे भाई पर रिपोर्ट दर्ज की थी। बुधवार को दामाद के छोटे भाई को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया था। वहीं गुरूवार को पुलिस ने मुख्य आरोपी दामाद को भी गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की है।

कल्यानपुर थाना क्षेत्र के महरहा गांव के रहने वाले सत्येंद्र सोनकर के बाग में जामुन के पेड़ के नीचे 18 मई को 65 वर्षीय बुजुर्ग का शव मिला था। मृतक की शिनाख्त छोटे दामाद राम सागर ने रमेश पटेल निवासी बडौरी थाना कल्यानपुर के रूप में की थी। पुलिस को विवेचना के दौरान जानकारी हुई कि मृतक ने अपनी चार बेटियों में बड़ी बेटी कमलेश देवी की शादी राजेश पटेल निवासी सुजानपुर थाना लालौली के साथ की थी। दो साल पहले बेटी की कैंसर की बीमारी के कारण मौत हो गई थी। इलाज में दामाद ने एक बीघा जमीन बेचकर पत्नी का इलाज कराया था, लेकिन मायके पत्र का आरोप है कि सही इलाज न होने से मौत हुई है। मृतक के पास पांच बीघा जमीन थी, जिसमें से ढाई बीघा जमीन पहले बेच चुका था और ढाई बीघा जमीन अपनी तीन बेटियों मिथलेश, विमलेश व एथलेश को देने जा रहा था। इसी बीच मृतक बेटी के पुत्र मनीष के जन्मदिन पर माह अप्रैल में मृतक गांव सुजानपुर गया था। बड़े दामाद ने हिस्सा देने की बात की तो ससुर ने हिस्सा देने से मना कर दिया। इसके बाद घटना को अंजाम दिया गया।

अराजकतत्वों ने किराने की दुकान में लगाई आग

संवाददाता, जाफरगंज

- ग्रामीणों की सतर्कता से आग पर पाया काबू, सामान बचा

अमृत विचार। खुन्नस के चलते किन्हीं अराजकतत्वों ने किराना दुकान के छप्पर में आग लगा दी। समय पर जानकारी हो जाने से ग्रामीणों ने निजी साधनों से आग पर काबू पा लिया। पीड़ित ने मामले की तहरीर पुलिस को सौंपी है।

जाफरगंज थाना क्षेत्र के मंसूरपुर गांव निवासी रामकिशन रणमस्तपुर तिराहे पर गुमटी में किराना स्टोर की दुकान खोले हैं जिससे वह परिवार को भरण पोषण करते हैं। पीड़ित ने बताया कि दुकान को वह सप्ताह में दो दिन मंगलवार व शुक्रवार बाजार के दिन खुलती है। बाकी दिनों में अन्य बाजारों में जा-जाकर दुकान लगाता है। बुधवार की रात किसी ने दुकान के छप्पर में आग लगा दी। गनीमत रही कि पड़ोसियों को जानकारी हो गई। सबमर्सिबल की मदद से ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। आग दुकान तक नहीं पहुंची और सामान जलने से बच गया।

लगातार बढ़ रही गर्मी | बाजारों व सड़कों पर पसरा रहा सन्नाटा, राहत के फिलहाल आसार नहीं

चिलचिलाती धूप और उमस से जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। जिले में मौसम का मिजाज बदल रहा है। गुरूवार को जहां तापमान 41 डिग्री सेल्सियस पार कर गया। उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। गर्मी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुबह दस बजे से ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। बाजार में चहल-पहल गायब रहती है।

गुरूवार को जिले का अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मौसम विशेषज्ञ कहते हैं कि अभी दो तीन दिन राहत के आसार नहीं हैं। आने वाले दिनों में तापमान में और भी बढ़ोत्तरी हो सकती है। बैसाख माह की गर्मी ने लोगों को झकझोर कर दिया है। इस वर्ष मई में उमस के साथ गर्मी पड़ रही है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ रही है। गुरूवार को मौसम में उतार चढ़ाव लगा रहा।

दोपहर तक तेज धूप रही, लेकिन इसके बाद आसमान में हल्की बदली छा गई। गर्मी के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल रहा। कूलर और पंखे की हवा से भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पाई है। दोपहर के वक्त शहर की सड़कें सूनी दिखी। चौक बाजार समेत शहर के अन्य चौराहों पर भीड़भाड़ कम दिखी। अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहा। जानकारों के मुताबिक नमी का प्रतिशत बढ़ने से उमस के साथ गर्मी हो रही है। अभी दो दिनों बाद तापमान में बढ़त दर्ज होगी।

स्टेशन रोड पर पसरा सन्नाटा। अमृत विचार

फसलों की सुबह-शाम करें सिंचाई

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि भीषण गर्मी के चलते किसान दोपहर के समय खलिहानों में काम करना बंद कर दें। सुबह और शाम फसलों की देखरेख करें। भिंडी, तोरई, लौकी, टमाटर की तुड़ाई ठंडे माहौल में करें। वहीं सब्जियों की फसलों में नमी बनाए रखने के लिए भी किसानों से अपील की गई है। भीषण गर्मी का असर मक्का की फसल पर तेजी से पड़ रहा है। किसान सुबह मक्का की सिंचाई करते हैं और मक्का सूखने लगती है। ऐसे में किसानों पर भीषण गर्मी ने मक्का की फसल की सिंचाई का भार अधिक डाल दिया है। हो सके तो देर शाम के बाद सिंचाई करें।

41.03 डिग्री पर पहुंचा पारा

- मौसम विभाग का कहना तापमान में और होगी बढ़ोतरी
- पंखे-कूलर की हवा भी नहीं दे पा रही राहत

इन बातों का रखें ध्यान

- कड़ी धूप में बाहर न निकलें खासकर दोपहर 12 से तीन बजे के बीच
- धूप का चश्मा, जूते और चप्पल का इस्तेमाल करें
- यात्रा करते समय अपने साथ पानी रखें
- बाहर जाना है तो टोपी, गमछा या छाते का इस्तेमाल करें
- गीले कपड़े को अपने चेहरे सिर और गर्दन पर रखें
- तबीयत ठीक न लगे या चक्कर आए तो तत्काल डॉक्टर से संपर्क करें
- लस्सी, नमक चीनी का घोल, नींबू पानी, छाछ, पना इत्यादि का सेवन
- अधिक परिश्रम के मध्य विश्राम अवश्य करें
- अधिक धूप में बाहर न जाएं, पंखे के नीचे बैठे
- हल्के सफेद रंग वह ढीले सूती कपड़े पहने
- छाया में बैठे, बुजुर्गों एवं बच्चों का विशेष ध्यान रखें
- ठंडक प्रदान करने वाले फल खाएं
- शरीर अधिक गर्म लगने पर स्नान करें
- अधिक गर्मी में व्यायाम न करें
- प्यास की इच्छा न होने पर भी पानी पिएं, काफी एवं शराब न पिएं
- जितनी बार हो सके पानी पिएं, प्यास न लगे तो भी पिएं

झुलसा रहीं 12 किमी की रफ्तार से चल रही गर्म हवाएं

फतेहपुर। आसमान से बरस रही आग से आम जनमानस के साथ पशु पक्षियों का भी जीना दूभर हो गया है। लगातार गर्म हवाओं के थपेड़े बदन झुलसा रहे है। पिछले कुछ दिनों से 10 से 12 किलोमीटर की रफ़्तार से गर्म हवाएं दिन में चल रहीं हैं। गुरूवार को तापमान लगातार अधिकतम 41 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आने वाले दिनो में तापमान और बढ़ने की संभावना जताई गई है। भीषण गर्मी के बीच स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से गर्मी से बचने के लिए जरूरी उपाय करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि इस गर्मी में घर से बाहर निकलें तो सूती कपड़ों से पूरे शरीर को ढ़क कर निकले। बाइक चलाते समय हेल्मेट और अंगोछे का प्रयोग करें, यात्रा के दौरान ताजा पानी बोतल में साथ रखें और समय समय पर पीते रहे। बुजुर्गों की सेहत पर नजर बनाए रखें, बुजुर्गों को ओआरएस का घोल पिलाते रहे। घर से निकलें तो खूब पानी पी लें, दही मट्ठे के साथ सतुआ का सेवन करें, तैलीय पदार्थ और जंक फूड खाने से परहेज़ करें। सिर दर्द, बुखार, पेट दर्द, उल्टी दस्त हो तो तुरंत अस्पताल पहुंचे सभी सरकारी अस्पतालों में दवाइयों के साथ अच्छे डाक्टर मौजूद हैं। अस्पताल आने में वाहन की समस्या होने पर 108 और 102 एम्बुलेंस की सहायता ले सकते हो यह पूरी तरह निशुल्क प्रदान की जाती है। आसमान से बरसती का आग का असर गुरूवार को शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर साफ दिखा। बाजारों में भी सन्नाटा पसरा रहा।

प्रवेश प्रारम्भ
प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

वाक्सायका वदनान्निष्पतन्ति यैराहतः शोचति रात्र्यहानि।
परस्य नामर्मसु ते पतन्ति तान् पण्डितो नावसृजेत् परेभ्यः॥

शब्द रूपी बाण सीधा दिल पर जाकर लगता है जिससे पीड़ित व्यक्ति दिन-रात घुलता रहता है। इसलिए ज्ञानियों को चाहिए कि कटु वचन बोलने से बचें।

संपादकीय

रक्षा क्षेत्र का मजबूत घटक

डिजिटलीकरण के क्षेत्र में आगे बढ़ रही दुनिया में साइबर हमलों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय रक्षा का एक महत्वपूर्ण घटक है। भारत के लिए भी साइबर सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। साइबर सुरक्षा के मामले में भारत की दक्षता ऐसे क्षेत्र में महत्वपूर्ण है जहां साइबर हमले राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा जोखिम पैदा करते हैं। विदेशी हैकर्स विभिन्न भारतीय संस्थानों पर साइबर हमले कर डेटा की चोरी कर लेते हैं और काम भी ठप कर देते है। रक्षा सूत्रों के अनुसार विशेष रूप से पाकिस्तान और चीन के हैकर्स द्वारा सैन्य प्रणालियों में सेंध लगाकर जानकारी चुराने और व्यवधान पैदा करने के प्रयास किए जाते हैं। ऐसे में भारतीय सेना के लिए भी साइबर सुरक्षा बड़ी चुनौती है। इस चुनौती से निपटने के लिए सेना की ओर से कई स्तर पर प्रयास हो रहे हैं। भारत ने सूचना और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ी क्षमताएं विकसित की हैं। हमारे साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ रक्षा नेटवर्क को मजबूत करने, उन्हें साइबर हमलों से बचाने और बहुत संवेदनशील सूचनाओं को गलत हाथों में पड़ने से बचाने के लिए काम कर रहे हैं। साइबर क्षेत्र में भारत की रक्षा क्षमताओं को विस्तार देने के महत्व को देखते हुए रक्षा साइबर एजेंसी द्वारा साइबर सुरक्षा अभ्यास शुक्रवार तक आयोजित किया जा रहा है। रक्षा साइबर एजेंसी को साइबर सुरक्षा खतरों से निपटने का काम सौंपा गया है। यह भारतीय सशस्त्र बलों की एक त्रि-सेवा कमान है जो साइबर सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए जिम्मेदार है।

यह आयोजन तेजी से उभरते हुए और महत्वपूर्ण साइबर क्षेत्र में राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। निश्चित रूप से भारतीय सेना देश की राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए साइबर क्षेत्र में बेहतरीन काम कर रही है। साइबर सुरक्षा परिदृश्य में सुधार के लिए भारत में कई पहलें और नीतियां अपनाई गई हैं, जैसे राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति, साइबर सेल एवं साइबर अपराध जांच इकाइयां, साइबर क्राइम रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम। हालांकि, ये प्रयास अभी भी अपर्याप्त हैं, क्योंकि भारत को तकनीकी कर्मचारियों, साइबर फोरेंसिक सुविधाओं, साइबर सुरक्षा मानकों और विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में देश में व्यापक और अद्यतन कानून बनाने की आवश्यकता है जो साइबर सुरक्षा के सभी पहलुओं, जैसे साइबर आतंकवाद, साइबर युद्ध, साइबर जासूसी और साइबर धोखाधड़ी को दायरे में ले। भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए साइबर क्षेत्र में सभी संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल होना जरूरी है।

भारतीय दर्शन और पर्यावरण संरक्षण

डॉ. अनिल चौबे
सदस्य, राज्य संदर्भ समूह
मिशन प्रेरणा उत्तर प्रदेश

अथर्ववेद पीपल वृक्ष को कई देवताओं का आवास मानता है। पूजा के कलश में सप्त नदियों का जल एवं सप्तभृतिका का पूजन करना व्यक्ति में नदी व भूमि को पवित्र बनाए रखने की भावना का संचार करता था।

विगत वर्षों में जलवायु परिवर्तन की समस्या जिस तेजी के साथ पूरे विश्व समुदाय के सामने मुंह फैलाएं खड़ी है,यह काफी चिंतनीय है। आज न केवल भारत जैसे विकासशील राष्ट्र,बल्कि विकसित राष्ट्र भी इस समस्या के हल को निकालने के लिए प्रयासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व जलवायु परिवर्तन की समस्या को दूर करने हेतु दिसंबर-2009 में कोपेनहेगन सम्मेलन का आयोजन किया था,जबकि भारत में इसके कई हजार वर्ष पूर्व में ही यह निर्णय ले लिया था कि प्रकृति का संरक्षण एवं संवर्धन किया जाए। इसके लिए प्राचीन काल में ही हमारे यहां वैदिक ग्रंथों में कई मौसम संबंधित देवताओं जैसे-इंद्र वर्षा के देव,वायु के देवता,अरण्य-वन की देवी इत्यादि का उल्लेख किया गया है तथा इनके कार्यों की विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है। ऐसा माना जाता था कि पृथ्वी पर ये सभी मानव जीवन को सुगम्य बनाने के लिए आवश्यक है। यह दोहन या शोषण के लिए नहीं है। भारतीय संस्कृति का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि यहां पर्यावरण संरक्षण का भाव अति पुरातन काल में भी मौजूद था,परंतु उसका स्वरूप भिन्न था। उस काल में कोई राष्ट्रीय वन नीति या पर्यावरण पर कार्य करने वाली संस्थाएं नहीं थीं। भारतीय दर्शन यह मानता है कि इस देह की रचना पर्यावरण के महत्वपूर्ण घटक-पृथ्वी,जल,तेज, वायु और आकाश से हुई है। भारतीय संस्कृति में पर्यावरण के संरक्षण को बहुत महत्व दिया गया है। यहां मानव जीवन को हमेशा मूर्त या अमूर्त रूप में पृथ्वी,जल,वायु,चंद्र,नदी एवं पशु-पक्षी के सहचर्य के रूप में देखा गया है।

पर्यावरण की समस्या मानवता के लिए एक चुनौती है जिसका दायरा और जटिलता अभूतपूर्व है। इस ग्रह पृथ्वी पर जीवन केवल इसके पर्यावरण के कारण ही संभव हो पाया है और यह इसके प्राकृतिक संसाधनों वन,जल पर निर्भर है,लेकिन अदूरदर्शिता के कारण नाजुक पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ गया है। पर्यावरण आज एक वैश्विक अवधारणा है,हम पर पर्यावरण संरक्षण की विशेष जिम्मेदारी है,न केवल सौंदर्य मूल्य के लिए,बल्कि जीवनयापन के लिए भी। मनुष्य प्रकृति की सबसे बड़ी रचना है। इसलिए यदि प्रकृति का पोषण किया जाए तो यह व्यक्तित्व के विकास का माध्यम बन सकता

पर्यावरण की समस्या मानवता के लिए एक चुनौती है जिसका दायरा और जटिलता अभूतपूर्व है। इस ग्रह पृथ्वी पर जीवन केवल इसके पर्यावरण के कारण ही संभव हो पाया है और यह इसके प्राकृतिक संसाधनों वन,जल पर निर्भर है,लेकिन अदूरदर्शिता के कारण नाजुक पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ गया है।

है,जो आगे चलकर संस्कृति की रक्षा करेगा जिसमें कला,साहित्य, संगीत और नैतिक मूल्यों को बचाया जा सकता है। भारतीय परंपरा में धार्मिक कृत्यों में वृक्ष पूजा का बड़ा महत्व है। वट वृक्ष को पूज्य मानकर अटल सुहाग से संबद्ध किया गया है,भोजन में तुलसी का भोग पवित्र माना गया है,जो कई रोगों की रामबाण औषधि है। विल्व (वेल) वृक्ष को भगवान शिव से जोड़ा गया है और ढाक,पलाश,दुर्वा एवं कुश जैसी वनस्पतियों को नवगृह पूजा आदि धार्मिक कृत्यों से जोड़ा गया है। कुछ वृक्षों एवं पौधों को इतना पावन माना गया है कि उनकी कल्पना यह है कि विभिन्न देवी एवं देवताओं ने उनमें अपना स्थान बना लिया है।

अथर्ववेद पीपल वृक्ष को कई देवताओं का आवास मानता है। पूजा के कलश में सप्त नदियों का जल एवं सप्तभृतिका का पूजन करना व्यक्ति में नदी व भूमि को पवित्र बनाए रखने की भावना का संचार करता था। पर्यावरण का संरक्षण हमारे नित क्रियाकलापों से जुड़ा था। भारतीय विचारधारा में जीवन का विभाजन भी प्रकृति पर ही आधारित था। चार आश्रम में से तीन तो पूरी तरह से प्रकृति के साथ ही व्यतीत होते थे। उपनिषदों में भी लिखा है-हे अश्वरूप धारी परमात्मः बालू तुम्हारे उदरस्थ अर्धजीर्ण भोजन है,नदियां तुम्हारी नाड़ियां हैं,पर्वत-पहाड़ तुम्हारे हृदय खंड हैं,समग्र वनस्पतियां,वृक्ष एवं औषधियां तुम्हारे राम सदृश्य हैं। ये सभी हमारे लिए शिव बनें। हम नदी,वृक्षादि को तुम्हारे अंग स्वरूप समझकर इनका सम्मान और संरक्षरण करते हैं। हमारे महर्षि जानते थे कि पेड़ में भी चेतना होती है। इसलिए उन्हें मनुष्य के समतुल्य माना गया है। ऋग्वेद से लेकर वृहदारण्यकोपनिषद,पुराण और मनुस्मृति सहित अन्य वाङ्मयों में इसके संदर्भ मिलते हैं। छांदोग्योपनिषद में उद्दालक ऋषि अपने पुत्र स्वेतकेतु से आत्मा का वर्णन करते हुए कहते हैं कि वृक्ष जीवात्मा से ओत-प्रोत होते हैं और मनुष्यों की भांति सुख-दुःख की अनुभूति करते हैं। मत्स्यपुराण में एक वृक्ष के रोपण को दस पुत्रों की संतान के समान बताया गया है।

जल स्रोतों का भी भारतीय परंपरा में बड़ा महत्व है। शुद्ध जल के बिना भी जीवन संभव नहीं है। यही कारण है कि जल स्रोतों को बचाए रखने के लिए इन्हें विभिन्न धर्मों एवं धर्म ग्रंथों में इन्हें सम्मान दिया गया। मनुष्य एवं पशु परस्पर एक दूसरे पर निर्भर हैं। वेदों में भी अनेक स्थानों पर यह प्रार्थना की गई है कि पृथ्वी,जल औषधियां हमारे लिए शांतिप्रद हों और यह शांतिप्रद तभी हो सकती हैं जब हम इनका पूरे सम्मान के साथ सभी स्तरों पर व्यापक संरक्षण करें। तभी भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण की इस विराट अवधारणा की सार्थकता सिद्ध हो सकेगी जिसकी आज के समय में केवल मानव जीवन ही नहीं अपितु संपूर्ण प्राणि जगत के लिए महत्वपूर्ण है तथा समस्त प्रकृति और ब्रह्मांड को संतुलित करने के लिए आवश्यक भी।

हजारों वर्षों से नदी,वायु,जल,सूर्य,वन,पशु-पक्षियों की पूजा करते चले आ रहे हैं,क्योंकि ऐसा माना जाता रहा कि पृथ्वी पर ये सभी मानव जीवन को सुगम्य बनाने के लिए आवश्यक हैं। यह दोहन या शोषण के लिए नहीं हैं। पृथ्वी का लगभग एक तिहाई भाग प्राकृतिक संरक्षण के लिए समर्पित था। वेद, उपनिषद,पुराण और अन्य शास्त्रों में पेड़-पौधों और वन्य जीवन के साथ-साथ समुदाय के लिए उनके महत्व का विस्तृत वर्णन किया गया है। पेड़ों को भारतीय घरों में रहने का एक अनिवार्य हिस्सा माना जाता है। मानव जीवन के लिए पौधों और पेड़ों के महत्व को वराह पुराण में और अधिक स्पष्ट किया गया है जिसमें स्वर्ग प्राप्त करने के साधन के रूप में नियमित वृक्षारोपण की वकालत की गई है। मत्स्य पुराण और पद्म पुराण में भी महान वृक्षारोपण समारोह-वृक्ष महोत्सव का वर्णन है। भारत एक ऐसा देश है जिसने सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर रहना सिखाया है। ऋग्वैदिक युग से लेकर आज तक के लगभग सभी विचारकों ने प्रकृति के महत्व पर बल दिया। गांधीजी ने कहा है कि प्रकृति में प्रत्येक व्यक्ति की जरूरतों के लिए पर्याप्त है,उसके लालच के लिए नहीं। अगर हम अपने पवित्र ग्रंथों में देखें तो हमें वैदिक काल से ही पर्यावरण के बारे में भारतीय संस्कृति की चेतना मिलती है। अथर्ववेद में लिखा है माता भूमि पुत्रहेन पृथ्वी का अर्थ है कि 'भूमि' या पृथ्वी हमारी माता है और मैं पृथ्वी का पुत्र हूं। अथर्ववेद में ऋषियों ने पृथ्वी की प्रार्थना करते हुए कहा है कि यदि प्रकृति का पोषण किया जाए तो वह व्यक्तित्व के विकास का माध्यम बनती है,जो आगे चलकर संस्कृति की रक्षा करेगी जिसमें कला,साहित्य, संगीत और नैतिक मूल्यों को बचाया जा सकता है। ऋग्वेद और उपनिषदों में भी पशुओं के संरक्षण की वकालत की गई है। उपनिषदों में पशुओं के प्रति हिंसा और मानव बलि को प्रतिबंधित किया गया है। मनुष्य की तरह पशु और पेड़ भी ईश्वर की रचना हैं। फिर उन्हें नष्ट करना हिंसा नहीं तो और क्या है? वृक्ष शुद्ध वायु,छाया,वर्षा,फल,फूल और मानसिक संतुष्टि प्रदान करते हैं। भारतीय परंपरा में धार्मिक कार्यों को पर्यावरण से जोड़कर उनका संवर्धन एवं संरक्षण किया गया है। यदि हम सभ्यता में सिंधु सभ्यता की मुहरों को देखें तो पाते हैं कि उन मुहरों पर पशुओं एवं वृक्षों के चित्र अंकित रहते थे।

सम्राटों द्वारा अपने राज चिन्ह के रूप में वृक्षों एवं चिन्हों का प्रयोग किया जाता था। गुप्त सम्राट बांस को पूज्य मानते थे। मार्गों में पेड़ की छाया पथिक को मिल सके इसके लिए वृक्षारोपण किया गया। चित्रकारी में प्रकृति के अनुपम छटा को हम प्रकृति के प्रेम से ही जुड़ा मानते हैं। कहते हैं कि परम्पराएं मूल्यों से सिंचित होती हैं और मूल्य जितने विशुद्ध रूप में परंपराओं से घुलते हैं,परंपराएं उतनी ही उर्वरता व ताजगी के साथ पीढ़ी दर पीढ़ी समाज को ऊर्जा व पोषण प्रदान करती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम समय-समय पर मुड़कर पीछे अपनी पोषणदायिनी परंपराओं व जीवन दृष्टि को आज के साथ जोड़ें,क्योंकि हमारे आज के बीते हुए कल के बीज से ही आने वाले भविष्य का निर्माण होता है। भारतीय दर्शन इन्हीं परंपराओं और मूल्यों को आत्मसात करते हुए 'वसुधैव कुटुम्बकम्'' अर्थात् पूरी पृथ्वी ही हमारा घर है, को लेकर आगे बढ़ रही है।

प्रसंगवश

वीर की मुक्ति समर भूमि में होती है

प्रताप सिंह बारहठ की पुण्यतिथि पर

कुंवर प्रताप सिंह बारहठ का जन्म 24 मई 1893 को उदयपुर में श्यामलदास की हवेली में हुआ। शिक्षा दयानंद जैन बोर्डिंग स्कूल में हुई। बाल्यावस्था में पिता श्री केसरी सिंह बारहठ ने प्रताप सिंह को सशस्त्र क्रांति की शिक्षा हेतु अर्जुन लाल सेठी को सौंप दिया,जहां से वो मास्टर अमीचंद के साथ रास बिहारी बोस के क्रांतिकारी दल का हिस्सा बन गए।

प्रताप अंग्रेजों की अमानवीय यातनाओं को सहते हुए मुख पर मुस्कान लिए शहीद हो गए। वहीं अंग्रेज अफसर की आंखों में आंसू थे। वह अफसर था चार्ल्स क्लिवलेंड जिनके शब्द थे "मैंने प्रताप जैसा व्यक्ति नहीं देखा। हमने उसे हराने के लिए यातनाओं का अंबार लगा दिया,पर वह सिंह की भांति लड़ा,शहीद हो गया, पर झुका नहीं,हम हार गए और वो जीत गया"। अंग्रेजों ने राजपूताने में क्रांति को ज्यादा हवा न मिले इसलिए प्रताप को वही बैरक में ही दफना दिया। दिल्ली हार्डिंग बम कांड- प्रताप सिंह बारहठ और इनके काकोसा जोरावर सिंह बारहठ ने 1912 मे चांदनी चौक में हार्डिंग पर बम फेंका था जिसमें हार्डिंग घायल हो गया और महावत की मृत्यु हो गई। जोरावर सिंह बारहट तो कभी पकड़े नहीं गए। इनके खिलाफ वारंट निकला,अमरदास बैरागी के नाम से चंबल के आसपास रहकर क्रांति में योगदान देते रहे। प्रताप और ईश्वर दान जी आशिया (जिजोसा) दोनों को गिरफ्तार किया गया,परंतु सबूतों के अभाव में छोड़ दिया गया।

अजय राज शर्मा
बरेली

एक दिन अंग्रेजों ने कुटिल चाल चली। प्रताप को पिता केसरी सिंह से मिलवाने हजारीबाग जेल ले गए। हजारीबाग जेल में प्रताप को पिता की दयनीय स्थिति बताकर पिता-पुत्र के हृदय को द्रवित करने के लिए एक दूसरे के सामने खड़ा कर दिया जिससे कि सहसा दोनों के आंखों से आंसू निकल जाए। दाता की काल कोठरी के सामने प्रताप खड़े हैं। गवर्नमेंट के ऑफिसर दाता से अनुरोध करते हैं कि ठाकुर साहब प्रताप को समझाइए कि वह सच-सच बात बता दे। दाता अपने वीर पुत्र को कहते हैं कि 'प्रताप जानता है कि तू केसरी सिंह की संतान है,अगर प्राणों के मुंह से अथवा किसी अन्य प्रलोभन से तू विश्वासघात कर बैठा तो याद रखना मैं स्वयं तेरे को गोली मार दूंगा।' लाख जतन के बाग भी प्रताप अपने निर्णय से डिगे नहीं।

अंग्रेज अब हार चुके थे। चार्ल्स क्लीवलैंड ने बरेली जेल में प्रताप से चर्चा की कि तेरी माता बहुत दुखी है। तेरे लिए बहुत रोती है, तू हमें अपने साथियों के नाम और गुप्त जानकारियां दे दे। इतना तो तू अपनी मां के लिए कर ही सकता है। यह अंग्रेज ऑफिसर चार्ज क्लीवलैंड का अंतिम प्रयास था ताकि वह प्रताप को मां माणिक कवर की परिस्थितियों का देखकर उसे तोड़ सके,परंतु प्रताप सिंह बारहठ कहते हैं कि 'यदि मैं सब गुप्त बातें प्रकट कर दूं तो और भी कितने लोगों की माताएं ठीक मेरी माता के समान कष्ट पाएंगी। एक माता के बदले और कितनी माताओं को तब हाहाकार करना पड़ेगा। एक अमर वाक्य प्रताप सिंह बारहठ द्वारा बोला गया कि 'मेरी माता रोती है तो रोने दो,मैं मेरी माता को हंसाने के लिए हजारों माताओं को रुला नहीं सकता'। प्रताप ने सीना चौड़ाकर आगे कि कहा,'वीर की मुक्ति समरभूमि में होती है। यदि आप सचमुच मुझे मुक्त करना चाहते हैं तो मेरे हाथ में एक तलवार दीजिए। फिर चाहे जितने लोग आ जाए। आप देखेंगे कि मेरी तलवार कैसे काई की तरह अंग्रेजी नौकरशाहों को फाड़ती है'।

प्रताप की इस प्रकार की दृढ़ता देख अंग्रेज अफसर आश्चर्यचकित हो रहे थे कि मात्र 22 वर्ष का बालक और इतना साहसी निर्भीक कैसे हो सकता है! अंग्रेज अफसर उन्हें प्रताड़ित करने लगे। शारीरिक रूप से निर्बल हो चुके प्रताप ने उत्तर प्रदेश के बरेली जिले की सेंट्रल जेल में अंग्रेजों के अमानवीय अत्याचार को सहते हुए,हंसते-हंसते 24 मई 1918 को अपने प्राण त्याग दिए।

कचरे की समस्या का उपयुक्त समाधान पुनर्चक्रण

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

गरीब लोग कम कचरा पैदा करते हैं, जबकि विकसित अर्थव्यवस्था में लोग प्रति व्यक्ति ज्यादा कचरा पैदा करते हैं।

भारत दुनिया में कचरा पैदा करने वाला सबसे बड़ा देश है,जहां हर साल करीब 30 करोड़ टन से भी ज्यादा सॉलिड वेस्ट पैदा हो रहा है, लेकिन हम इसका 60 फीसदी ही निस्तारित कर पाते हैं। बाकी यह इधर-उधर ही पड़े रहकर पर्यावरण को प्रभावित कर रहा है। यह कचरा जल,वायु और भूतल प्रदूषण का कारण बन रहा है। देश में 75 फीसदी से ज्यादा कचरा खुले में डंप किया जाता है।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट बताती है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सबसे ज्यादा कचरा उत्पन्न होता है। इस मामले में दिल्ली ने मुंबई,बेंगलूरु और हैदराबाद जैसे शहरों को काफी पीछे छोड़ दिया है। इन शहरों में भी इलेक्ट्रॉनिक, प्लास्टिक जैसे कचरे को अलग-अलग करने और सही ढंग से रीसाइक्लिंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इन शहरों में लैंडफिल साइट भर चुकी हैं। प्लास्टिक या कचरे को कई जगहों पर जलाया जाता है। किसी भी जगह नई लैंडफिल साइट का लोग विरोध करते हैं, क्योंकि इससे कई प्रकार का प्रदूषण होता है।

इस समय दुनिया में प्रतिवर्ष 201 करोड़ टन से ज्यादा ठोस कचरा पैदा हो रहा है। इसका एक तिहाई बेहद खतरनाक तरीके से वातावरण में फेंका जा रहा है,जो आने वाले समय में वातावरण के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक ठोस कचरे का कुल उत्पादन बढ़कर 340 करोड़ टन तक पहुंच सकता है,जो दुनिया के लिए बड़ी समस्या बनकर उभर सकता है। हालांकि पर्यावरण विशेषज्ञों की राय है कि अगर इस ठोस कचरे के सही तरीके से निस्तारण की व्यवस्था की जाए तो यही कचरा एक नए विकसित उद्योग की जगह ले सकता है और यह रोजगार उपलब्ध कराने का एक बड़ा अवसर साबित हो सकता है। उनका कहना है कि प्रति व्यक्ति ठोस कचरे का उत्पादन सबसे ज्यादा आर्थिक स्तर पर निर्भर करता है।

गरीब लोग कम कचरा पैदा करते हैं,जबकि विकसित अर्थव्यवस्था में लोग प्रति व्यक्ति ज्यादा कचरा पैदा करते हैं। यह मात्रा 0.74 किलोग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन से लेकर 4.54 किलोग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक अलग-अलग है। विशेषज्ञों का कहना है कि ठोस कचरे यानी ठोस अपशिष्ट को ठीक से प्रबंधित या निपटाने में विफलता होने से प्रदूषण हो सकता है। ठोस अपशिष्ट को भद्दा माना जाता है और इसे सड़क के किनारे फेंकने से अप्रिय गंध आने लगती है। ठोस अपशिष्ट के अनुचित निपटान से कई समस्याएं हो सकती हैं,जैसे पर्यावरण प्रदूषण, वेक्टर-जनित बीमारियों का प्रकोप, हानिकारक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन,भूजल का प्रदूषण, परिवहन के दौरान ध्वनि और सूक्ष्म धूल। बढ़ती आबादी,शहरीकरण और बढ़ती प्रौद्योगिकी ठोस अपशिष्ट प्रदूषण के कुछ कारण हैं। ठोस अपशिष्ट से जुड़ी इन समस्याओं से निपटने के लिए ठोस अपशिष्ट का पुनर्चक्रण सबसे अच्छा तरीका है। पुनर्चक्रण का मतलब है कि कचरे को नए या उपयोगी उत्पाद में बदलना। वहीं कचरे को सूखे और गीले कचरे के रूप में अलग करना,घर-घर जाकर कूड़ा इकट्ठा करना और छंटाई के बाद इसे प्रोसेसिंग के लिए भेजना ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रमुख घटक हैं।

असल में कचरे का निपटान पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। जनसंख्या बढ़ने से अपशिष्ट की मात्रा लगातार बढ़ी है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन चर्चा में इसलिए भी है,क्योंकि लगभग सभी देश बढ़ते कचरे के कुशलतापूर्वक निपटान की चुनौती का सामना कर रहे हैं। अगर कचरे की रीसाइक्लिंग की बात करें तो इस मामले में जर्मनी सबसे बेहतर काम कर रहा है,जो 56 फीसदी कचरे को रीसाइकिल कर देता है। इसके बाद ऑस्ट्रिया 53 फीसदी, दक्षिण कोरिया 53 फीसदी,वेल्स 52 फीसदी और स्विट्जरलैंड 49 फीसदी रीसाइक्लिंग कर देता है। इस मामले में स्वीडन,नार्वे और सिंगापुर भी अच्छा काम कर रहे हैं।

भारत में भी रीसाइक्लिंग धीरे-धीरे एक उद्योग का रूप लेता जा रहा है। देश में कई छोटे-छोटे शहर भी रीसाइक्लिंग के मामले में बेहतरीन काम कर रहे हैं। अहमदाबाद और त्रिवेंद्रम अपने यहां के कुल कचरे का बड़ा भाग रीसाइकिल कर रहे हैं। हालांकि इस क्षेत्र को एक स्थाई उद्योग का स्वरूप देने के लिए बेहतर तकनीकी और आर्थिक मदद की आवश्यकता है।

सोशल फोरम

चाबहार और अमेरिकी प्रतिबंध

सचिदानंद सिंह
मुंबई

फारसी में चाबहार का अर्थ है चार बहार यानी चार वसंत। चाबहार पत्तन पर भारत और ईरान के नए समझौते की बात आते-आते हमारा वसंत बीत चुका था,पर ईरानी पठार पर बहार अपने पूरे शबाब पर थी।

समझौते की घोषणा को सुन/पढ़कर शायद सबों के मन में ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध की बात आई होगी। साथ ही यह भी कि इस समझौते के चलते पता नहीं भारत पर अब क्या कहर गिरे। जब हम लोग यह सोचकर सिहर सके तो निश्चित ही विदेश मंत्री जयशंकर और उनके सहकर्मियों ने इसे पहले से देख रखा होगा।

यदि सब कुछ देखते हुए उन लोगों ने इस समझौते को अंजाम दिया तो निश्चित ही उन्हें कुछ और जानकारियां हैं,जो हम लोगों को नहीं हैं। एक रोचक बात यह हुई है कि समझौते की घोषणा के बाद जब एक समाचार एजेंसी ने अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट से पूछा कि इस समझौते के चलते ईरानी प्रतिबंधों के भारत पर क्या असर पड़ेंगे तो सरकारी प्रवक्ता ने बस यह कहा कि बिना इसका विस्तृत अध्ययन किए हम अभी कुछ नहीं कह सकते हैं। क्या यह संभव है कि भारत ने इस पर अमेरिका से अनौपचारिक सहमति ले ली हो? विश्व के भू-राजनैतिक विभाजन में बहुत स्पष्ट रूप से चीन,उत्तरी कोरिया और रूस एक धुरी बनकर उभर रहे हैं।

पाकिस्तान व्यावहारिक रूप से चीन का उपनिवेश बनने जा रहा है। चाबहार के विकास में अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते बहुत विलंब हो चुका है। यदि और देर होती रह गई तो चाबहार का विकास चीन के हाथों जा सकता है,जो आज भी मकरान तट पर ही चाबहार से लगभग सौ मील पूरब ग्वादर पत्तन पर पसरा हुआ है।

भारत-अमेरिका के संबंधों में आई गर्मी बस चीन के चलते हैं। चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए शायद अमेरिका ईरान पर अपने प्रतिबंधों में इस मामले में कुछ ढिलाई दे।

-फेसबुक वॉल से

त्वया हिंदु भूमे भी और मुस्लिम प्रेम भी

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

इस दल ने काशी की ज्ञानवापी मस्जिद के मुद्दे को गरमाया और मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि से संलग्न इस्लामिक निर्माण को अगले कार्यकाल में हटाने का एजेंडा निर्धारित किया।

समय-समय पर भाजपाई भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की बात करते रहे हैं और अब मुस्लिम प्रेम भी जागृत है। मेरे मित्र एक वरिष्ठ वकील एक किस्सा सुनाते थे। एक गवाह को एक नाटे आदमी को अदालत में बयान देते समय लंबा सिद्ध करना था तो वकील साहब ने बस्ते पर उसे सिखाया कि तुम बयान में कहना-'हुजूर! यों तो वे कद में कुछ छोटे थे,किंतु वह जलाल था उनके चेहरे पर कि हजारों लोगों के बीच वे लंबे नजर आते थे'। गवाह ने वैसा ही किया।

आजकल भाजपा नेताओं का भी कुछ ऐसा ही हाल है। उनके मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की प्रार्थना में ही शब्द आए हैं 'त्वया हिन्दुभूमे सुखं वर्धितोऽहम्' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी संस्था के प्रचारक रहे हैं और शाखा में यह प्रार्थना करते रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटलविहारी बाजपेयी तो कवि थे। उन्होंने एक कविता लिखी थी,जो प्रसिद्ध है,'हिंदू तन मन हिंदू जीवन रग रग हिंदू मेरा परिचय।'

वीर सावरकर ने तो 1943 में ही 'हिंदू ध्वज को अति उच्च उठाने और हिन्दू स्वयमेव एक राष्ट्र है' जैसे शब्द अपने भाषण में कहे थे। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संप्रति चल रहे चुनावों के ठीक पहले जनवरी में संविधानिक पद पर रहकर अयोध्या के राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाई और यजमान बने।

इस दल ने काशी की ज्ञानवापी मस्जिद के मुद्दे को गरमाया और मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि से संलग्न इस्लामिक निर्माण को अगले कार्यकाल में हटाने का एजेंडा निर्धारित किया। 'अयोध्या तो सिर्फ झांकी है। अभी मथुरा,काशी बाकी है' के नारों की गड़गड़ाहट व्योम मंडल में गुंजरित हुई। यह सब हिंदुत्व एजेंडा ही है। बहुत समय नहीं हुआ जब कहा जाता था,'तीन नहीं तो तीन हजार। नहीं रहेगी एक मजार'। खैर! अब चुनाव हैं तो भाजपा ने यह आस लगाई कि कुछ जुमले फेंके जाएं तो शायद धुप्पल में कुछ मुस्लिम वोट भी मिल जाए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने 'सबका डीएनए एक' होने की बात कही। पसमांदा मुस्लिम कार्ड खेला गया।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में कहा कि बचपन में ईद में उनके पड़ोसी मुसलमानों के घर से खाना आता था। उनके अपने घर में खाना नहीं बनता था। अभी मोदी जी ने ताजा उद्घोष भुवनेश्वर में किया है कि 'भाजपा कभी मुस्लिमों के खिलाफ नहीं रही' तथा 'हम सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं' इत्यादि,लेकिन ऊपर तथ्य लिखे हैं वे तो दिन के उजाले की तरह सु-स्पष्ट हैं।

लोकसभा चुनाव में विचित्र सन्नाटा

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

जन लोकपाल का क्या बना,वह कहीं है कि नहीं,उसकी कोई खैर-खबर नहीं मिली। सन् 2024 के चुनाव को भी देख रहा हूं।

लोकसभा के चुनाव में ऐसा सन्नाटा पहले कभी नहीं देखा। सन् 1952 मुझे अपने बचपन की याद है,जब किशोरी रमन कॉलेज की फील्ड में पंडित जवाहरलाल नेहरू आए थे। गली मोहल्ले के नर-नारी टोल के टोल बनाकर बड़े चाव से वहां पंहुचे थे। मेरी बुआ मुझे अपने साथ ले गई थीं,वहां मैंने अपने मोहल्ले के गोविंद रसिकजी को पहचान लिया था। गोविंद रसिक जी ने हम लोगों को मंच के नीचे बैठा दिया था और कुछ तो समझ में आना ही नहीं था,किंतु वहां से मैंने जवाहर लाल नेहरू को देखा और इतनी बड़ी सभा पहली बार देखी।

यह भारत के जनतंत्र का पहला चुनाव था। तब से लेकर अब तक जितने भी चुनाव हुए हैं,वे सब मेरी यादों में हैं। मैं बालक ही था, जब अटलजी मथुरा से चुनाव लड़े थे। शरद नामक मेरा सहपाठी मुझे बतलाया करता था कि कौन सी पार्टी अच्छी है। मोहल्लों में तान के अखाड़े खड़े होते थे और बाजार में डंडे शाही निकलती थी। एक लाइन याद है,पता नहीं,वह कौन से प्रत्याशी की ओर से गाई गई थी। पक्का इरादा कर के अखाड़े में कूदे हैं कस के लंगोट। हिम्मत से सबको हरा के दिखा देंगे आवेगी जो कोई जोट। पार्टी में तो किसी में गया नहीं, गृहस्थी का भार था,किंतु बालकपन से लेकर अब तक जनतंत्र की इस प्रक्रिया का साक्षी जरूर रहा। जनता पार्टी बनी थी,तब राम राम की जगह "जय जनता की," अभिवादन पद बन गया था। लोग मिलते थे,"जय जनता की।" अन्ना के आंदोलन में तो जनता उठकर खड़ी हो गई थी,इतनी चर्चा,इतनी चर्चा कि कुछ पूछो मत। हालांकि जनता एक बार फिर अपने को ठगा महसूस कर रही थी।

जन लोकपाल का क्या बना,वह कहीं है कि नहीं,उसकी कोई खैर-खबर नहीं मिली। सन् 2024 के चुनाव को भी देख रहा हूं। आज भरोसा कोई करे भी तो किस पर करे? बात तो ठीक है,सबको देख लिया है,किंतु समष्टिभाव और समष्टि प्रक्रिया पर तो विश्वास है ही। इसलिए सोच लेता हूं कि जो भी होगा,अच्छा ही होगा,लेकिन एक अंतर देख रहा हूं। अबकी बार लोग चुप हैं। मीडिया पर जो कोलाहल हो रहा है,उसे तो सभी देख ही रहे हैं। गली मोहल्ले में,पार्क में लोग मिलते तो हैं,लेकिन खुलकर कुछ भी नहीं कहते। जनतंत्र का आधार है जनता का विमर्श और इस बार वह विमर्श गायब है,एक विचित्र सन्नाटा है।

भाजपा पर पिछली बार से आगे बढ़ने का दबाव

अमृत विचार। छठे चरण में आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 58 लोकसभा सीटों पर 25 मई को वोट पड़ेंगे। 2019 के चुनाव में इन 58 सीटों में भाजपा ने 40 सीटें जीत ली थीं। बसपा और बीजद ने चार-चार, टीएमसी और जदयू ने तीन-तीन, लोजपा, आजसू और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने एक-एक सीट जीती थी। इनके अलावा सपा ने भी एक सीट आजमगढ़ की जीती थी, लेकिन बाद में हुए उपचुनाव में वह इस सीट पर हार गई थी। इस तरह सपा का स्कोर शून्य और भाजपा की जीती हुई सीटों की संख्या 41 हो गई थी। इस चरण के लोकसभा चुनाव में पिछली बार कांग्रेस के साथ ही राजद, आम आदमी पार्टी या वामपंथी दलों का खाता तक नहीं खुला था। भाजपा ने हरियाणा और दिल्ली में सभी लोकसभा सीटों पर कमल खिलाकर क्लीन स्वीप किया था। इस बार 400 पार का लक्ष्य लेकर चल रही पार्टी को हरियाणा और दिल्ली में अपना पिछला प्रदर्शन दोहराने तो उत्तर प्रदेश की 14 सीटों समेत पं. बंगाल और ओडिशा में 2019 की सफलता से आगे निकलने का भारी दबाव है।

06 चरण का मतदान शनिवार को होगा

08 आठ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश

58 लोकसभा सीटों पर पड़ेंगे वोट

14 सीटों पर यूपी में 162 उम्मीदवार

स्कोर कार्ड-2019	
भाजपा	41
बसपा	04
बीजद	04
टीएमसी	03
जद (यू)	03
लोजपा	01
आजसू	01
नेशनल कॉन्फ्रेंस	01

झारखंड में एनडीए के सामने चारों सीटें बचाने की चुनौती

मनोज त्रिपाठी

■ भाजपा तीन, आजसू एक लोकसभा सीट पर मैदान में तो कांग्रेस और झामुमो दो-दो सीटों पर लड़ रहे चुनाव

अमृत विचार। झारखंड की चार लोकसभा सीटों रांची, जमशेदपुर, धनबाद और गिरीडीह में 25 मई को मतदान होगा। पिछली बार एनडीए की तरफ से गिरडीह आजसू जीतने में सफल रही थी, बाकी तीन सीटों पर भाजपा जीती थी। इस बार भी आजसू गिरडीह और बाकी तीन सीटों पर भाजपा चुनाव लड़ रही है। इंडिया गठबंधन से कांग्रेस और झामुमो दो-दो सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। झामुमो अपने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने के मुद्दे पर सहानुभूति लेने में जुटी है। ऐसे में भाजपा-आजसू के सामने अपनी सीटों को बचाए रखने की चुनौती है।

जमशेदपुर में भाजपा के सामने हैट्रिक की चुनौती

■ जमशेदपुर सीट पर भी एनडीए और इंडिया गठबंधन में सीधा मुकाबला है। भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो जीत की हैट्रिक लगाना चाह रहे हैं, तो झामुमो विधायक समीर मोहंती ने अपनी जीत के लिए कड़ी मेहनत की है। दोनों प्रत्याशी बहरागोड़ा से विधायक रह चुके हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में विद्युत वरण महतो और समीर मोहंती में मित्रवत संबंध थे, लेकिन 2019 का विधानसभा चुनाव जीतने के बाद समीर मोहंती इस बार लोकसभा चुनाव में विद्युत वरण महतो के सामने हैं। उधर, बहरागोड़ा से विधायक रहते विद्युत वरण महतो ने जमशेदपुर से 2014 का लोकसभा चुनाव जीता था। भाजपा प्रत्याशी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभा कर गए हैं। समीर मोहंती के लिए मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के अलावा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, कल्पना सोरेन रैली कर चुकी हैं।

गिरीडीह के दो विधानसभा क्षेत्रों में पड़ेंगे वोट

■ गिरीडीह सीट के चार विधानसभा क्षेत्रों बगोदर, राजधनवार, जमुआ और गांडेय में 20 मई को वोट पड़ चुके हैं। 25 मई को गिरीडीह और डुमरी विधानसभा क्षेत्र के करीब छह लाख मतदाता वोट डालेंगे। यहां एनडीए से आजसू के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी का मुकाबला इंडिया गठबंधन से झामुमो प्रत्याशी और टुंडी के विधायक मथुरा महतो से है। निर्दलीय जयराम महतो संघर्ष त्रिकोणीय बनाने में लगे हैं।

रांची में कांग्रेस का आदिवासी-अल्पसंख्यक दांव

■ झारखंड की राजधानी रांची सीट पर भाजपा सांसद संजय सेठ और कांग्रेस की यशस्विनी सहाय के बीच सीधा मुकाबला है। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) के देवेंद्रनाथ महतो ग्रामीण इलाकों में दौड़-भाग कर रहे हैं। कांग्रेस आदिवासी-अल्पसंख्यक मतदाताओं को गोलबंद करने में लगी है। भाजपा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और काम पर वोट मिलने का भरोसा है। मोदी और अमित शाह के रोड शो के बाद भाजपा उत्साह से लबरेज है, तो प्रियंका गांधी की सभा में जुटी भीड़ से कांग्रेस को जीत की उम्मीद है।

धनबाद में भाजपा-कांग्रेस दोनों में भितरघात

■ धनबाद में भाजपा-कांग्रेस में सीधी जंग है। यहां भाजपा उम्मीदवार बाघमारा के विधायक ढुल्लू महतो को मौजूदा सांसद पीएन सिंह का टिकट कटने से राजपूत समाज की नाराजगी का सामना करना पड़ा है। कुछ स्थानीय नेताओं से भितरघात का भी खतरा है। ऐसे में ढुल्लू महतो को मोदी की गारंटी और कमल निशान से ही जीत की आस है। उधर, कांग्रेस से चुनावी मैदान में उतरीं बेरमो के विधायक जयमंगल सिंह की पत्नी अनुपमा सिंह को भी भितरघात का डर सता रहा है। जो दिग्गज कांग्रेस नेता धनबाद से टिकट की आस में थे, वे या तो घर बैठ गए हैं या विरोध कर रहे हैं। धनबाद के पूर्व कांग्रेस सांसद और मजदूर नेता चंद्रशेखर दुबे की नाराजगी सार्वजनिक है। लेकिन झरिया की कांग्रेस विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह और बाघमारा के पूर्व विधायक जलेश्वर महतो के अलावा कई नेता अनुपमा सिंह के साथ मजबूती से खड़े हैं। झामुमो और राजद का समर्थन है।

बंगाल की आदिवासी बेल्ट में फिर लहराएगा भगवा !

रोचक हुआ संघर्ष

■ **पिछली बार छठे दौर की भाजपा ने पांच और टीएमसी ने तीन सीटें जीती थीं**

दिग्विजय सिंह

अमृत विचार। 2019 के लोकसभा चुनाव नतीजों के अनुसार पश्चिम बंगाल में छठे दौर की आठ सीटों में भाजपा ने पांच सीटें और तीन सीटें टीएमसी ने जीती थीं, जाहिर है इस चरण में भाजपा के सामने अपनी पांचों सीटें बचाने के साथ टीएमसी से एक या दो सीटें छीनने का लक्ष्य है। इसके चलते हर सीट पर रोचक संघर्ष हो रही है।

शनिवार को मतदान वाली सीटें राज्य में आदिवासी बेल्ट का हिस्सा है यहां संथाल जो राज्य की सबसे अधिक आबादी वाली जनजाति है, बांकुरा, पुरुलिया और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में निवास करती है। मुंडा जनजाति पुरुलिया और पश्चिम मेदिनीपुर के पहाड़ी इलाकों में रहती है, जबकि ओरांव या कुरुख जनजाति पुरुलिया के मैदानी इलाके में रहती है।

घाटल में दो अभिनेताओं के बीच छिड़ा रहा घमासान

■ घाटल लोकसभा सीट से टीएमसी के सासंद बंगाली सिने स्टार दीपक अधिकारी (देव) हैं। 2019 में देव ने भाजपा से चुनाव लड़ीं पूर्व आईपीएस अधिकारी भारती घोष को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराया था। 2014 में उन्होंने सीपीआई के संतोष राणा को हराया था। अभिनेता दीपक अधिकारी देव इस बार चुनाव लड़ने के लिए अनिच्छुक थे, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें मना लिया। इस बार देव का मुकाबला एक अन्य फिल्म अभिनेता भाजपा के हिरन चटर्जी और सीपीआई के तपन गांगुली से है, जिन्हें कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है।

झारग्राम जीतने के लिए टीएमसी ने भाजपा सांसद को तोड़ा

■ झारग्राम लोकसभा सीट 2019 में भाजपा के कुंअर हेम्ब्रम ने टीएमसी के बीरबाहा सरीन को हराकर जीती थी। लेकिन उन्होंने बिना कोई कारण बताए मार्च की शुरुआत में इस्तीफा दे दिया था और अब टीएमसी का दामन थाम चुके हैं। टीएमसी ने 2014 में यह सीट माकपा से हासिल की थी लेकिन 2019 में हार गई थी। भाजपा ने इस बार झारग्राम से प्रणत टुडू को मैदान में उतारा है, जो टीएमसी के कालीपद सोरेन और माकपा के सोनामणि मुर्मू (टुडू) के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। 2021 के विधानसभा चुनाव में झारग्राम की सभी सात विधानसभाएं टीएमसी ने जीत ली थीं।

तामलुक में 'खेला होबे' के रचयिता की पूर्व जज से हुई टक्कर

■ तामलुक लोकसभा सीट पूर्व मेदिनीपुर जिले में है। यह सीट मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विधानसबा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के बीच प्रतिष्ठा का सवाल बनी है। 2019 में यहां से टीएमसी के दिव्येंदु अधिकारी जीते थे। इस बार ममता बनर्जी ने टीएमसी युवा विंग के 'खेला होबे' गाने से प्रसिद्ध हुए देबांग्शु भट्टाचार्य को उतारा है। उनका मुकाबला भाजपा के अभिजीत गंगोपाध्याय से है जिन्होंने हाल ही में न्यायिक पद से इस्तीफा दिया था। वह टीएमसी के प्रखर आलोचक हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शिक्षक भर्ती घोटाले सहित महत्वपूर्ण मामलों में निर्णय दिए हैं। इस सीट पर कांग्रेस- वाम मोर्चा गठबंधन से माकपा के शायन बनर्जी प्रत्याशी हैं। 2019 में जीते टीएमसी के दिव्येंदु अधिकारी ने 2016 में हुए उपचुनाव में माकपा की मंदिरा पांडा को पांच लाख वोटों से हराया था। सासंद सुवेंदु अधिकारी के विधायक बनने और भाजपा के साथ जाने पर यहां उपचुनाव हुआ था। 2021 के विधानसभा चुनावों में इस लोकसभा क्षेत्र के सात विधानसभा क्षेत्रों में तीन पर भाजपा और चार में टीएमसी जीती थी।

मेदिनीपुर में फैशन डिजाइनर और अभिनेता में छिड़ी रही वोटों की जंग

■ मेदिनीपुर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व भाजपा नेता दिलीप घोष करते थे, जो अब बर्धमान-दुर्गापुर से चुनावी मैदान में उतरे हैं। 2019 में उन्होंने टीएमसी के मानस भुनिया को लगभग 89,000 वोटों से हराया। 2014 में एक्टर संध्या रॉय ने सीपीआई से टीएमसी के लिए यह सीट जीती थी। इस बार यहां फैशन डिजाइनर से नेता बनीं अग्नि मित्रा पॉल को भाजपा ने टीएमसी के अभिनेता जून मालिया और सीपीआई के बिप्लब भट्टा के खिलाफ मैदान में उतारा है। साल 1989 से 2001 के बीच सीपीआई के इंद्रजीत गुप्ता ने यहां का प्रतिनिधित्व किया था।

कांथी में अधिकारी परिवार को बचाना है इस बार अपना गढ़

■ कांथी लोकसभा सीट को अब अधिकारी परिवार का गढ़ माना जाता है। यहां 2009 से टीएमसी के शिशिर अधिकारी सांसद हैं। इस बार कांथी से तीन बार के टीएमसी सांसद सौमेंदु अधिकारी इस बार भाजपा से चुनाव लड़ रहे हैं। टीएमसी ने स्थानीय नेता उत्तम बारिक को उतारा है, जबकि कांग्रेस-वामपंथी गठबंधन से कांग्रेस नेता उर्बशी भट्टाचार्य चुनौती दे रही हैं। टीएमसी उम्मीदवार शिशिर अधिकारी ने 2019 में भाजपा के देबाशीष सामंत को 1.1 लाख वोटों से हराया था। 2014 में उन्होंने माकपा के तापस सिन्हा को लगभग 2.3 लाख वोटों से हराया था। 2021 के विधानसभा चुनाव में यहां के सात विधानसभा क्षेत्रों में से तीन पर टीएमसी ने जीत हासिल की थी, चार सीटें भाजपा को मिली थीं।

पुरुलिया में फिर से कमल खिलाने का मौका

■ पुरुलिया लोकसभा क्षेत्र में 2019 में भाजपा के ज्योतिर्मय सिंह महतो ने टीएमसी के मृगांका महतो को दो लाख से अधिक वोटों से हराया था। भाजपा ने उन्हें फिर से मैदान में उतारा है जबकि टीएमसी से इस बार शांतिराम महतो उनका मुकाबला कर रहे हैं। वह ममता बनर्जी कैबिनेट में मंत्री हैं। इस सीट पर कांग्रेस के नेपालदेव महतो किस्मत आजमा रहे हैं। हालांकि यह उन सीटों में एक है जहां वाम मोर्चा के साथी फॉरवर्ड ब्लॉक ने अपना उम्मीदवार खड़ा किया है। 2021 के विधानसभा चुनाव में यहां की पांच विधानसभा सीटें भाजपा और दो टीएमसी ने जीती थीं।

बांकुड़ा में मोदी सरकार के मंत्री दूसरी जीत को प्रयासरत

■ बांकुड़ा लोकसभा सीट 2019 में भाजपा द्वारा जीती गई 18 सीटों में शामिल थी। यहां भाजपा के सुभाष सरकार ने टीएमसी के सुब्रत मुखर्जी को 1.7 लाख से अधिक वोटों से हराया था। पेशे से चिकित्सक सुभाष सरकार नरेंद्र मोदी की सरकार में राज्य मंत्री हैं। भाजपा ने उन्हें दोबारा मैदान में उतारा है। टीएमसी ने उनके सामने अरूप चक्रवर्ती को मैदान में उतारा है। माकपा से चुनाव लड़ रहे नीलांजन दासगुप्ता कांग्रेस के समर्थन से त्रिकोणीय संघर्ष बनाने के प्रयास में लगे हैं। इस लोकसभा सीट के सात विधानसभा क्षेत्रों में 2021 में चार भाजपा और तीन टीएमसी ने जीती थीं।

बिष्णुपुर में तिकोने संघर्ष में फिर जीत पाएंगी भाजपा

■ बिष्णुपुर लोकसभा क्षेत्र में 2019 के चुनाव में भाजपा उम्मीदवार सौमित्र खान ने टीएमसी के श्यामल संतरा को हराया था। 2014 में टीएमसी ने यह सीट माकपा से जीती थी। इस बार भाजपा ने सौमित्र खान पर फिर अपना भरोसा जताया है, जिनका मुकाबला टीएमसी की सुजाता मंडल और माकपा की शीतल कोइबोर्तो से हुआ है। यहां तिकोना मुकाबला नजर आ रहा है। इस सीट के विधानसभा क्षेत्रों में एक पूर्व बर्धमान में है, और अन्य छह बांकुरा जिले में हैं। 2021 में चार सीटें टीएमसी और तीन भाजपा ने जीती थीं।

ओडिशा में छठे चरण के चुनाव पर संबित विवाद का साया

चुनाव डेस्क

■ राज्य में छह लोकसभा सीटों के साथ शनिवार को 42 विधानसभा क्षेत्रों में भी वोट डाले जाएंगे

अमृत विचार। ओडिशा में छठे चरण में छह लोकसभा सीटों संबलपुर, कयोंझर, ढेंकनाल, कटक, पुरी और भुवनेश्वर पर मतदान होगा 2019 में भाजपा इन छह में दो सीटें जीतने में सफल रही थी। बीजद ने चार सीटें जीती थीं। राज्य में इसी के साथ इन लोकसभा सीटों के 42 विधानसभा क्षेत्रों में भी वोट डाले जाएंगे।

प्रचार खत्म होने तक यहां पुरी से भाजपा प्रत्याशी संबित पात्रा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रभु जगन्नाथ को लेकर जुबान फिसलने का मुद्दा छाया रहा। हालांकि विगत दिवस अखबारों में विज्ञापन देकर और सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए संबित की ओर से बिना शर्त माफी मांगते हुए अनजानी गलती के लिए गहरा खेद जताया जा चुका है। लेकिन विवाद अभी थमा नहीं था कि बात आगे बढ़ गई है। अब संबित के एक विज्ञापन पर बवाल छिड़ गया है। बीजद ने संबित द्वारा भाजपा के चुनाव चिह्न कमल के साथ प्रभु जगन्नाथ की तस्वीर का इस्तेमाल करने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। 2019 के चुनाव में पुरी सीट पर बीजद की पिनाकी मिश्रा जीती थीं। उन्हें 5,38,321 वोट मिले थे, जबकि भाजपा से संबित पात्रा 5,26,607 वोट पाकर हार गए थे। हालांकि इस बार संबित को पुरी में भाजपा की पहली जीत का भरोसा है। यहां उनका मुकाबला मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त अरूप पटनायक से है जो बीजद के मजबूत कैडर के आधार पर अपनी जीत पक्की मान रहे हैं।

पुरी से भाजपा प्रत्याशी संबित पात्रा।

उधर, राजधानी भुवनेश्वर में 2019 के चुनाव में भाजपा की अपराजिता सारंगी की जीत राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव का प्रतीक मानी गयी थी। उन्होंने बीजद के अरूप मोहन पटनायक को 23,839 वोटों से हराया था। भाजपा ने अपराजिता को फिर से मौका दिया है। उनका मुकाबला कांग्रेस के यासिर नवाज और बीजद के मन्मथ राउतराय से हुआ है। एक और प्रमुख निर्वाचन क्षेत्र कटक बीजद का मजबूत किला है। यहां 1998 के लोकसभा चुनाव में बीजद के भर्तृहरि महताब ने जीत हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने 1999, 2004, 2009, 2014 और 2019 में यह सीट जीती है। 2014 में भर्तृहरि महताब ने कांग्रेस द्वारा अभिनेत्री अपराजिता मोहंती को मैदान में उतारने के बावजूद जीत हासिल की थी। 2019 के चुनाव में भी उन्होंने सीट बरकरार रखी। इस बार भी बीजद से भर्तृहरि महताब चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा के सुरेश महापात्र, कांग्रेस से प्रमोद कुमार मल्लिक और बीजद के संतृप्त मिश्र से उनका मुकाबला हुआ है।

महबूबा को मियां अल्ताफ और जफर मन्हास की कड़ी चुनौती

चुनाव डेस्क

■ अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर भी जबर्दस्त प्रचार के चलते रिकार्ड तोड़ मतदान की उम्मीद

अमृत विचार। छठे चरण में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर भी श्रीनगर और बारामुला लोकसभा सीट की तरह रिकार्ड तोड़ मतदान की उम्मीद है। इसकी वजह यहां प्रचार के अंतिम दौर में लगी रही नेताओं की भीड़ है। फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, गुलाम नबी आजाद और अल्ताफ बुखारी जैसे बड़े नेताओं ने यहां रोज रोड शो और सभाएं की हैं। महबूबा बीते दो दिनों से राजौरी और पुंछ में डेरा जमाए रही हैं, तो उनकी बेटी इल्तिजा भी उनके लिए प्रचार में जुटी रही हैं। 2019 में यह सीट नेशनल कॉन्फ्रेंस जीतने में सफल रही थी। धारा 370 हटने और नए परिसीमन के बाद इस सीट पर यह पहला चुनाव है, ऐसे में पिछले नतीजे के आधार पर भी कोई भी कयास लगाना बेमानी है।

अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती चुनाव लड़ रही हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार और गुज्जर नेता मियां अल्ताफ और अपनी पार्टी के जफर इकबाल खान मन्हास से उन्हें कड़ी चुनौती मिली है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के नेता मोहम्मद सलीम पर्रा के अलावा 10 निर्दलीय भी यहां किस्मत आजमा रहे हैं। भाजपा घाटी में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी जैसे क्षेत्रीय दलों के एकाधिकार समाप्त करने के लिए पहाड़ी जनजाति के मतदाताओं पर फोकस किए है, इस सीट अपनी पार्टी के जफर मन्हास का समर्थन कर रही है।

पीडीपी नेता पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती।

पूर्वांचल में भाजपा ने चौहान मतदाता साधकर सात सीटों पर किया खेला

विनय जायसवाल, मऊ

■ जनवादी पार्टी के साथ आने से भाजपा को कड़े मुकाबले वाली सीटों पर बढ़त के आसार

■ सुभासपा और जनवादी पार्टी के साथ सपा के गठबंधन से पिछली बार बिगड़ गया था खेल

अमृत विचार। पूर्वांचल की राजनीति में चुनाव के समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। जनवादी पार्टी के भाजपा के साथ आने से घोसी, गाजीपुर और आसपास की सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों को लाभ मिलने के आसार हैं। पिछले विधानसभा चुनाव सुभासपा और जनवादी पार्टी के समाजवादी पार्टी के साथ होने से भाजपा को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा था। सुभासपा पहले से ही भाजपा के साथ है और अब जनवादी पार्टी प्रमुख संजय सिंह चौहान के जुड़ने से पिछड़ी जाति में आने वाले चौहान (नोनिया) जाति के मतदाताओं को साधने में भाजपा को आसानी हो सकती है।

संजय चौहान को इस जाति का बड़ा नेता माना जाता है। आजमगढ़, घोसी, गाजीपुर, भदोही, चंदौली, जौनपुर, मछलीशहर आदि सीटों पर इस जाति के मतदाताओं की अच्छी-खासी संख्या है। 2019 के चुनाव में जनवादी पार्टी का सपा से गठबंधन था। संजय सिंह चौहान सपा के चुनाव निशान पर चंदौली सीट से मैदान में उतरे थे। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार एवं केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय को कड़ी टक्कर दी थी। इस सीट पर उन्हें महेंद्र नाथ पांडेय से 13,959 वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। तब सुभासपा भी भाजपा के साथ नहीं थी। विधानसभा चुनाव में भी दोनों दल सपा के साथ थे। सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर की राजभर मतदाताओं पर अच्छी खासी पैठ है तो संजय सिंह चौहान को नोनिया चौहान जाति का प्रभावशाली नेता माना जाता है।

हालांकि भाजपा पहले फागू चौहान के सहारे नोनिया जाति के मतदाताओं को साधती रही। बाद में दारा सिंह चौहान आए तो उनके भरोसे इस तबके को साधने का प्रयास किया गया लेकिन अच्छा परिणाम न आता देख पार्टी ने संजय सिंह चौहान को साथ ले लिया। संजय सिंह चौहान सपा के सिंबल पर घोसी सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन सपा ने यहां राजीव राय को मैदान में उतार दिया। इससे वे नाराज हो गए और अब भाजपा के साथ चले गए।

जनवादी पार्टी नेता संजय सिंह चौहान।

एक नजर

मनरेगा के कार्य प्रभावित तेजी लाने के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : चुनाव के कारण गांवों में मनरेगा के कार्य प्रभावित हैं। अधिकारियों व कर्मचारियों की चुनाव में ड्यूटी होने के कारण कार्यों पर फोकस नहीं है। इस वजह से मस्टररोल जारी नहीं हो रहे हैं। इससे श्रमिक प्रभावित हैं और कार्य भी रुके हैं। ग्राम्य विकास मुख्यालय ने समीक्षा में संज्ञान लिया है। नियमित कार्य कराने के निर्देश जिलों के उपायुक्त स्वत : रोजगार श्रम को दिए हैं।

यूपीएसआईएफएस में आवेदन की तिथि बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) में छात्रों के प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि 31 मई तक बढ़ा दी गई है। यह जानकारी संस्थान के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने दी है।

131 इनामी अपराधी गिरफ्तार, 72 अब भी फरार

साढ़े चार माह में लखनऊ जोन के सभी 10 जिलों में पुलिस ने की कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश को अपराध मुक्त करने की घोषणा के बाद लखनऊ जोन की पुलिस ने साढ़े चार महीने में 131 इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हालांकि 72 इनामी अपराधी फरार हैं। जोन में अंबेडकरनगर एकमात्र जिला है, जिसे पुलिस ने इनामी अपराधियों से मुक्त कर दिया है। बाराबंकी में 14 अपराधी अभी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। जबकि, उन्नाव पुलिस एक भी अपराधी नहीं गिरफ्तार कर सकी है।

बता दें कि लखनऊ जोन की पुलिस ने जोन के सभी 10 जिलों से 203 अपराधियों को चिन्हित कर उनपर 25 हजार से लेकर एक लाख तक का इनाम रखा था। लखनऊ परिक्षेत्र के हरदोई जिले में सर्वाधिक 51 अपराधियों पर इनाम रखा गया था। जिसमें से 43 गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उन्नाव में कुल तीन अपराधियों पर इनाम रखा गया था, साढ़े चार महीने में उन्नाव पुलिस एक भी इनामी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

- **इनामी अपराधियों से मुक्त हुआ अंबेडकरनगर, हरदोई से अब तक 43 गिरफ्तार**

> शासन अपराधियों को लेकर काफी सख्त है। जोन की पुलिस ने कुख्यात अपराधियों को चिन्हित कर उनपर इनाम रखा था। 65 फीसदी अपराधी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। जल्द ही बाकी भी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। इसके साथ ही इन अपराधियों का सहयोग करने वालों पर भी नजर रखी जा रही है
>
> **-अमरेंद्र कुमार सेंगर**, एडीजी, लखनऊ जोन

अयोध्या परिक्षेत्र में 25 गिरफ्तार

अयोध्या परिक्षेत्र में बाराबंकी में सर्वाधिक 39 अपराधियों पर इनाम रखा गया था जिसमें 25 को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस परिक्षेत्र में अंबेडकरनगर में कुल पांच इनामी अपराधी चिन्हित थे। यहां सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। दोनों परिक्षेत्रों में मिलाकर 72 इनामी अपराधी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। बता दें कि उक्त अपराधियों में दो की मृत्यु हो चुकी है।

लखनऊ परिक्षेत्र की स्थिति

पुलिस ने हरदोई में 51, खीरी में 17, रायबरेली में 22, सीतापुर में 30 और उन्नाव में तीन अपराधियों को चिन्हित कर इनाम घोषित किया था। पुलिस के मुताबिक साढ़े चार माह में 78 फीसदी अपराधी गिरफ्तार किए जा चुके हैं 40 की तलाश की जा रही है।

अयोध्या परिक्षेत्र की स्थिति

यहां अयोध्या में 21, सुल्तानपुर में 08, बाराबंकी में 39, अंबेडकरनगर में 05 और अमेठी में सात अपराधियों को चिन्हित कर इनाम रखा गया था। इनमें से 60 फीसदी अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। 32 की तलाश की जा रही है।

ललितपुर इकाई नहीं हो पाई चालू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **ऊंचाहार व ओबरा इकाइयों के रात तक चालू होने की संभावना**
- **बिजली की अधिकतम मांग 28,315 मेगावाट पर पहुंची**

अमृत विचारः भीषण गर्मी में ज्यादा लोड के कारण उत्पादन बिजलीघरों की बंद हुई इकाइयों के चालू न होने के कारण प्रदेश में बिजली संकट की स्थिति बनी हुई है। ऊंचाहार व ओबरा बिजलीघरों की बंद इकाइयों के गुरुवार की देर रात तक और ललितपुर परियोजना की 660 मेगावाट क्षमता की इकाई के 25 मई को चालू होने की संभावना है। इस बीच, गुरुवार को प्रदेश में बिजली की अधिकतम मांग 28,315 मेगावाट दर्ज हुई।

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के सूत्रों के अनुसार मांग व उपलब्धता के बीच अंतर बने होने के कारण प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती जारी है। गुरुवार को शाम के वक्त प्रदेश में लगभग 25,500 मेगावाट बिजली की मांग हो रही थी, जबकि इस समय प्रदेश में तापीय बिजलीघरों में 4800 मेगावाट व जलीय परियोजनाओं में उत्पादन 750 मेगावाट उत्पादन हो रहा था। बिजली की मांग को पूरा करने के लिए एनर्जी एक्सचेंज से बिजली आयात की जा रही थी।

किसानों को नहीं मिल रही मुफ्त बिजली

कॉरपोरेशन के सूत्रों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीणों-किसानों को भारी दिक्कतें हो रही हैं। एक ओर जहां घोषणा के बाद भी सिंचाई के लिए किसानों को मुफ्त बिजली नहीं मिल रही हैं, वहीं अघोषित कटौती होने से किसानों के सामने समस्या बढ़ गई है।

सूत्रों ने बताया कि स्थानीय खराबी के कारण प्रदेश में ट्रांसफार्मर के फुंकने व लाइनों में खराबी आने से प्रदेश भर में बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। समय पर बिजली आपूर्ति चालू न होने से लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है।

छठे चरण में मेनका गांधी समेत 16 महिला प्रत्याशी चुनावी मैदान में

भाजपा ने दो, सपा व बसपा ने एक-एक महिला प्रत्याशी पर किया भरोसा

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

मेनका गांधी

नीलम सोनकर

प्रिया सरोज

इंदु चौधरी

अमृत विचारः छठे चरण में 14 सीटों पर होने वाले चुनाव में भाजपा से मेनका गांधी, सपा की प्रिया सरोज, बसपा की इंदू चौधरी समेत कुल 16 महिला प्रत्याशी मैदान में हैं। इन सीटों में केवल लालगंज (सु.) है जहां पर तीन महिलाएं आमने-सामने हैं। कई सीटों पर तो महिला प्रत्याशी ही नहीं हैं।

लालगंज (सु.) सीट पर भाजपा से पूर्व सांसद नीलम सोनकर व बसपा से प्रोफेसर इंदु चौधरी के सामने निर्दलीय प्रत्याशी सुष्मिता सोनकर चुनाव मैदान में हैं, जबकि सपा ने दरोगा प्रसाद सरोज को चुनाव मैदान में उतारा है।

सुल्तानपुर सीट पर भाजपा से पूर्व मंत्री मेनका गांधी अकेली महिला प्रत्याशी हैं। विपक्षी दलों ने महिलाओं को प्रत्याशी नहीं बनाया है। इंडी गठबंधन की ओर से सपा के प्रत्याशी पूर्व मंत्री राम भुआल निषाद और बसपा के उदराज वर्मा चुनाव मैदान में हैं।

- **भाजपा की प्रत्याशी मेनका गांधी और नीलम सोनकर की भी कठिन परीक्षा**

आजमगढ़ सीट पर बसपा से मशहूद साहीबा अंसारी संसद में पहुंचने की कोशिश में हैं, साथ ही, अम्बेडकरनगर सीट पर पीस पार्टी की शबाना खातून और मूल निवासी पार्टी से नीलम सिंह ताल ठोक रही हैं। प्रतापगढ़ सीट पर भारतीय लोकमत राष्ट्रवादी पार्टी से गीता देवी चुनाव लड़ रहीं हैं।

प्रिया सरोज के सामने बीपी सरोज

मछलीशहर (सु.) सीट पर सपा से प्रिया सरोज के मुकाबले में भाजपा ने मौजूदा सांसद बीपी सरोज को मैदान में उतारा है। हालांकि इसी सीट पर समाज परिवर्तन पार्टी की ओर से उर्मिला चुनावी लड़ाई में संघर्ष कर रही हैं। इसके अलावा इलाहाबाद में फूलपुर सीट पर अपनादल (कमेरावादी) से महिमा पटेल और सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी की संगीता यादव किस्मत अजमा रहीं हैं।

श्रावस्ती सीट से राष्ट्रीय जनता पार्टी से कुमारी गीता गौतम समेत चार निर्दलीय महिला प्रत्याशियों में एक शांति देवी चुनाव मैदान में हैं। अन्य निर्दलीय महिला प्रत्याशियों में किरन देवी ने डुमरियागंज से और गीता रानी शर्मा इलाहाबाद सीट से चुनाव मैदान में हैं। इस प्रकार दलवार महिला प्रत्याशियों पर गौर करें तो 16 महिला प्रत्याशियों में चार निर्दलीय हैं। भाजपा के टिकट पर दो और सपा व बसपा समेत अन्य दलों ने केवल एक-एक महिला प्रत्याशी को चुनाव में उतारा है।

छठे चरण का चुनाव प्रचार थमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश में छठे चरण की 14 सीटों व एक विधानसभा सीट पर चुनाव के लिए गुरुवार को शाम छह बजे चुनाव प्रचार थम गया। मतदान के लिए 24 मई को पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान के लिए समुचित तैयारी करने के निर्देश दिये हैं। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भाजपा समेत विपक्षी दलों ने अपने प्रत्याशियों को जिताने के लिए पूरी ताकत झोक दी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि लोकसभा सीटों पर कुल 162 प्रत्याशी व बलरामपुर की गैंसड़ी विधानसभा सीट पर सात प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जिन लोकसभा सीटों पर मतदान होना है, उनमें सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, प्रयागराज, अम्बेडकरनगर, श्रावस्ती, डुमरियागंज, बस्ती, संतकबीर नगर, लालगंज (अजा), आजमगढ़, जौनपुर, मछलीशहर (अजा) व भदोही सीटें शामिल हैं। इसमें 12 सीटें सामान्य श्रेणी की हैं और दो सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाताओं व मतदान कर्मियों को गर्मी से बचाव के लिए समुचित व्यवस्था किये जाने के निर्देश जारी किये गये हैं। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं को शत-प्रतिशत सूचना पर्ची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं।

मतदान कर्मी मतदाताओं से विनम्र व्यवहार करें

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मतदान कर्मियों को मतदाताओं के साथ विनम्र व्यवहार करने के निर्देश जारी किये हैं। कहा गया है कि मतदान के दौरान मतदाताओं को कोई दिक्कत न होने पाये। जिला निर्वाचन अधिकारियों को जारी निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक पोलिंग स्टेशन पर बने वोटर असिस्टेंस बूथ पर एल्फाबेटिक लोकेटर मतदाता सूची के साथ सुनिश्चित की जाय। बीएलओ स्वयं ही ड्यूटी पर तैनात रहें, उसके स्थान पर उनके पुत्र, पति व रिश्तेदार ड्यूटी पर न रहें। इसके साथ ही, प्रवेश द्वार पर प्रत्येक पोलिंग बूथ की जानकारी, पानी की सुविधा, शौचालय आदि के संबंध में उचित साइनेज लगाया जाए। मतदाता सूचना पर्ची का शत-प्रतिशत वितरण कराते हुए मतदाताओं के नाम व मोबाइल नंबर आदि का विवरण भी लिया जाय।

आपराधिक व्यक्तियों के लाइसेंसी शस्त्र जब्त

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 16 मार्च से अब तक पुलिस विभाग की ओर से आपराधिक व्यक्तियों के 537 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये हैं। 4765 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये हैं। इसी प्रकार शांति भंग की आशंका में 28,08,638 लोगों को पाबंद किये जाने के लिए नोटिस भेजी गई, जिसमें 26,47,872 लोगों को पाबंद किया जा चुका है।

ऊर्जा निगमों के संविदा श्रमिक हों नियमित

अमृत विचार, लखनऊः विद्युत कर्मचारी महासंघ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष आरएस राय ने कहा कि ऊर्जा निगमों में कार्यरत संविदा श्रमिकों को नियमित किया जाय। राय गुरुवार को नरही में विद्युत संविदा मज़दूर संगठन उप्र की प्रादेशिक कार्यकर्ता बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने नियमित कार्यों को करने वाले संविदा कर्मियों को क़ानून के अनुसार नियमित कर्मचारियों के बराबर वेतन देने और नियमित करने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि साठ हज़ार संविदा कर्मियों को नियमित न कर उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है। समान कार्य पर समान वेतन नहीं दिया जा रहा है। बैठक का संचालन संगठन के कार्यवाहक अध्यक्ष सुंदर लाल व संचालन प्रदेश प्रभारी पुनीत राय ने किया। इस मौके पर नवल किशोर सक्सेना को संगठन का प्रांतीय अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया।

देश को लूटना ही इंडी गठबंधन का उद्देश्य

बिहार के पूर्वी चंपारण लोकसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **योगी आदित्यनाथ ने बिहार की पूर्वी और पश्चिमी चंपारण लोस. सीट के लिए किया प्रचार**

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिहार में प्रचार करते हुए दो लोकसभा सीटों के लिए जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बिहार के पूर्वी और पश्चिमी चंपारण लोकसभा क्षेत्र में प्रत्याशियों के पक्ष में जनता से वोट की अपील की। योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल का उद्देश्य मिलकर लड़ना और जीतकर लूटना है।

भाजपा मुख्यालय लखनऊ से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, योगी ने वहां जनसभा में मौजूद बुलडोजर को देखते हुए कहा कि यहां आने से पहले जो बुलडोजर यहां मंगाया गया है, यही माफिया और आतंकवादियों का सबसे अच्छा उपचार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) देश में पर्सनल लॉ के जरिए तालिबानी शासन लागू करना चाहते हैं। ऐसे तालिबानी शासन में बेटियां पढ़ने नहीं जा पाएंगी, महिलाएं बाजार नहीं जा पाएंगी और बुर्के में कैद हो जाएंगी, जिसे कोई भी हिन्दुस्तानी बर्दाश्त नहीं कर सकता है।

कैमरे की नजर में रहेंगे आश्रम पद्धति विद्यालयों के शिक्षक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **94 में से 70 स्कूलों में लगाए जा चुके सीसीटीवी कैमरे**
- **एक जुलाई से अध्यापकों पर रखी जाएगी नजर**

अमृत विचार : शिक्षकों और विभागीय कर्मियों की मनमर्जी पर रोक लगाने और उनकी कार्यशैली पर नजर रखने के लिए आश्रम पद्धति विद्यालय में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जा रहे हैं। इसके बाद गुरुजन स्कूल से गायब हो सकेंगे और न कक्षाओं से। प्रदेश के 94 आश्रम पद्धति विद्यालयों में से 70 में सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं।

बता दें कि मार्च के अंतिम सप्ताह से आश्रम पद्धति विद्यालय में सीसीटीवी कैमरे लगने शुरू हुए थे। समाज कल्याण निदेशक ने सभी 94 विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए थे। 70 विद्यालयों में ही सीसीटीवी कैमरे लग सके हैं। समाज कल्याण निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि इसका कंट्रोल रूम निदेशालय में होगा। इससे विद्यालयों में अध्यापक समय से आ रहे हैं और कक्षाओं में कितना समय दे रहे हैं इसकी जानकारी भी मिल सकेगी।

तो वहीं दूसरी ओर कैमरे लग जाने से विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हो जाएगी।

अगले चरण में 75 वृद्धाश्रम में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

15 जून तक प्रदेश के सभी 75 वृद्धाश्रम में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएंगे। एक जिले में एक वृद्धाश्रम है। 40 वृद्धाश्रम के लिए सीसीटीवी कैमरे खरीदे जा चुके हैं। 15 जून तक आश्रम पद्धति विद्यालय और वृद्धाश्रम में काम पूरा किया जाना है। इनका कंट्रोल रूम भी निदेशालय में बनाया जाएगा।

वर्ग पहेली-79

बाएं से दाएं

1. पानी उलीचने या डालने के लिए एक कृषि उपकरण, हाथा।
3. कुआं बनाने या कुआं खोदने वाला आदमी।
4. 1. गली, कूचा 2. सड़कों पर वाहनों के सुचारु यातायात
5. संन्यासी या अतिथि के लिए निकाला हुआ भोजन।
6. 1. श्रेणी, वर्ग, दरजा 2. विभाग, खंड 3. गिरोह, समूह।
7. 1. आगे की ओर फिसलना, सरकना 2. ऊपर से नीचे की ओर फिसलते हुए आना।
8. 1. मचना या फैलना 2. उठना।
9. 1. भुरकने की क्रिया या भाव 2. कुल्हड़, कूजा 3. मिट्टी की दवात 4. मिट्टी का प्याला, कसोरा 5. चूर्ण, बुकनी।
10. 1. समुद्र का कोई विशेष खंड 2. ताल, झील 3. क्रिकेट खेल में बल्लेबाज़ के द्वारा एक विकेट से दूसरे विकेट तक बिना बहिर्गत हुए दौड़ लगाना।
11. 1. विलक्षण, अद्भुत 2. श्रेष्ठ 3. अजीबोगरीब।

ऊपर से नीचे

1. एकत्रित जनसमूह, भीड़।
2. 1. जिसके बारे में जानकारी न हो, अपरिचित 2. जिसे जानकारी न हो, अनभिज्ञ 3. निश्छल, भोला

वर्ग पहेली -78 का हल

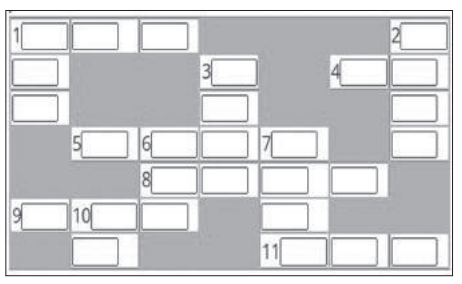

	1 त		2 अ		3 ची	नी
4 त	रं	ग	व	ती		
	गी		ले			5 उ
6 छु		7 उ	ख	म		त
8 आ	कं	प	न		9 दू	र
छू		वे				वा
त		10 द	ल	म	ल	ना

सुडोकू -158

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		
	2			6				
			7					
4								8
				3				
					4			
							7	
		5			1			

सुडोकू -157 का हल

4	1	2	9	8	5	3	6	7
7	8	6	1	4	3	2	9	5
5	9	3	6	7	2	1	4	8
1	3	4	8	9	7	6	5	2
2	7	5	3	1	6	9	8	4
8	6	9	2	5	4	7	1	3
9	5	7	4	3	1	8	2	6
6	4	8	7	2	9	5	3	1
3	2	1	5	6	8	4	7	9

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 मई शुक्रवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-प्रतिपदा 19 .24 तक तत्पश्चात द्वितीया।

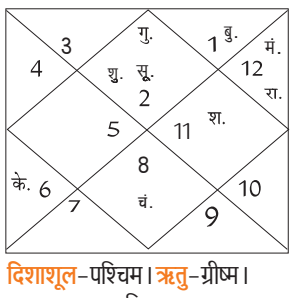

मेष – आज का दिन आपके लिए तनाव भरा हो सकता है। यदि आवश्यक न हो तो कोई बड़ा निर्णय आज न लें। भाई-बहन को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं। अपनी रुचि के विषय का गहराई से अध्ययन कर सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें।

वृष – आज का दिन काफी शुभ रहेगा। अधिकारियों का व्यवहार आपके लिए काफी सहयोगात्मक रहेगा। आप कुछ नया परिवर्तन कर सकते हैं। आपको अपनी कमजोरियों को पहचानने और उसे दूर करने का काम करना चाहिए।

मिथुन – आज आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। नकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से दूर रहें। संतान के व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे। पुराना ऋण चुकाने में सफलता मिलेगी। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। नाक, कान या गले में इन्फेक्शन की संभावना हो सकती है।

कर्क – आज ऑनलाइन ठगों से सावधान रहें। ज्यादा देर तक बैठकर करने वाले कार्यों को टालना उत्तम रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में नए मित्र मिल सकते हैं। सर्विस प्रदाता सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए दिन काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

सिंह – आज समाज की बुराइयों को लेकर आप कुछ रुष्ट हो सकते हैं, किंतु आपको किसी से विरोध नहीं लेना चाहिए। मौसम में बदलाव के कारण कुछ जुकाम जैसी समस्या हो सकती है। आप कई दिनों से जिस अवसर की तलाश में थे, वह आपको मिल सकता है।

कन्या – आज अचानक पुराने मित्रों से मिलने का अवसर बन सकता है। यात्रा के दौरान आप कुछ असहज रहेंगे। साइबर ठगों की चपेट में आ सकते हैं। आपकी प्रवृत्ति कुछ नया सीखने की हो सकती है। अपनी पुरानी किताबों की तरफ बढ़ सकते हैं।

तुला – आज लोग आपके प्रशंसक बन सकते हैं। विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। अचानक धन लाभ होने की संभावना बन रही है। जीवनसाथी के साथ सामंज्य बना रहेगा। अपनी बौद्धिक क्षमता द्वारा लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

वृश्चिक – आज मेडिकल व्यवसाय से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है। अधीनस्थ कर्मचारियों पर नजर बनाकर रखें। छात्रों को पढ़ाई में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ेगी। कानूनी मामलों में आपको विजय मिल सकती है।

धनु – आज आप जितने सम्मान के पात्र हैं, उतना सम्मान लोग आपको नहीं दे रहे हैं। इसीलिए आपको धैर्यवान होकर परिस्थितियों का अवलोकन करना चाहिए। बड़बोलेपन के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं।

मकर – आज अपनी आवश्यकताओं के अनुसार ही खर्च करें। संपत्ति विवादों के परिणाम आपके पक्ष में आएंगे। अविवाहित लोगों के विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। वैवाहिक जीवन की परेशानियों का निवारण होगा।

कुंभ – आज कारोबार के उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। अधिकारी वर्ग के लोग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक जीवन कुछ अशांत हो सकता है। यदि आप किसी बैठक या साक्षात्कार में सम्मिलित हो रहे हैं तो परिणाम आपके पक्ष में हो सकते हैं।

मीन – आज कड़वी भाषा का प्रयोग न करें। व्यवसाय में धन हानि हो सकती है। इसीलिए आपको काफी सावधान रहना चाहिए। आप अपने शौकों की पूर्ति में लगे रहेंगे। घर में नजदीकी रिश्तेदारों का आगमन हो सकता है।

आज का पंचांग

दिशाशूल-पश्चिम। ऋतु-ग्रीष्म। चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ। ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-अनुराधा 10 .10 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
- आज का महात्मा — सुबह : 10 .51
- चाइना गेट — रात : 07 .00

SONY PIX
- द शौशैंक रिडेम्पशन — दोपहर : 01.15
- स्पाइडर मैन — रात : 09 .00

&pictures
- मिस्टर एंड मिसेज खिलाड़ी — सुबह : 11.26
- जिगर वाला नंबर 1 — शाम : 04 .45

ZEE CINEMA
- जहर — सुबह : 11.00
- जिस्म — रात : 08.10

colors CINEPLEX
- स्टूडेंट ऑफ द ईयर — सुबह : 08.06
- कभी अलविदा न कहना — शाम : 05.58

आज की सुपरहिट फिल्म

जी सिनेमा पर सुबह : 11.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पप्पू – इतना परेशान क्यों है?
गप्पू – अरे यार, मैंने अपनी गर्लफ्रेंड को दो बड़े-बड़े टेडी बियर गिफ्ट किए थे।
पप्पू – तो इसमें परेशान होने की क्या बात है?
गप्पू – उसकी मम्मी ने दोनों की रुई निकलवाकर दो तकिए भरवा लिए।

भिखारी– कुछ दे दो साहब, लाचार हूं।
सिंटू– हट्टे-कट्टे तो दिख रहे हो। लाचार किस चीज से हो?
भिखारी– अपनी आदत से।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 985 फ्लैग 1000 डीएमओ 870 बोल्ड 1160, सम्भल-चन्दौसी-शिवालिक 1000 फ्लैग 1100 बोल्ड 1140 डीएमओ 880।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-

गेहूंदड़ा	2350-2500
आरआर 21	2550-2600
गेहूंफ़ारम	2600-2700
जौ	2000 -2100
ज्वार	2000 -4000
बाजरा	2100-2150
मकाई	2200 -2400

दलहन (प्रति क्वि.)

लोकल	मिल डिलीवरी
चना	6200 -6400
अरहर	9000 -10000
मसूर	5500 -5600
मटर	3700 -4000
उड़दहरा	10000 -11000
उड़दकाला	6000 -8000
मूंग	8500 -8800

दाल (प्रति क्वि.)

अरहरफूल	17000-17100
अरहरस्पेशल1	14300-14400
चनादाल	7800-7900
मटरदाल	4850-4950
मसूरमलका	7300-7350
मसूरदाल	7500-7550
उड़ददाल	9000- 13000
उड़द धोवा	10000- 13000
मूँगदाल	9500 -10500
मूँग धोवा	10000-11500

चावल (प्रति क्वि.)

अरवा	2000 - 2300
बासमती नं.1	8500 - 10000
सेला	2500 - 3000
बासमती नं.2	6500 - 7500

आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)

आटा	1380-1430
मैदा	1350-1400
सूजी	1410-1430

चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)

शाहपसंद	1325-1350

तिलहन (प्रति क्वि.)

लाही	5400-5500
अलसी	4500 -4600 रुपये।

आरबीआई लाभांश से घाटा कम होने पर भारत को मिलेगा रेटिंग समर्थन

रिजर्व बैंक के फैसले को लेकर एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग के विश्लेषक ने कही बात

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत अगर राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के रिकॉर्ड लाभांश का उपयोग करता है, तो उसे आने वाले समय में 'रेटिंग समर्थन' मिल सकता है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग के एक विश्लेषक ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

आरबीआई के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सरकार को 2.1 लाख करोड़ रुपये का लाभांश देने का फैसला किया है। यह अबतक का सर्वाधिक लाभांश है। यह बजट में जताए गए 1.02 लाख करोड़ रुपये के अनुमान से दोगुने से भी अधिक है। अंतरिम बजट में सरकार ने आरबीआई और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से कुल 1.02 लाख करोड़ रुपये की लाभांश आय का अनुमान जताया था। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के विश्लेषक यीफर्न फुआ ने कहा- आरबीआई से अतिरिक्त लाभांश सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 0.35 प्रतिशत है। यह वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटे को कम करने में मदद करेगा या नहीं, यह वास्तव में अंतिम बजट पर निर्भर करेगा। यह जून के चुनाव परिणामों के बाद पारित किया जाएगा। इस साल फरवरी में संसद में पेश अंतरिम बजट में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान रखा गया है। उन्होंने कहा कि आरबीआई के अधिक लाभांश से घाटे में कमी कुछ बातों पर निर्भर है। अंतिम बजट में विनिवेश जैसे क्षेत्रों से राजस्व प्राप्ति कम रहती या व्यय मद में अतिरिक्त आवंटन होता है तो आरबीआई के अतिरिक्त लाभांश से घाटे में बहुत ज्यादा कमी नहीं आएगी।

पिछले साल एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की रेटिंग 'बीबीबी-' रखी थी

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने पिछले साल मई में ने वृद्धि पर स्थिर परिदृश्य के साथ भारत की रेटिंग 'बीबीबी-' रखी थी। इसके साथ कमजोर वित्तीय प्रदर्शन और प्रति व्यक्ति कम जीडीपी को जोखिम के रूप में चिह्नित किया था। 'बीबीबी-' निवेश को लेकर सबसे निचले स्तर की रेटिंग है। तीनों वैश्विक रेटिंग एजेंसियों - फिच, एसएंडपी और मूडीज - ने स्थिर परिदृश्य के साथ भारत को सबसे कम निवेश स्तर की रेटिंग दी हुई है। निवेशक किसी देश में निवेश करते समय रेटिंग पर गौर करते हैं।

रिलायंस कैपिटल ने समाधान योजना लागू करने के लिए और समय मांगा

नई दिल्ली। कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के प्रशासक ने कर्ज समाधान योजना लागू करने की समयसीमा 90 दिन आगे बढ़ाने की एनसीएलटी से मोहलत मांगी है। स्वीकृत समाधान योजना के कार्यान्वयन की समयसीमा 27 मई, 2024 तय की गई थी। रिलायंस कैपिटल के लिए हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल ने सफल बोली लगाई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता, 2018 की धारा 60(5) के तहत राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) से समयसीमा को 90 दिन के लिए बढ़ाने की अपील करने वाली एक अर्जी दाखिल की गई है। एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने 27 फरवरी को कर्ज समाधान योजना को मंजूरी दी थी।

सोने में 1,050 और चांदी की कीमत में 2,500 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने में लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही। वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोना 1,050 रुपये की गिरावट के साथ 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, फेडरल रिजर्व की बैठक के ब्योरे में आक्रामक रुख दिखने के बाद सोने में तेज गिरावट आई। ब्योरे से संकेत मिलता है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारी ब्याज दरों में कटौती करने की जल्दी में नहीं हैं। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 74,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके साथ, चांदी की कीमत भी 2,500 रुपये औंधे मुंह लुढ़कते हुए 92,600 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 95,100 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा-विदेशी बाजारों से मंदी के संकेत लेते हुए दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें (24 कैरेट) 1,050 रुपये की गिरावट के साथ 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स (जिंस बाजार) में हाजिर सोना 2,375 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से 42 डॉलर कम है।

सर्राफा

कानपुर

चाँदी 999 (प्रति किलो)	95,350
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	95,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	100000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	76,100
गिन्नी (प्रति नग)	56,700-56,900

लखनऊ

सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	74,350
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	74,200
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	90,000
चांदी तैयार	90,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000

बरेली

सोना जेवरात पक्के	73,900
सोना जेवरात गिन्नी	72,900
चांदी पक्की	894 (अनुमानित)

मुरादाबाद

सोना 24 कैरेट	74,150
चांदी आभूषण	90,200।

प्याज की कमी को रोकने के लिए विकिरण प्रसंस्करण की योजना

नई दिल्ली। सरकार इस साल 1,00,000 टन का बफर स्टॉक बनाने के लिए प्याज के विकिरण प्रसंस्करण को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने की योजना बना रही है। इस कदम का मकसद राजनीतिक रूप से संवेदनशील माने जाने वाले प्याज की कमी और मूल्यवृद्धि को रोकना है। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी है। सरकार के अनुमानों के अनुसार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में कम पैदावार के कारण दुनिया के सबसे बड़े प्याज निर्यातक के उत्पादन में 2023-24 में 16 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है।

केंद्रों पर सरकारी खरीद को भाव नहीं दे रहा गेहूं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **प्रदेश में 6,441 केंद्रों पर महज 9,07,477 मीट्रिक टन हुई गेहूं खरीद**

अमृत विचार : बढ़े बाजार भाव के कारण इस बार भी सरकारी गेहूं खरीद कार्य समय से पहले बंद होने वाला है। आवक न होने से सरकार के लिए किसानों से लक्ष्य के मुताबिक गेहूं खरीदना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए भंडारण करना मुश्किल है।

प्रदेश में 1 मार्च से 22 मई तक 6,441 केंद्रों पर महज 9,07,477 मीट्रिक टन (15.12 प्रतिशत) गेहूं खरीद हुई है। जबकि लक्ष्य 60 लाख मीट्रिक टन है। 43 केंद्रों पर बोहनी तक नहीं हुई है। कारण केंद्रों पर समर्थन मूल्य 2,275 रुपये प्रति क्विंटल है और बाजार में व्यापारी 2300-2400 रुपये में सीधे गांव-गांव गेहूं खरीद रहे हैं। खरीद जून तक होगी लेकिन, आवक न होने के कारण समय से पहले केंद्र दम तोड़ गए हैं। वर्ष 2023-24 में हालात इससे भी खराब थे। 22 मई तक 60 लाख मीट्रिक टन में 2,09,706 मीट्रिक टन गेहूं ही खरीदा गया था। उस समय 2,800 रुपये प्रति क्विंटल तक बाजार भाव था। इसी उम्मीद में किसान अधिक मुनाफे के चक्कर में गेहूं घरों पर रोक रखे हैं तो व्यापारी भी डंप करने में पीछे नहीं हैं।

यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण बिगड़े हालात: गेहूं का बाजार भाव बढ़ना यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध वजह बताई जा रही है। यूक्रेन गेहूं का अधिक उत्पादन कर अन्य देशों में निर्यात करता है। जो युद्ध के कारण 2022 से नहीं कर सका। उस समय पूर्ति भारत से की गई थी। इस वजह से वर्ष 2022-23 में बाजार भाव 3 हजार से 3200 रुपये प्रति क्विंटल तक रहा और खरीद 60 लाख मीट्रिक टन में महज 3.35 लाख मीट्रिक टन हो पाई। यही हालात वर्ष 2023-24 में होने के कारण 2.19 लाख मीट्रिक टन खरीद हुई। जबकि युद्ध से पहले 2021-22 में 56.41 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया था। जानकारों की मानें तो पिछले वर्ष हालातों को देखते हुए गेहूं के निर्यात पर रोक लगाई गई थी।

राशन वितरण में घटता गया गेहूं: गेहूं खरीद का असर राशन वितरण प्रणाली पर पड़ना बताया जा रहा है। इस वजह से कार्डों पर गेहूं की मात्रा घटती जा रही है। पहले पात्र गृहस्थी पर प्रति यूनिट 3 किलो गेहूं व 2 किलो चावल मिलता था, जो संशोधन कर 2 किलो गेहूं व 3 किलो चावल किया गया। इसके बाद गेहूं 1 किलो गेहूं, 2 किलो चावल व 2 किलो बाजरा किया गया। इसी तरह अंत्योदय कार्ड पर पहले 20 किलो गेहूं व 15 किलो चावल मिलता था। जो 21 किलो चावल व 14 किलो गेहूं किया गया। इसके बाद 14 किलो गेहूं व 14 किलो चावल व 7 किलो बाजरा (मोटा अनाज) मिलने लगा। हालांकि इसे मोटे अजान को बढ़ावा देना बताया जा रहा है।

वहीं राजीव मिश्रा, अपर आयुक्त (विपणन) खाद्य एवं रसद विभाग ने बताया कि किसानों को बाजार में अच्छे भाव मिल रहे हैं। इस वजह से खरीद कम हो रही है। लक्ष्य पूर्ति के प्रयास जारी हैं। खाद्यान वितरण के भंडारण के लिए एफसीआई इंतजाम करती है।

राष्ट्रीय

स्वाति मालीवाल बोलीं-मैं पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए तैयार

राज्यसभा सांसद ने साक्षात्कार में आपबीती सुनाई, बिभव ने पता नहीं किसके इशारे पर मुझे 7-8 थप्पड़ मारे

नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने एक साक्षात्कार में 13 मई को अपने साथ हुई आपबीती सुनाई। साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि मैंने किसी को क्लीन चिट नहीं दी है। घटना के दिन अरविंद केजरीवाल घर पर मौजूद थे। साथ ही उन्होंने राज्यसभा सीट छोड़ने पर भी दो टूक जवाब दिया। इसी बीच उनके पीए बिभव कुमार वहां आए और मुझे गालियां देने लगे थे। बिभव ने कहा तेरी औकात क्या है। उन्होंने पता नहीं किसके इशारे पर मुझे 7-8 थप्पड़ मारे थे। मैंने पुलिस को फोन किया। उन्होंने 50 सेकंड का एक छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो वायरल कर दिया, उन्होंने सबूतों के साथ छेड़छाड़ की।

मुझे पता है कि उन्होंने दो वीडियो वायरल किए हैं। सांसद ने कहा कि मैं पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए तैयार हूं।

स्वाति मालीवाल ने कहा कि जब केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार ने उन पर हमला किया तो उस वक्त मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल घर में मौजूद थे। इससे पहले केजरीवाल ने कहा था कि घटना वाले दिन वह घर पर नहीं थे। मुझे बताया गया था कि सीएम केजरीवाल घर पर हैं। वह मुझसे मिलने आ रहे हैं। मैं मदद के लिए चिल्ला रही थी। लेकिन कोई मेरी मदद के लिए नहीं आया था।

वहीं स्वाति मालीवाल ने कहा कि निर्भया से पूछा गया था कि उसने ऑटो से यात्रा क्यों नहीं की, वह रात में बाहर क्यों गई और दिन में क्यों नहीं? विक्टिम शेमिंग हर महिला के साथ होती है।

आप मेरे बुजुर्ग माता-पिता को क्यों निशाना बना रहे हैं: केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनके बुजुर्ग एवं बीमार माता-पिता को उन्हें तोड़ने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐसा करके सारी हदें पार कर दी हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनके पास प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक संदेश है। उन्होंने कहा कि मेरे पास प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक संदेश और अपील है। आपने मेरे विधायकों को गिरफ्तार किया लेकिन मैं नहीं टूटा। आपने मेरे मंत्री को गिरफ्तार कर लिया लेकिन आप मुझे झुका नहीं सके।

पुलिस ने मारपीट मामले में केजरीवाल के माता-पिता से पूछताछ टाली

दिल्ली पुलिस आप की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के माता-पिता से पूछताछ करने बृहस्पतिवार को केजरीवाल के आवास पर नहीं जाएगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। केजरीवाल ने बुधवार को कहा था कि पुलिस बृहस्पतिवार को उनके बूढ़े और बीमार माता-पिता से पूछताछ करने आएगी। पुलिस इस मामले में केजरीवाल के निजी सहायक बिभव कुमार को गिरफ्तार कर चुकी है। सूत्रों ने कहा कि पुलिस आने वाले दिनों में पूछताछ के लिए केजरीवाल के आवास जा सकती है लेकिन वह बृहस्पतिवार को वहां नहीं जा रही। सूत्रों ने बताया कि पुलिस आने वाले दिनों में केजरीवाल से भी पूछताछ कर सकती है। वहीं केजरीवाल ने कहा था कल पुलिस ने फोन करके मेरे माता-पिता से पूछताछ के लिए वक्त मांगा था।

दवाओं की अनुपलब्धता से संबंधित जनहित याचिका पर कार्यवाही बंद

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजन बाबू फेफड़े एवं क्षय रोग संस्थान में दवाओं की कथित अनुपलब्धता से संबंधित एक जनहित याचिका पर कार्यवाही बंद कर दी है। अदालत को सूचित किया गया है कि शहर में मौजूदा भंडार कुछ सप्ताह तक चलेगा और शेष आपूर्ति की प्रक्रिया जारी है। इसके बाद अदालत ने याचिका पर कार्यवाही बंद कर दी। केंद्र सरकार और दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक ने अदालत में हलफनामा दायर किया जिसमें दिल्ली के भंडारण गृहों में दवाओं की उपलब्धता के साथ-साथ उनकी आपूर्ति का विवरण दिया गया है। इस साल की शुरुआत में दायर अपनी जनहित याचिका में एनजीओ 'सोशल ज्यूरिस्ट' ने आरोप लगाया था कि अस्पताल में एकमात्र अल्ट्रासाउंड मशीन काम नहीं कर रही है।

ठाणे में रसायन कारखाने में विस्फोट, 7 लोगों की मौत

ठाणे जिले के डोंबिवली में एक रसायन फैक्ट्री में बॉयलर विस्फोट के कारण लगी आग को बुझाने की कोशिश करते अग्निशमन कर्मी। ● एजेंसी

मुंबई, एजेंसी

- **विस्फोट के बाद लगी भीषण आग, 48 अन्य घायल**

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में रसायन बनाने वाले एक कारखाने में बृहस्पतिवार अपराह्न विस्फोट होने के बाद आग लग गई, जिसके कारण कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 48 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक डोंबिवली में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) क्षेत्र के फेज-दो में स्थित अमुदान केमिकल कंपनी के एक बॉयलर में अपराह्न करीब 1.40 बजे विस्फोट होने से भीषण आग लग गई और आस-पास के कारखानों में भी फैल गई। कल्याण के तहसीलदार सचिन शेजल ने कहा कि घटनास्थल से अब तक बरामद किए गए चार शव इतने जले हुए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल है।

महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में जान गंवाने वाले लोग आस-पास के संयंत्रों में काम कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा-दुर्भाग्य से, डोंबिवली घटना में 7 लोगों की जान चली गई, और 48 घायल हो गए। उन परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। उन्होंने कहा-घायलों का इलाज एम्स, नेप्च्यून और ग्लोबल अस्पतालों में किया जा रहा है और हर तरह की सहायता प्रदान की जा रही है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। बचाव कार्य के लिए विभिन्न टीम और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर हैं।

एक नजर

हरियाणा में पकड़ी गई 75 करोड़ की अवैध शराब, मादक पदार्थ

चंडीगढ़। हरियाणा में लोकसभा चुनाव के दौरान प्रवर्तन एजंसियों ने अब तक कुल 18 .56 करोड़ रुपये की नकद राशि के अलावा 56 .88 करोड़ रुपये की अवैध शराब, मादक पदार्थ और अन्य कीमती वस्तुयें जब्त की हैं। इस प्रकार कुल आंकड़ा 75 .44 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जबकि लोकसभा चुनाव 2019 की चुनाव अवधि के दौरान कुल 18 .36 करोड़ रुपये की नकदी, अवैध शराब, मादक पदार्थ और कीमती वस्तुयें जब्त की गई थीं।

सारण में 25 मई तक इंटरनेट पर रोक

छपरा। बिहार में सारण संसदीय क्षेत्र में पांचवें चरण के मतदान के अगले दिन मंगलवार को हुई हिंसक झड़प के मद्देनजर जिला प्रशासन ने इंटरनेट सेवा पर 25 मई की सुबह पांच बजे तक रोक लगा दी है। सारण के निर्वाची पदाधिकारी सह-जिलाधिकारी अमन समीर एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव मंगला ने ने गुरुवार को संयुक्त रुप से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने पत्रकारों की विशेष मांग पर कि उन्हें इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई है।

नवोदय अन्य जिले के होने के कारण छात्र को प्रवेश देने से नहीं रोक सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

- **दिल्ली उच्च न्यायालय ने निर्देश देते हुए की टिप्पणी**

दिल्ली उच्च न्यायालय ने जवाहर नवोदय विद्यालय को निर्देश दिया कि वह सुनिश्चित करे कि किसी छात्र को मात्र इस आधार पर प्रवेश से वंचित नहीं किया जाए कि वह उस जिले का नहीं है जहां पर स्कूल स्थित है। न्यायमूर्ति सी.हरि शंकर ने जवाहर नवोदय विद्यालय, मुंगेशपुर के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें एक छात्रा को प्रवेश देने से मना किया गया था।

अदालत ने कहा कि छात्रा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान छठी कक्षा में प्रवेश की अर्हता रखती है और वहां पर अपनी पढ़ाई जारी रखेगी। अदालत ने यह आदेश एक छात्रा की याचिका पर सुनाया जिसने पांचवीं कक्षा तक की पढ़ाई राष्ट्रीय राजधानी के पेशवा रोड स्थित नवयुग स्कूल में की थी और मुंगेशपुर स्थित जवाहर नवोदय स्कूल में छठी कक्षा में प्रवेश चाहती थी। स्कूल ने छात्रा को इस आधार पर प्रवेश देने से मना कर दिया था कि उसकी पिछली पढ़ाई नयी दिल्ली जिले में हुई थी जबकि मुंगेशपुर इलाका उत्तर पश्चिम दिल्ली के अंतर्गत आता है।

उच्च न्यायालय ने ध्यान दिलाया कि उच्च न्यायालय की एक अन्य पीठ ने इसी प्रकार के मामले पर गौर किया था। एक खण्डपीठ में यह मामला लंबित होने के दौरान एक अंतरिम उपाय के तौर पर पूर्व याचिका वाले छात्रा को जवाहर नवोदय विद्यालय, में पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दी जाती है।

न्यायमूर्ति शंकर ने कहा कि जेएनवी (जवाहर नवोदय विद्यालय) को इसलिए यह सुनिश्चित करने निर्देश दिया जाता है अब से (पूर्व) निर्णय का अनुपाल किया जाए तथा छात्रों को इस आधार पर जेएनवी में प्रवेश से वंचित नहीं रखा जाए कि वे उस जिले के नहीं हैं जहां जेएनवी स्थित है जिससे प्रत्येक छात्र को मुकदमेबाजी के लिए मजबूर न होना पड़े।

केंद्र रेवन्ना को वापस लाने में सहयोग के लिए तैयार

कलबुर्गी (कर्नाटक), एजेंसी

- **यौन उत्पीड़न मामले में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी बोले**

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि जनता दल (एस) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की एक प्रक्रिया है और केंद्र उसे देश वापस लाने में सहयोग करने के लिए तैयार है। प्रज्वल कई महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपी हैं।

राज्य सरकार पर प्रहार करते हुए जोशी ने सवाल किया कि प्रज्वल के विदेश भागने से पहले उनके खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में क्यों नहीं लिया गया? केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस सरकार पर केंद्र पर दोष मढ़ने और इस मुद्दे पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। जोशी मुख्यमंत्री सिद्धरमैया द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दूसरा पत्र लिखकर प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के लिए त्वरित और आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह करने के सवाल पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। जोशी ने कहा-राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की एक प्रक्रिया है...अभी तक सिद्धरमैया, (उपमुख्यमंत्री) डीके शिवकुमार और (गृह मंत्री) परमेश्वर ने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया है।

अभियुक्तों को छुड़ाने के मामले में थानाध्यक्ष निलंबित, दो गिरफ्तार

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले में पुलिस अभिरक्षा से असामाजिक तत्वों द्वारा जबरन चार अभियुक्तों को छुड़ा कर ले जाने के मामले में जहां जाले थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है वहीं, पुलिस ने दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को यहां बताया कि 20 मई 2024 की रात्रि में जाले थाना पर कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा नाजायाज मजमा लगा कर जाले थाना कांड संख्या-103/24 के चार नामजद अभियुक्तों को पुलिस अभिरक्षा से जबरदस्ती छुड़ा लिया गया। मामले के संबंध में 24 नामजद एवं 130-140 अज्ञात अभियुक्तों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई।

भाजपा संविधान बदलने का सपना न देखे : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बोले पार्टी और देश की जनता ऐसा होने नहीं देगी**

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा को देश के संविधान एवं आरक्षण को खत्म करने का सपना देखना छोड़ देना चाहिए क्योंकि उनकी पार्टी और देश के करोड़ों लोग ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के दिलशाद गार्डन में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए लोगों का आह्वान किया कि यह चुनावी संविधान बचाने का चुनाव है।

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि केंद्र में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने पर सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना को खत्म कर दिया जाएगा क्योंकि यह सेना के खिलाफ है। उनका कहना था, अग्निपथ योजना को हम कूड़ेदान में फेंकने वाले हैं क्योंकि यह सेना के खिलाफ है, देशभक्ति के खिलाफ है। एक सैनिक को शहीद का दर्जा मिलेगा, पेंशन मिलेगी, लेकिन अग्निवीर को न शहीद का दर्जा मिलेगा, न ही पेंशन मिलेगी और न ही सामाजिक सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था का इंजन बंद कर दिया, लेकिन जब इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो गरीबों एवं युवाओं को आर्थिक मदद देकर इस इंजन को फिर से चालू किया जाएगा।

हरियाणा में बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के लिए भाजपा जिम्मेदार : प्रियंका गांधी

सिरसा (हरियाणा)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने हरियाणा में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई के लिए भारतीय जनता पार्टी सरकार की बृहस्पतिवार को आलोचना की। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा-पूरे देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा में है जिसकी कीमत यहां के युवाओं को चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा-जनता बेतहाशा महंगाई, भ्रष्टाचार और भाजपा की अस्थिरता से तंग आ चुकी है और एक बड़ा बदलाव लाने जा रही है। प्रियंका ने कहा-प्रदेश में पार्टी की जबरदस्त लहर है। कांग्रेस राज्य की सभी सीटें भारी अंतर से जीतेगी। प्रियंका ने इससे पहले हरियाणा में 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार कुमारी सैलजा के पक्ष में रोड शो का नेतृत्व किया।

भारत में जन्मी जया बडिगा अमेरिकी कोर्ट में बनी जज

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- कैलिफोर्निया में सैक्रामेंटो काउंटी की उच्च अदालत में देंगी सेवाएं
- 2022 से उच्च अदालत में आयुक्त के रूप में कार्य कर चुकी

भारतीय-अमेरिकी वकील जया बडिगा को कैलिफोर्निया में सैक्रामेंटो काउंटी की उच्च अदालत में न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने बडिगा की नियुक्ति की। इससे पहले वह 2022 से सैक्रामेंटो काउंटी की उच्च अदालत में आयुक्त के रूप में कार्य कर चुकी हैं। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में जन्मी बडिगा न्यायाधीश रॉबर्ट एस. लाफम की जगह लेंगी।

डेमोक्रेटिक पार्टी की सदस्य बडिगा ने 2020 में कैलिफोर्निया स्वास्थ्य देखभाल सेवा विभाग में और 2018 में कैलिफोर्निया गवर्नर के आपातकालीन सेवा कार्यालय में एक वकील के रूप में भी काम किया। सैक्रामेंटो कंट्री पब्लिक लॉ लाइब्रेरी के अनुसार, बडिगा एक प्रमाणित पारिवारिक कानून विशेषज्ञ हैं और उन्होंने दस वर्ष से अधिक समय तक पारिवारिक कानून से संबंधित काम किया है।

राज सिंह बधेशा फ्रेस्नो काउंटी में नियुक्त : इस बीच, गवर्नर ने फ्रेस्नो काउंटी के राज सिंह बधेशा को फ्रेस्नो काउंटी की उच्च अदालत में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया। बधेशा न्यायाधीश जॉन एन. कपेटन का स्थान लेंगे जो सेवानिवृत्त हो गए हैं।

भारत को स्पष्ट, सतत नेतृत्व के लिए जनादेश की आवश्यकता

वाशिंगटन। भारत के पूर्व शीर्ष राजनयिक हर्षवर्धन श्रृंगला ने बुधवार को कहा कि भारत को स्पष्ट और सतत नेतृत्व के लिए जनादेश की आवश्यकता है जो भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अनेक निर्णय ले सके।

अमेरिका में भी उन्हें ऐसा लगा कि यहां का प्रशासन भारत में स्पष्ट जनादेश देखना चाहता है जो देश को एक मजबूत आर्थिक शक्ति बना सके। पूर्व विदेश सचिव एवं अमेरिका में भारतीय राजनयिक श्रृंगला इस समय निजी यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा देश में युवाओं की बड़ी संख्या हैं। उम्मीद है कि वे नेतृत्व के लिए जनादेश देंगे जो उन्हें सर्वश्रेष्ठ अवसर मुहैया कराएगा और हमें ऐसी स्थिति में ले जाएगा जहां हमने हर पहलू में विकसित देश बनने के बारे में सपने में भी नहीं सोचा हो फिर चाहे वह वह महिला सशक्तीकरण हो, आर्थिक, सामाजिक-आर्थिक या पर्यावरणीय विकास के बारे में हो।

प्ले स्टोर की फर्जी ऐप से सावधान बैंक अकाउंट हो सकता है खाली

आज के मॉडर्न समय में स्मार्ट फोन और उस फोन में मौजूद ढेरों ऐप्स हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं। ये ऐप्स हमारा मनोरंजन तो करते हैं, साथ ही हमें जरूरी सेवाएं भी देते हैं। अब तक हमें लगता था कि प्ले स्टोर में मौजूद ऐप्स तो सुरक्षित हैं। हम किसी भी ऐप को आंख मूंदकर डाउनलोड कर लेते थे। लेकिन सावधान, ठगों और क्रिमिनलों की नजर से अब प्ले स्टोर भी अछूता नहीं है। साइबर क्रिमिनल कुछ ऐसे नकली ऐप बना रहे हैं, जिन्हें इंस्टॉल करने के बाद आपकी पर्सनल जानकारी लीक हो सकती है या फिर आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। इसी को लेकर भारत सरकार के सिक्योरिटी पोर्टल 'साइबर दोस्त' ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने एक इमेज शेयर करते हुए बताया है कि गूगल प्ले स्टोर पर यूनियन-रिवार्ड.एपीके नाम से एक ऐप मौजूद है। ये ऐप देखने में यूनियन बैंक के असली ऐप जैसा लगता है, लेकिन यह एक फेक एंड्रॉयड ऐप है। इससे पहले भी साइबर दोस्त फेक लोन ऐप्स और फेक स्टॉक ट्रेडिंग ऐप से अलर्ट रहने की चेतावनी दे चुका है। इसलिए आज जरूरत की खबर में बात फेक ऐप्स की।

मोबाइल बैंकिंग सुरक्षित पर सावधानी जरूरी

साइबर एक्सपर्ट ईशान सिन्हा बताते हैं कि मोबाइल बैंकिंग पूरी तरह सुरक्षित है, क्योंकि बैंक बेहद सेफ और हाई इन्क्रिप्शन टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हैं। बस कुछ सावधानियां बरतने की जरूरत है। जैसे- मोबाइल बैंकिंग ऐप डाउनलोड करने की सबसे सुरक्षित जगह आपके बैंक की वेबसाइट है। आपके मोबाइल बैंकिंग ऐप को सुरक्षित रखने के लिए पासवर्ड नींव की तरह होता है। इसलिए स्ट्रॉन्ग पासवर्ड जरूर बनाएं। बैंकिंग ऐप्स के इन-ऐप फिंगरप्रिंट डिवाइस का प्रयोग करें।

फर्जी ऐप्स से फोन को बचाएं

अगर आपने पहले ही कोई संदिग्ध ऐप इंस्टॉल कर लिया है, जिसकी वजह से आपकी डिवाइस स्लो हो गई है या अनचाहे विज्ञापन आ रहे हैं तो ऐसे ऐप्स को तुरंत अनइंस्टॉल कर दें। इसके अलावा अगर आपको स्मार्टफोन के किसी ऐप के संदिग्ध होने की आशंका है तो इन स्टेप्स को फॉलो करें। जैसेकि- अपने फोन या टेबलेट को रीस्टार्ट करें। एक अच्छा एंटीवायरस इंस्टॉल करें।

असली व नकली ऐप्स को इस तरह पहचाने

आमतौर पर जब हमें कोई भी ऐप डाउनलोड करना होता है तो हम गूगल के प्ले स्टोर या एपल के एप स्टोर पर जाकर उसे डाउनलोड करते हैं। इन ऐप स्टोर्स पर कई ऐसे फर्जी ऐप भी मौजूद हैं, जो यूजर्स की निजी जानकारी चोरी करने से लेकर बैंक अकाउंट को खाली कर सकते हैं। साइबर क्रिमिनल नकली ऐप्स की डिजाइनिंग बेहद सफाई से करते हैं, जिससे आम लोगों के लिए अंतर कर पाना मुश्किल होता है।

नकली ऐप्स के इंटरफेस असली जैसे होते हैं

नकली मोबाइल ऐप्स ऐसे एप्लिकेशन होते हैं, जो वैलिड ऐप्स के लुक और अंदर के इंटरफेस से काफी मिलते-जुलते होते हैं। जिससे आसानी से यूजर्स को इंस्टॉल करने के लिए धोखा दिया जा सके। इन्हें इतने सलीके से बनाया जाता है कि ज्यादातर यूजर्स के लिए असली और नकली ऐप्स के बीच अंतर कर पाना मुश्किल होता है। ये वैलिड ऐप स्टोर जैसे ऐपल के ऐप स्टोर या गूगल के प्ले स्टोर पर भी हो सकते हैं। कुछ नकली ऐप्स आपके कैमरे को कंट्रोल करने की परमिशन मांगते हैं।

एक नजर

रामास्वामी ने जॉर्जिया में डेमोक्रेटिक प्राइमरी जीती

वाशिंगटन। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य सीनेट के चुनाव में उम्मीदवारी हासिल करने की कोशिश कर रहे भारतीय-अमेरिकी अश्विन रामास्वामी ने डेमोक्रेटिक पार्टी की राज्य प्राइमरी जीत ली है। हालांकि, भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल की बहन सुशीला जयपाल को ओरेगन राज्य से कांग्रेस चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक प्राइमरी चुनाव हार गई हैं। रामास्वामी (23) ने कहा नवंबर में मैं रिपब्लिकन सीनेटर शॉन स्टिल का सामना करूंगा-जिन पर डोनाल्ड ट्रम्प के साथ 2020 में फर्जी मतदाता होने का आरोप लगाया गया था।

ब्रुनेई की जेलों में बंद पांच लोगों में एक भारतीय

बंदर सेरी बेगवान। ब्रुनेई की जेल में बंद पांच विदेशियों में एक भारतीय वरिष्ठ नागरिक शामिल है जिन्हें आव्रजन उल्लंघन के लिए कैद और जुर्माना लगाया गया है। यह जानकारी ब्रुनेई के आव्रजन एवं राष्ट्रीय पंजीकरण विभाग (आईएनआरडी) ने दी। आईएनआरडी के अनुसार 60 वर्षीय भारतीय नागरिक को देश में समय से ज्यादा रुकने के लिए छह महीने जेल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा एक 64 वर्षीय फिलिपिनो को ज्यादा समय तक रुकने पर नौ महीने की जेल की सजा सुनाई गई और कोड़े मारने के बदले में 800 ब्रुनेई डॉलर (590 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भी लगाया गया।

ऋषि सुनक व विपक्षी दल चुनाव प्रचार में जुटे

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक तथा विपक्षी नेता बृहस्पतिवार से चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। सुनक ने देश में महज छह सप्ताह बाद चार जुलाई को आम चुनाव कराने की घोषणा एक दिन पहले ही की थी। भारतीय मूल के नेता सुनक (44) ने बुधवार शाम बारिश के बीच 10 डाउनिंग स्ट्रीट की सीढ़ियों से अपने भाषण से देश के राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी। प्रधानमंत्री ने चुनाव के लिए स्पष्ट योजना, साहसिक कदम, सुरक्षित भविष्य का नारा दिया है। उन्होंने पूर्वी लंदन में एक प्रचार कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा अगले कुछ सप्ताह तक मैं प्रत्येक वोट के लिए संघर्ष करूंगा।

मैक्सिको में मंच गिरने से नौ लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के उत्तरी प्रांत नुएवो लियोन में राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान मंच के गिर जाने से एक बच्चे सहित नौ लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य लोग घायल हो गए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार यह घटना उस समय हुई, जब केंद्र-वामपंथी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जॉर्ज अल्वारेज मेनेज सैन पेड्रो गार्ज़ा गार्सिया शहर में भाषण दे रहे थे। इसी दौरान मंच अचानक गिर गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि मेनेज को गिरने से कोई चोट नहीं आई और घटना के बाद उन्हें समर्थकों से बात करते देखा गया।

महाराष्ट्र में एसडीआरएफ के तीन जवान डूबे

पुणे। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में बृहस्पतिवार सुबह एक नाव के नदी में पलट जाने के बाद राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के एक सब-इंस्पेक्टर और दो कांस्टेबल डूब गये। यह घटना अकोले तहसील के सुगाव गांव के पास सुबह करीब 7 बजकर 45 मिनट पर एक युवक की तलाश के दौरान हुई, जो बुधवार को एक अन्य व्यक्ति के साथ प्रवरा नदी में डूब गया था। तलाशी दल में एसडीआरएफ के चार कर्मी और एक नागरिक शामिल था। अहमदनगर के पुलिस अधीक्षक राकेश ओला ने कहा कल दो युवक नदी में डूब गए।

पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश के तटों से टकराएगा भीषण चक्रवात रेमल

रविवार को 102 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है हवा

नई दिल्ली, एजेंसी

बंगाल की खाड़ी में उठने वाला भीषण चक्रवाती तूफान रेमल पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश के तट से टकराएगा। बंगाल की खाड़ी के ऊपर दबाव तेज होता जा रहा है, जिस कारण रविवार को 102 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस मॉनसून पूर्व मौसम में बंगाल की खाड़ी में यह पहला चक्रवात है।

हिंद महासागर क्षेत्र में चक्रवात के नामकरण प्रणाली के अनुसार इस तूफान का नाम रेमल रखा गया है। भारत मौसम विभाग की वैज्ञानिक मोनिका शर्मा ने बताया यह प्रणाली शुक्रवार की सुबह तक मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक दबाव क्षेत्र में केंद्रित हो जाएगा। यह शनिवार की सुबह एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा और इसमें तेजी आयेगी। इसके बाद रविवार शाम तक यह एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में बांग्लादेश और निकटवर्ती पश्चिम बंगाल तट पर पहुंचेगा। आईएमडी के मुताबिक, रविवार को चक्रवात के कारण 102 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मौसम कार्यालय ने 26-27 मई को पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा, मिजोरम, त्रिपुरा और दक्षिण मणिपुर के तटीय जिलों में बहुत भारी वर्षा की चेतावनी दी है। समुद्र में मछली पकड़ने गए मछुआरों को तट पर लौटने तथा 27 मई तक बंगाल की खाड़ी में न जाने की सलाह दी गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र की सतह के गर्म तापमान के कारण चक्रवाती तूफान तेजी से अपनी गति बढ़ा रहे हैं और लंबे समय तक अपनी शक्ति बरकरार रख रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप महासागर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से अधिकांश अतिरिक्त गर्मी को अवशोषित कर रहे हैं।

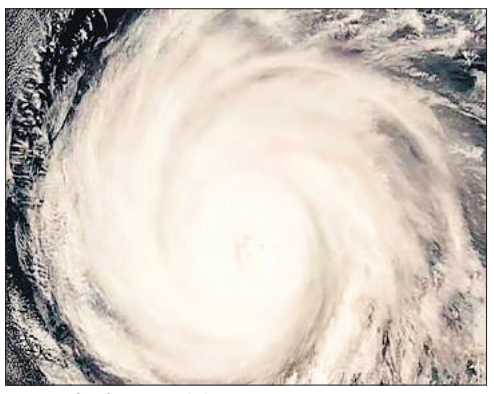

चक्रवात की प्रतीकात्मक फोटो।

बंगाल और अरब सागर बहुत गर्म

वैज्ञानिक राजीवन ने कहा बंगाल की खाड़ी और अरब सागर इस समय बहुत गर्म हैं, इसलिए उष्णकटिबंधीय चक्रवात आसानी से बन सकता है। उन्होंने कहा कि यह चक्रवात न केवल समुद्र द्वारा नियंत्रित होते हैं, बल्कि इसमें वायुमंडल भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पिछले 30 वर्षों में समुद्र की सतह का तापमान सबसे अधिक दर्ज

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 30 वर्षों में समुद्र की सतह का तापमान सबसे अधिक दर्ज किया गया है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डीएस पई के अनुसार, समुद्र की सतह के गर्म तापमान का मतलब अधिक नमी है, जो चक्रवातों की तीव्रता के लिए अनुकूल है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव माधवन राजीवन ने कहा कि कम दबाव प्रणाली को चक्रवात में बदलने के लिए समुद्र की सतह का तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक होना आवश्यक है। बंगाल की खाड़ी में सतह का तापमान फिलहाल 30 डिग्री सेल्सियस है।

पन्नू मामले में प्रत्यर्पण के खिलाफ निखिल गुप्ता की याचिका खारिज

लंदन। चेक की संवैधानिक अदालत ने अमेरिकी सरजमीं पर एक खालिस्तानी चरमपंथी की हत्या की साजिश रचने के मामले में अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता की याचिका खारिज कर दी। गुप्ता चेक की राजधानी प्राग की एक जेल में कैद है। अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने गुप्ता (52) के खिलाफ पिछले वर्ष नवंबर में मुकदमा दाखिल किया था।

गुप्ता पर भारत सरकार के एक कर्मचारी के साथ मिलकर खालिस्तानी अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश रचने का आरोप है। पन्नू अमेरिका में रहता है और उसके पास अमेरिकी और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक गणराज्य के प्राग से गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वह जेल में है। अमेरिकी सरकार उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कराने की कोशिश कर रही है।

● चेक संवैधानिक अदालत ने की याचिका खारिज

चेक संवैधानिक अदालत ने प्रत्यर्पण के खिलाफ गुप्ता की याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने बुधवार को एक बयान में कहा कि संवैधानिक अदालत को ऐसी किसी परिस्थिति का भान नहीं हुआ, जिसमें प्रत्यर्पण को मंजूर करने से संवैधानिक मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का किसी भी प्रकार का उल्लंघन होता हो। संवैधानिक अदालत ने कहा कि इसने व्यवस्था दी है कि अधीनस्थ अदालत ने प्रत्यर्पण को रोक सकने वाले सभी पहलुओं पर पूर्ण रूप से विचार किया। इतना ही नहीं इसने इन दलीलों को भी खारिज कर दिया कि यह मामला राजनीतिक था। संवैधानिक अदालत ने कहा चेक अदालत के समक्ष शिकायतकर्ता की याचिका पर सुनवाई यहां समाप्त होती है।

ताइवान को चारों तरफ से घेरकर चीन का युद्धाभ्यास

बीजिंग/ताइपे, एजेंसी

- नए राष्ट्रपति की जीत से नाराज ड्रैगन, कहा- इसकी सजा मिलेगी

ताइवान में तीन दिन पहले चीन विरोधी नेता विलियम लाई चिंग-ते के राष्ट्रपति की शपथ के बाद चीन ने गुरुवार को ताइवान को चारों तरफ से घेरकर दो दिन का युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। ऐसा पहली बार है जब चीन ताइवान के खिलाफ इतने बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास कर रहा है। इससे पहले तक वह सिर्फ ताइवान पर आर्थिक प्रतिबंध लगाता आया है। दरअसल, ताइवान में इस साल जनवरी में हुए राष्ट्रपति चुनाव से पहले चीन ने उम्मीदवार लाई चिंग ते को अलगाववादी कहा था। साथ ही ताइवानियों को चेतावनी दी थी कि अगर वे सैन्य संघर्ष से बचना चाहते हैं, तो सही विकल्प चुनें।

हालांकि, चीन की धमकी के बावजूद ताइवान में चीनी विरोधी नेता लाई चिंग-ते को जीत हासिल हुई। उनकी शपथ के बाद चीनी सेना के प्रवक्ता कर्नल ली शी ने कहा था कि ताइवानियों को इसकी सजा मिलेगी।

शी ने कहा था कि चीन की थल सेना, नौसेना और वायु सेना इस संयुक्त अभ्यास से ताइवान की आजादी को बढ़ावा देने वाले अलगाववादियों को जवाब देंगे। इस अभ्यास में लड़ाकू विमान और नौसेना के कई युद्धपोत शामिल हैं। चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, चीनी सेना के ईस्टर्न थिएटर कमांड ने यह युद्धाभ्यास स्थानीय समयानुसार सुबह 7:45 बजे (भारतीय समय के मुताबिक सुबह 5:15 बजे) शुरू किया। चीन ने इस अभ्यास को जॉइंट स्वॉर्ड-2024ए नाम दिया है।

ताइवानी राष्ट्रपति बोले- चीन सैन्य अभ्यास रोके

ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने चीन से सैन्य अभ्यास रोकने को कहा है। लाई ने चीन से अपील की है कि वह अपने आक्रोश को रोककर पूरे इलाके में शांति बनाए रखने की कोशिश करे। लाई के मुताबिक जिन द्वीपों के पास अभ्यास चल रहा है वे ताइवान के हैं। वहीं, ताइवानी सेना को भी अलर्ट पर रखा गया है, जिससे पूरे इलाके में शांति बनी रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद लाई चिंग-ते ने भी अपने पहले संबोधन में कहा था कि ताइवान स्वतंत्र देश है, जो देश की संप्रभुता बनाए रखने के लिए कुछ भी कर सकता है।

पुणे कार हादसा : नाबालिग के दादा से पूछताछ

पुणे, एजेंसी

पुणे पुलिस पोर्शे कार दुर्घटना मामले में संलिप्त 17 वर्षीय लड़के के दादा से बृहस्पतिवार को पूछताछ कर रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुणे पुलिस की अपराध शाखा के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने किशोर के पिता, स्टाफ सदस्यों और मुंडवा क्षेत्र में शराब परोसने वाले दो बार के मालिक के खिलाफ दर्ज मामले के सिलसिले में लड़के के दादा को पूछताछ के लिए तलब किया था। पुलिस अधिकारी ने कहा नाबालिग के दादा से फिलहाल पुणे पुलिस आयुक्तालय में अपराध शाखा के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। पुणे के कल्याणी नगर में रविवार तड़के पोर्शे कार के नाबालिग चालक ने मोटरसाइकिल से जा रहे दो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को कुचल दिया था, जिससे दोनों की मौत हो गयी थी।

किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) द्वारा रविवार को पारित आदेश के मुताबिक उसके दादा ने आश्वासन दिया है कि वह उसे बुरी संगति से दूर रखेंगे और नाबालिग अपनी पढ़ाई या किसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो उसके करियर के लिए उपयोगी हो।

पोर्श कार का अस्थायी पंजीकरण होगा रद

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में जिस तेज रफ्तार पोर्श कार की चपेट में आकर दो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की मौत हुई थी, उसके अस्थायी पंजीकरण को रद करने की प्रक्रिया क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) ने शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इलेक्ट्रिक लक्जरी स्पोर्ट्स सेडान- पोर्श टायकन कार को अस्थायी पंजीकरण के आधार पर महाराष्ट्र भेजे जाने से पहले मार्च में बेंगलुरु के एक डीलर ने इसका आयात किया था।

सिंगापुर में मुस्तफा समूह का बड़े पैमाने पर डेटा लीक

सिंगापुर। सिंगापुर के लिटिल इंडिया में शॉपिंग मॉल का संचालन करने सहित कई क्षेत्रों में कारोबार कर रहे मुस्तफा ग्रुप का डेटा बड़े पैमाने पर लीक हो गया है और इस द्विपीय देश की डेटा सुरक्षा एजेंसी पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। चर्चित हैकर मंच ब्रीचफोरम के साइबर हमलावरों ने दावा किया है कि उन्होंने मुस्तफा समूह के ग्राहकों और कर्मचारियों की निजी जानकारी चोरी कर ली है।

हाल के सप्ताह में मंच को बंद कर दिया है। हैकर ने पूर्व में दावा किया था कि उसने कंपनियों द्वारा संभावित अपराधियों की पहचान के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वैश्विक डेटाबेस से डेटा चोरी की है।

उत्सव

बौद्ध भिक्षुओं ने गुरुवार को कोलकाता में महाबोधि सोसाइटी में बुद्ध पूर्णिमा (वैशाख पूर्णिमा) उत्सव के अवसर पर भगवान बुद्ध की पूजा की।

खगोल विज्ञान | क्षुद्रग्रहों की विविधता उजागर करती है यह खोज

वैज्ञानिकों ने खोज निकाले जुड़वां क्षुद्रग्रह

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : खगोल वैज्ञानिकों ने एक जुड़वां क्षुद्रग्रह खोज निकाला है। यह दोनों एक दूसरे से कुछ ही दूरी पर मौजूद रहकर अपने पथ पर सफर करते हैं। इनसे पृथ्वी को कोई खतरा नहीं है। यह खोज क्षुद्रग्रहों की विविधता बताती है।

क्षुद्र ग्रह पृथ्वी के सबसे बड़े दुश्मन माने जाते हैं। इनमें से न जाने कौन कब पृथ्वी से टकरा जाय, इस कारण वैज्ञानिकों की नजर इन पर बनी रहती है। मगर अब जिस क्षुद्रग्रह की खोज हुई है, वह विचित्र है। पहली बार इस तरह की खोज हुई है। यह ट्रोजन क्षुद्रग्रहों के लिए नासा के मिशन लुसी द्वारा खोजा गया हैं। लूसी मिशन अंतरिक्ष में जब डिंकिनेश नामक क्षुद्रग्रह से गुजर रहा था, तो उसे नजर आ गई। पहली नजर में देखने पर यह चंद्रमा प्रतीत हो रहा था। मगर से देखने पर इसकी वास्तविकता आश्चर्यजनक लगी। इसकी जांच पड़ताल करने पर पता चला कि यह दो वस्तुओं से बना है जो गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से भौतिक रूप से एक दूसरे को छूते हैं, लेकिन पूरी तरह से एक दूसरे में विलय नहीं होते हैं। यह खोज अप्रत्याशित थी। कॉर्नेल कोल्बी मेरिल, कोलोराडो विश्वविद्यालय और बर्न विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को इस खोज का श्रेय जाता है। इस क्षुद्रग्रह की प्रकृति को बाइनरी यार्कोव्स्की-ओ''कीफ-रेडज़िएव्स्की-पैडैक प्रभाव कहा जाता है। यह क्षुद्रग्रह लगभग 790 मीटर व्यास का है।

जुड़वां क्षुद्र ग्रह की तस्वीर। ● अमृत विचार

अभी और भी प्रकृति के हो सकते हैं क्षुद्रग्रह

इस क्षुद्रग्रह के मिलने के बाद वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि विविध प्रकृति के कई अन्य क्षुद्र ग्रह हमारे अपने सौर मंडल में मौजूद हो सकते हैं। आने वाले समय में क्षुद्रग्रहों के अनेक रहस्य खुलेंगे। इसके लिए नई तकनीक इजाद की जा रही हैं।

गुप्त सूचनाएं लीक करने वाला पाकिस्तानी एजेंट गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी गुप्त सूचनाएं पाकिस्तानी एजेंट को देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

एटीएस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि खुफिया सूचना मिली थी कि पोरबंदर तट पर मछली पकड़ने का व्यवसाय करने वाले पोरबंदर, सुभाष नागर निवासी जतीन जीतेन्द्र चारणिया (21) पिछले चार महीनों से अद्विका प्रिंस नामके पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में है, जो भारतीय तटरक्षक की जेटी और उसके जहाजों के बारे में जानकारी फेसबुक मेसेंजर, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे चैट एप्लिकेशन के माध्यम से पाकिस्तान के एजेंट को भेजता है और बदले में पैसे प्राप्त करता है, ऐसा करके वह राष्ट्र विरोधी गतिविधियां कर रहा है।

विकासशील देशों पर भारी कर्ज कम करने में मदद करने का आग्रह

वाशिंगटन, एजेंसी।

- अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने की बैठक

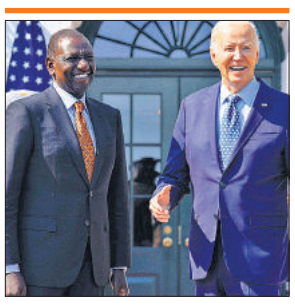

केन्या के राष्ट्रपति के साथ जो बाइडेन।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं से केन्या और अन्य विकासशील देशों को नुकसान पहुंचा रहे भारी कर्ज के बोझ को कम करने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया है।

इस अफ्रीकी देश के किसी नेता द्वारा 15 वर्ष में की गयी यह अमेरिका की पहली राजकीय यात्रा है। इस कार्रवाई का आह्वान ऐसे समय में किया गया जबकि राष्ट्रपति बाइडन अफ्रीकी देशों से अपनी इस अपील पर जोर दे रहे हैं कि अमेरिका आर्थिक प्रतिद्वंद्वी चीन की तुलना में बेहतर भागीदार हो सकता है। बीजिंग अफ्रीका महाद्वीप में अपना निवेश बढ़ा रहा है। यह काम अक्सर उच्च-ब्याज दर पर ऋण देकर और अन्य कठिन वित्तीय शर्तों के साथ किया जा रहा है। बाइडन और रूटो चाहते हैं कि ऋणदाता देश उन विकासशील देशों के लिए वित्तपोषण बाधाओं को कम करें जो उच्च ऋण बोझ की वजह से लाचार हैं।